* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

29 जून, 2024
आषाढ़, कृष्ण पक्ष, अष्टमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शनिवार, वर्ष 09, अंक 249

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

हेमंत सोरेन पांच महीने बाद जेल से बाहर आये, झारखंड हाइकोर्ट ने कहा

पूर्व सीएम के खिलाफ ठोस सबूत नहीं

■ कोर्ट ने 50 हजार के मुचलके पर दी जमानत ■ पत्नी कल्पना सोरेन उन्हें जेल लेने पहुंचीं ■ जेल से निकल कर पिता शिबू सोरेन के आवास पहुंचे ■ माता-पिता से लिया आशीर्वाद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पांच महीने बाद शुक्रवार को रांची के बिरसा मुंडा जेल से बाहर आ गये। झारखंड हाइकोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं हैं। हेमंत की पत्नी सह विधायक कल्पना सोरेन उनको लेने के लिए जेल पहुंची थी। जेल के बाहर समर्थकों ने उनका स्वागत किया। कार्यकर्ताओं में उत्साह था और लड्डू बांटे गये। जेल से निकल कर हेमंत सीधे पिता शिबू सोरेन के आवास गये। वहां माता-पिता से अशीर्वाद लिया।

हाइकोर्ट ने कई बड़ी बातें कहीं

जमीन घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री को बड़ी राहत देते हुए झारखंड हाइकोर्ट ने उन्हें जमानत दी। कोर्ट ने 50 हजार के मुचलके पर हेमंत को जमानत दी है। कोर्ट ने 13 जून को इस मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। हाइकोर्ट ने शुक्रवार को हेमंत सोरेन को जमानत देते हुए कई बड़ी बातें कहीं। कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है। इस बात के कोई सबूत नहीं हैं, जो ये साबित कर सकें कि हेमंत सोरेन का जमीन घोटाले से सीधा कनेक्शन है। इसके अलावा जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय ने प्रवर्तन निदेशालय (इडी) के उस दावे को भी अस्पष्ट बताया, जिसमें कहा गया था कि उसकी समय पर कार्रवाई से हेमंत सोरेन और अन्य आरोपी अवैध रूप से जमीन पर कब्जा नहीं कर पाये। कोर्ट ने कहा कि इडी ने जिन गवाहों का बयान लिया है, उनके मुताबिक हेमंत सोरेन पहले ही जमीन हासिल कर चुके थे, ऐसे में इडी का यह दावा भी साफ नहीं है।

घोटाले की अवधि के दौरान हेमंत सत्ता में नहीं थे

कोर्ट ने कहा कि जमीन घोटाले की अवधि के दौरान हेमंत सोरेन सत्ता में नहीं थे। इसके बावजूद कथित अधिग्रहण से पीड़ित किसी भी शख्स ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करायी। कोर्ट ने यह भी कहा कि पीएमएलए, 2002 की धारा 45 की शर्त के तहत यह मानने का कारण है कि याचिकाकर्ता आरोपित अपराध का दोषी नहीं है।

तानाशाही हारी, न्याय की जीत हुई : कल्पना

रांची (आजाद सिपाही)। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की रिहाई पर कल्पना सोरेन खुश दिखीं। उन्होंने हेमंत के सोशल मीडिया (एक्स) पर रिहाई की खुशी जाहिर की। कल्पना ने हाइकोर्ट की टिप्पणी वाली खबर की कटिंग को शेयर किया। इस पर लिखा 'सांच को आंच क्या। तानाशाही हार गयी। न्याय की जीत हुई।'

हेमंत के वकील ने यह दलील रखी थी

हेमंत सोरेन की तरफ से सुप्रीम कोर्ट की वकील मीनाक्षी अरोड़ा ने पैरवी की थी। उन्होंने कहा कि इस केस में मनी लांड्रिग का मामला नहीं बनता। यह पूरी तरह से राजनीतिक प्रतिशोध का मसला है। इडी ने अपनी चार्जशीट में जिस जमीन पर बैंक्वेट हॉल बनाने की बात कही है, वह महज उसका अनुमान है। वकील ने कोर्ट को बताया कि जिस 8.86 एकड़ जमीन को लेकर इडी कार्रवाई कर रही है, वह उनके नाम है ही नहीं। इडी सिविल मामले को क्रिमिनल बना रही है।

फैसले पर 48 घंटे के लिए रोक की मांग भी खारिज

प्राप्त जानकारी के अनुसार इडी का पक्ष रख रहे अधिवक्ता जोहैब हुसैन ने एकल पीठ के आदेश के अमल पर 48 घंटे तक रोक लगाने का अनुरोध किया, ताकि फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा सके। हाइकोर्ट ने इस अनुरोध को ठुकरा दिया।

31 जनवरी को इडी ने किया था गिरफ्तार

जमीन घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में 31 जनवरी 2024 को इडी ने हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया था। इडी ने सोरेन पर आरोप लगाया था कि उन्होंने अवैध तरीके से बड़गाईं अंचल की 8.86 एकड़ जमीन पर कब्जा किया। यह पीएमएलए-2002 में निहित प्रावधानों के अनुसार मनी लांड्रिंग है। वह पिछले पांच महीने से रांची की बिरसा मुंडा जेल में बंद थे। हाइकोर्ट के आदेश के बाद शुक्रवार को हेमंत सोरेन को रिहा किया गया है।

■ हेमंत की हिम्मत के आगे जेल का ताला टूटा - पढ़ें पेज 02

■ मां ने आरती उतारी, हेमंत ने पिता का हाल जाना- पढ़ें पेज 03

हेमंत की रिहाई पर राहुल ने क्या कहा

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी बदले और राजनीतिक दुर्भावना से की गयी थी। उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें जमानत देने के फैसले का हम स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि सोरेन जी से फोन पर बात कर अपनी खुशी जाहिर की। जो संविधान की रक्षा की भावना ले कर चलते हैं, सत्य खुद उनकी रक्षा करता है।

– कांग्रेस नेता राहुल गांधी

महत्वपूर्ण आदिवासी नेता और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एक मामले के कारण इस्तीफा देना पड़ा था, लेकिन आज उन्हें माननीय उच्च न्यायालय से जमानत मिल गयी। हेमंत, हमारे बीच फिर से आपका स्वागत है।

– ममता बनर्जी, मुख्यमंत्री पश्चिम बंगाल

पूरे देश को पता है, मैं किसलिए जेल गया था : हेमंत सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जेल से छूटने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आपको पता है और पूरे देश को पता है कि मैं किसलिए जेल गया था। न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया है। मैं न्यायालय का आदर, सम्मान करता हूं। लेकिन कभी-कभी ये चिंता होती है। वर्तमान समय में राजनेता, समाजसेवी, पत्रकार की आवाज को बड़े सुनियोजित तरीके से बंद करने का प्रयास किया जा रहा है।

न्याय की प्रक्रिया बहुत लंबी है: हेमंत ने कहा कि ये भी पूरे देश में किसी से छिपा नहीं है। न्याय पाने में जो वक्त लगता है, वो सामान्य से महत्वपूर्ण वक्त होता है। एक झूठी मनगढ़ंत कहानी गढ़ कर मुझे जेल के अंदर रखा गया। देश के अलग-अलग हिस्सों में कहीं पत्रकार बंद हैं। कहीं सरकार के विरुद्ध आवाज उठाने वाले लोग बंद। दिल्ली में सीएम जेल में बंद हैं। कई को मंत्री रहते हुए जेल में डाल दिया जा रहा है। न्याय की प्रक्रिया में महीने नहीं सालों लग रहे हैं।

कोर्ट के फैसले की समीक्षा करें पत्रकार : हेमंत ने कहा कि कोर्ट ने अपने आदेश में जो बातें कहीं हैं, पत्रकारों को जरूर पढ़ना चाहिए। उन्हें इस फैसले की समीक्षा करनी चाहिए। साथ ही जनता को इसके बारे में बताना चाहिए। वह खुद अपने मुंह से इस बारे में कुछ नहीं कहेंगे। हेमंत सोरेन से आगे की रणनीति के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि रणनीति बता देंगे, तो फिर आगे काम कैसे होगा।

झारखंड के भाई-बहनों के लिए चिंता की बात

हेमंत ने कहा कि कोर्ट ने आज न्याय किया है। पांच महीने बाद जेल से बाहर आया हूं। मैं इतने दिनों तक जेल में रहा, यह झारखंड के भाई-बहनों के लिए चिंता की बात है। आज पूरा देश जानता है कि मैं क्यों जेल में था। सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को आज जेल में डाल दिया जा रहा है। जो लोग पूरी शिद्दत के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं, उन सबमें बाधाएं डाली जा रही हैं। आज मैं राज्य की जनता के बीच हूं। जो लड़ाई लड़ने का संकल्प हमने लिया है, उसे जारी रखने का काम करेंगे। उन्होंने हाइकोर्ट के फैसले पर कहा कि यह पूरे देश के लिए संदेश है कि कैसे मुझे इतने दिनों तक जेल में बंद रखा गया। किस तरीके से हमारे विरुद्ध षडयंत्र रचा गया।

200 यूनिट बिजली मुफ्त देने पर लगी कैबिनेट की मुहर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें झारखंड में छठा वेतनमान पा रहे पुनरीक्षित कर्मचारियों को बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता देने की स्वीकृति दी गयी। कैबिनेट में इसके अलावा 200 यूनिट बिजली मुफ्त, पुलिसकर्मियों के शहीद होने पर 60 लाख तक मुआवजा, मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य योजना शुरू करने, पीएचडी में नामांकन लेनेवाले छात्रों को राशि देने समेत कई जनहित के प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी।

(पुलिसकर्मियों के शहीद होने पर 60 लाख रुपये तक मुआवजा पढ़ें पेज-02 पर)

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

सर्राफा
सोना (बिक्री) 67,600 रु./10 ग्राम
चांदी 93,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 29 जून, 2024
www.azadsipahi.in

हेमंत की हिम्मत के आगे जेल का ताला टूटा

■ गर्व और न्याय की अनुभूति से आत्मविभोर दिखे हेमंत सोरेन
■ कल्पना का जुनून और कार्यकर्ताओं के हौसलों ने पार्टी को संभाला
■ अब एक नहीं दो-दो हिम्मत है झारखंड मुक्ति मोर्चा के पास

आजाद सिपाही विशेष

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हाइकोर्ट से जमानत मिल गयी है। जमानत से बाहर आते ही हेमंत सोरेन ने कहा कि पूरा देश जानता है कि हमें क्यों जेल भेजा गया था। जमानत मिलते ही कल्पना सोरेन और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं और कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर छा गयी है। उनकी खुशी दोगुनी इसलिए हो गयी है क्योंकि हाइकोर्ट ने भी कह दिया है कि इस बात का कोई सबूत नहीं है, जो यह साबित कर सके कि हेमंत सोरेन का जमीन घोटाले से सीधा कनेक्शन है। हेमंत सोरेन तो चीख-चीख कर पहले से ही कहते आ रहे हैं कि उन्हें फंसाया गया है। जिस जमीन के आरोप में उन्हें जेल भेजा गया है, वह जमीन उनके नाम से है ही नहीं। परिवार, पार्टी के अलावा झारखंड के करोड़ों लोगों में भी एक तरह का रोमांच और उत्सुकता है कि हेमंत सोरेन जेल से बाहर आ गये हैं। अब लोग यह भी कह रहे हैं कि अब भाजपा या यूं कहें एनडीए का क्या होगा। चूंकि झारखंड में इस साल चुनाव होना है। जब हेमंत सोरेन जेल में बंद थे, तब तो लोकसभा चुनाव में उन्होंने एनडीए की झोली से तीन सीटें छीन लीं। अब जब बाहर आ चुके हैं, तब क्या होगा। यह सवाल अब लोगों के बीच उत्सुकता पैदा कर रहा है। हालांकि राजनीति का गणित कुछ अलग तरीके से ही काम करता है। वैसे लोकसभा चुनाव का परिणाम बता गया कि हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को लेकर झारखंड के लोगों और खासकर आदिवासी समाज में जबरदस्त गुस्सा था। झामुमो और हेमंत समर्थकों में गुस्सा इस सवाल को लेकर था कि आखिर जांच की सूई झामुमो पर ही आकर क्यों अटक जा रही है। क्या मनरेगा घोटाला का कनेक्शन पूर्व सरकार के समय से नहीं है? क्या इडी को भाजपा शासनकाल में कुछ भी गड़बड़ नहीं दिखा। यह सवाल लोगों को कचोट रहा था। झारखंड काआम जनमानस भाजपा की वाशिंग मशीन वाले फॉर्मूले को लेकर धीरे-धीरे ही सही, लेकिन मुखर हो रहा है। अब जब हेमंत सोरेन जेल से बहार आ चुके हैं और मात्र दो-तीन महीने में विधानसभा चुनाव होनेवाला है। ऐसे में कोर्ट की टिप्पणी के बाद जेएमएम को फ्रंट फुट पर खेलने के लिए पूरा प्लेटफार्म मिल गया है। अब झामुमो के पास एक हिम्मत नहीं दो-दो है यानी अब झामुमो के पास कल्पना सोरेन भी हैं। उन्होंने हेमंत की अनुपस्थिति में खुद को साबित भी कर दिया है। हेमंत की अनुपस्थिति में कल्पना सोरेन ने पार्टी को जिस तरीके से संभाला है, उसकी कल्पना ही की जा सकती है। जी तोड़ मेहनत और आंसू को ऊर्जा बना डाला था कल्पना सोरेन ने। पार्टी के एक-एक नेता-कार्यकर्ता को संजो कर रखा। कल्पना सोरेन ने साबित कर दिया कि एक गृहिणी घर के अलावा जरूरत पड़ने पर पार्टी को भी चला सकती है। हेमंत सोरेन आज खुश तो बहुत होंगे, लेकिन उन्हें अपनी पत्नी पर गर्व कितना हो रहा होगा, सच में उस कल्पना की अनुभूति की जा सकती है। हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आते ही विधानसभा चुनाव का चुनावी शंखनाद भी हो गया है। जेएमएम एक नहीं, दो नहीं 10 कदम आगे का रास्ता अखितयार कर चुका है। एक तो चंपाई सोरेन ने योजनाओं की झड़ी लगा रखी है, वहीं कल्पना सोरेन जनता के बीच में जा बैठी हैं। अब हेमंत सोरेन भी गरजने को बेचैन होंगे। वह अपनी हर पीड़ा को जनता को बतायेंगे और भाजपा को विलेन बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। क्या है हेमंत सोरेन की जमानत के राजनीतिक मायने और कैसे विधानसभा चुनाव पर इसका असर देखने को मिलेगा, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

जब पार्टी के लिए कल्पना ने लांघ दी दहलीज

जैसे ही हेमंत सोरेन जेल से बाहर आये, झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं में जोश भर गया। उनकी हिम्मत दोगुनी बढ़ गयी। होटवार जेल से निकल कर हेमंत सोरेन सीधे अपने पिता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के आवास पर पहुंचे। वहां उन्होंने गुरुजी का आशीर्वाद प्राप्त किया। उनकी माता रूपी सोरेन ने उन्हें गले लगाया, फिर तिलक लगा कर दही खिलायी। खुशी के मारे उनकी आंखें नम थीं। पत्नी कल्पना सोरेन की आंखों में एक सुकून था। भाई बसंत सोरेन भी साये की तरह भाई के साथ रहे। पूरे परिवार में खुशी की लहर दिखी। उसके बाद हेमंत सोरेन ने बड़े ही भावुक तरीके से मीडिया को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि कैसे समाज की आवाज को दबाया जा रहा है। हेमंत सोरेन शांत थे, लेकिन उनका चेहरा बहुत कुछ बोल रहा था। न्याय के प्रति सम्मान था और आने वाले समय को लेकर खामोशी, लेकिन इस खामोशी में तूफान छिपा है यह तय है।

वह 31 जनवरी की रात थी, जब झारखंड की राजनीति ने अचानक करवट ली। राज्य के सीटिंग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को इडी ने गिरफ्तार कर लिया था। देश भर की मीडिया की निगाहें झारखंड पर थीं। जेएमएम के नेता और कार्यकर्ता हताश थे। हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन बेचैन थीं। पार्टी का क्या होगा, चर्चाओं ने जोर पकड़ा। लोगों को लगने लगा कि जेएमएम अब दो फाड़ हो जायेगा। लोकसभा चुनाव भी नजदीक था। राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं होने लगीं कि पार्टी को कौन संभालेगा। लोकसभा चुनाव में बिना हेमंत के पार्टी कैसे परफॉर्म करेगी। चुनावी जरूरतों और अड़चनों का कौन हल निकालेगा। वहीं विरोधी खेमा उत्साहित था। उसे लगने लगा था कि उसने आधी जंग जीत ली है। अति आत्मविश्वास के साथ एनडीए चुनावी मैदान में उतरा। वहीं हताश पड़ा झारखंड मुक्ति मोर्चा को नयी ताकत देने के लिए हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने घर की दहलीज को लांघ डाला और कूद पड़ीं मैदान में। बता दिया कि अगर एक आदिवासी महिला ने ठान लिया तो वह क्या कर सकती है। कल्पना सोरेन ने बेजान पड़ी पार्टी में नयी जान फूंकने का ही काम नहीं किया, बल्कि लोगों को जाकर बताया भी कि कैसे उनके साथ अन्याय हुआ है। कल्पना ने न दिन देखा न रात, बस एक लक्ष्य साध निकल पड़ीं जनता के बीच। सोशल मीडिया पर पति हेमंत सोरेन की आवाज बनीं। उन्होंने हेमंत सोरेन का फेसबुक पेज उठाया और बता डाला कि जेल का ताला टूटेगा, हेमंत सोरेन छूटेगा। कल्पना सोरेन न सिर्फ हेमंत की आवाज बनीं, वह हेमंत ही हिम्मत बन कर मैदान में उतरीं।

अब एक नहीं दो-दो 'हिम्मत' होंगे मैदान में

अब जब विधानसभा का चुनाव पास है, तो जेएमएम अब डबल मजबूती के साथ मैदान में उतरेगा। हेमंत-कल्पना की जोड़ी एनडीए को बड़ा भारी पड़ने वाली है। अब जब हेमंत सोरेन फिर से हाथों में माइक लेकर जनता के समक्ष बोलेंगे, तब वह बोलेंगे नहीं दहाड़ेंगे। इस बार का विधानसभा चुनाव बहुत दिलचस्प होने वाला है। जेएमएम मानसिक रूप से पहले ही लीड लेकर बैठेगा। आदिवासी सीटों पर जेएमएम का झंडा पहले से ही बुलंद है। इक्का-दुक्का जो छूट भी गयी है, उसे भी जेएमएम मजबूती के साथ साधने का प्रयास करेगा। वैसे सीएम चंपाई सोरेन ने भी अपनी भूमिका बुलंदी के साथ निभायी है। जेएमएम कार्यकर्ताओं और नेताओं का समर्थन उन्हें संपूर्ण रूप से प्राप्त हुआ है। उन्होंने भी लोकसभा चुनाव में अपनी काबिलियत और तजुर्बा का बखूबी परिचय दिया है। पार्टी को उन्होंने पटरी से उतरने नहीं दिया। हेमंत सोरेन का विश्वास उन्होंने अडिग रखा। चंपाई सोरेन बहुत ही मजबूती के साथ सरकार चला रहे हैं। जिन लोकलुभावन योजनाओं की उन्होंने आधारशिला रखी है, वह भी विधानसभा चुनाव में रंग लायेगी। जनता में इन योजनाओं का बहुत ही सकारात्मक मैसेज गया है। वहीं हेमंत को जमानत मिलते ही कांग्रेसी भी उत्साहित हैं। उन्हें भी अब दो-दो मजबूत कंधे मिलेंगे अपनी चुनावी नैया पार लगाने के लिए। क्योंकि संगठन के नाम पर कांग्रेस का झारखंड में बहुत कुछ है नहीं। जो है वह खुद नेताओं के बल पर है या फिर जेएमएम का कंधा।

भाजपा बैकफुट पर

हेमंत सोरेन को जमानत मिलते ही भाजपा बैकफुट पर है। भाजपा को यह अच्छी तरह से पता है कि जब हेमंत सोरेन जेल के अंदर रह कर उसके अति आत्मविश्वास को तोड़ सकते हैं, तो बाहर निकलने पर वह क्या कमाल कर सकते हैं। इस बार तो हेमंत सोरेन के साथ कल्पना सोरेन भी मैदान में होंगी और साथ में होगी सहानुभूति। यह सहानुभूति राजनीति में बड़ा ही मजबूत प्रत्याशी का रोल अदा करती है। इस प्रत्याशी को जीतने के लिए बहुत मेहनत नहीं करनी पड़ती, बस अपनी पीड़ा को जनता के समक्ष रख देना है। अगर थोड़े बहुत आंसू गिर जायें, तो सोने पे सुहागा। फिर बहुत कुछ बोलने की जरूरत नहीं। लेकिन सहानुभूति को बीच-बीच में सिसकियां जरूर लेनी चाहिए। अंत में एक्स फैक्टर के लिए मोटिवेशनल वन लाइनर मारना भूलना नहीं चाहिए, वह भी गरज कर। खैर यह विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए कड़ी चुनौती है। उसे अब फूंक-फूंक कर रणनीति पर विचार करना पड़ेगा। ऐसा नहीं है कि भाजपा कहीं से कमजोर है, लेकिन जो वोटर्स 2024 के लोकसभा चुनाव और 2019 के विधानसभा चुनाव में छिटक गये थे, उसे फिर से अपने पाले में कैसे लाया जाये, यह उसके लिए चिंता का सबब है। भाजपा के पास करीब पच्चास सीटें ऐसी होंगी, जिस पर वह अपने पत्ते सजा सकती है। यह भाजपा को भी अच्छी तरह से पता है। कैसे रूठों को भाजपा मनायेगी यह भी चैलेंज उसके सामने होगा। उसके बाद गुटबाजी और भितरघात से भी भाजपा को दो-दो हाथ करना पड़ेगा। भाजपा को सहयोगी के साथ-साथ तीसरे फ्रंट की भी जरूरत पड़ेगी। वह तीसरा फ्रंट कौन होगा, समय रहते उसे पहचानना पड़ेगा। फिलहाल भाजपा के गढ़ में जेएमएम या यूं कहें इंडी गठबंधन पूरी तरीके से सेंधमारी करने में जुटा है। सत्ता का लाभ उसे मिल रहा है। कैबिनेट विस्तार और योजनाओं के माध्यम से इंडी गठबंधन अपने इस मिशन को अंजाम देना चाहेगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा कौन सी रणनीति अख्तियार करती है।

पुलिसकर्मियों के शहीद होने पर 60 लाख तक मुआवजा

चंपाई सोरेन सरकार का फैसला

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। चंपाई सोरेन कैबिनेट ने शुक्रवार को 38 प्रस्तावों पर मुहर लगा दी। ड्यूटी के दौरान उग्रवादी हिंसा में शहीद हुए पुलिसकर्मियों और केंद्रीय सेवा के पुलिसकर्मियों को विशेष मुआवजा दिया जायेगा। मुठभेड़ के दौरान मौत होने पर 60 लाख रुपये, जख्मी होने पर इलाज का संपूर्ण खर्च, शहीद के बच्चों को पढ़ाई के लिए पांच लाख रुपये, शव को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए 50,000 रुपये दिये जायेंगे। वहीं रोड एक्सीडेंट में मृत्यु होने पर 35 लाख, बच्चे की पढ़ाई का सारा खर्च दिया जायेगा। सांप काटने या मलेरिया से मौत पर 35 लाख रुपये तक दिये जायेंगे।

राज्यकर्मियों का डीए बढ़ा

झारखंड में छठा वेतनमान पा रहे पुनरीक्षित कर्मचारियों को बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता देने की स्वीकृति दी गयी। नक्सली या आतंकी घटना में नागरिकों की मौत पर दिये जानेवाले मुआवजे की गाइडलाइन बनी। उग्रवादी या आतंकवादी हिंसा पर सामान्य नागरिकों की मौत होने पर उनके आश्रितों के अनुग्रह अनुदान और अनुकंपा नियुक्ति के संबंध में प्रस्तुत गाइडलाइन बनायी गयी है। पुराने मामलों में भी इसके तहत निष्पादन किया जायेगा। बीआरपी और सीआरपी के संविदा कर्मियों के मासिक मानदेय के 17500 से बढ़कर 27500 बीआरपी के लिए किया गया। बीआरपी एंड ट्रेंड को 26,000 सीआरपी प्रशिक्षित को 25500, सीआरपी एंड ट्रेंड को 23900 मिलेगा। मानदेय वृद्धि हर साल तीन प्रतिशत की वृद्धि होगी।

200 यूनिट बिजली मुफ्त : झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली के स्थान पर अब 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने की स्वीकृति दी गयी। इसका लाभ 35 से 40 लाख उपभोक्ताओं को मिलेगा। अतिरिक्त प्रतिमाह वित्तीय बोझ 21.7 करोड रुपये आयेगा।

स्टीफन बने राज्य 20 सूत्री कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष

रांची (आजाद सिपाही)। कैबिनेट ने विधायक स्टीफन मरांडी को योजना एवं विकास विभाग के अंतर्गत राज्य 20 सूत्री कार्यक्रम समिति का कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत करने की मंजूरी दी है। इसके अलावा देवघर में अंतरराज्यीय बस टर्मिनल निर्माण के लिए राशि की मंजूरी, झारखंड कारा कक्षपाल संवर्ग के कर्मियों को एक माह का वेतन देने की भी स्वीकृति दी गयी। वहीं, कैबिनेट ने कई नियमवाली में संशोधन को भी मंजूरी दी।

कैबिनेट बैठक का फोकस प्वाइंट

- मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य योजना शुरू होगी। 33 लाख लाभुकों को 15 लाख रुपये तक बीमा।
- मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य योजना शुरू की जायेगी। राज्य में अभी 33 लाख 44000 से अधिक लोगों को 5 लाख के बीमा कवर दिया जा रहा है। अब इसे बढ़ाकर 15 लाख रुपये तक कर दिया गया है। इसके लिए राशन कार्डधारी होना अनिवार्य है।
- राज्य में मुख्यमंत्री अस्पताल संचालन रखरखाव योजना शुरू होगी
- स्वास्थ्य उपकेंद्र की रक्षों के लिए दो लाख प्रतिवर्ष प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए 50 लाख सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए 10 लाख रुपये दिये जायेंगे
- जिला अस्पतालों के लिए भी राशि का प्रावधान किया गया है।
- विश्वविद्यालय के छात्रों के शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए फेलोशिप दी जायेगी।
- पीएचडी में नामांकन लेनेवाले छात्रों को प्रतिमाह 25,000 दर से राशि दी जायेगी।
- रिसर्च के लिए पेपर प्रस्तुति करने के लिए प्रोत्साहन राशि सिर्फ 500 यूनिवर्सिटी के रैंकिंग के आधार पर अगर किसी विद्यार्थी का फेलोशिप प्रकाशित होता है तो एक बार विदेश जाने के लिए दो लाख दिया जायेगा
- टॉप यूनिवर्सिटी में अध्ययन के लिए स्कॉलरशिप राशि 100 फीसदी ट्यूशन फीस दी जायेगी। अधिकतम 6 लाख दिये जायेंगे, लेकिन इसके लिए परिवार की सालाना में 8 लाख से नीचे होनी चाहिए।
- देवघर में अंतरराज्जीय बस टर्मिनल के लिए 60 करोड़ स्वीकृत किये गये
- लोकसभा चुनाव ड्यूटी के लिए प्रतिनियुक्त सुरक्षा बलों को प्रतिपूर्ति के भुगतान की मंजूरी
- केंद्रीय कारा हजारीबाग में हाई सिक्योरिटी जेल निर्माण के लिए 97 करोड़ दिये गये
- झारखंड सहायक कारा पाल संवर्ग नियमावली 2024 गठित किया गयाए इसके तहत पहले शारीरिक दक्षता परीक्षा होगी और बाद में लिखित परीक्षा होगी। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातक रखी गयी है।

www.epaper.azadsipahi.in

29 जून, 2024
आषाढ़, कृष्ण पक्ष, अष्टमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा
आजाद सिपाही

रांची
शनिवार, वर्ष 09, अंक 249

अमरनाथ के लिए 4603 तीर्थयात्रियों का पहला जत्था रवाना

जेल से छूटने के बाद हेमंत सोरेन का हुआ भव्य स्वागत, नेताओं ने दी बधाई, कार्यकर्ताओं ने भी मनाया जश्न

मां ने हेमंत की आरती उतारी, पूर्व सीएम ने पिता का हाल जाना

होटवार जेल से घर पहुंचने पर पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की आरती उतारती उनकी मां रूपी सोरेन।

पिता शिबू सोरेन का हाल पूछते पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन। फोटो : प्रदीप ठाकुर

घर पहुंचने पर पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की आरती उतारतीं पत्नी कल्पना सोरेन।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कथित जमीन घोटाला और मनी लांड्रिंग के आरोप में हाइकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत दे दी है। शाम के करीब चार बजे वह जेल से बाहर निकले। हेमंत सोरेन की पत्नी गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, भाई बसंत सोरेन समेत पार्टी के अन्य नेता कार्यकर्ता ने जेल से निकलते ही उनका स्वागत किया। हेमंत सोरेन ने हाथ हिला कर कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया। फिर उनका काफिला जेल परिसर से बाहर निकला। हेमंत सोरेन का काफिला सीधे शिबू सोरेन के घर पर पहुंचा। यहां उनकी मां ने हेमंत सोरेन की आरती उतारी। यह भावुक करने वाला पल था। जिसके बाद हेमंत सोरेन अपने पिता से मिलने पहुंचे। पिता से आशीर्वाद लिया और उनकी तबीयत के बारे में जानकारी ली। हेमंत सोरेन को 31 जनवरी को इंफोर्समेंट डाइरेक्टोरेट (इडी) ने गिरफ्तार किया था। कई दिनों तक रिमांड पर रख कर इडी ने उनसे पूछताछ की। फिर अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था। वह और उनकी पार्टी के लोग बार-बार यह कह रहे थे कि उन्हें गलत तरीके से फंसाया जा रहा है। एक ऐसे मामले में जिसमें उनकी कोई भूमिका नहीं है। जमानत मिलने के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है। पार्टी यह भी आरोप लगाती रही है कि केंद्र सरकार के इशारे पर हेमंत सोरेन को फंसाया गया है। लोकसभा चुनाव से दूर रखने के लिए उन्हें गिरफ्तार किया गया है। यह भी एक संयोग ही है कि चुनाव खत्म होने के एक माह के भीतर वह जमानत पर छूटे।

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की आरती उतारतीं उनकी बहन।

पूरे परिवार के साथ पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन।

कब क्या हुआ

- 31 जनवरी को हेमंत सोरेन को इडी ने देर रात गिरफ्तार किया
- 22 मई को हाइकोर्ट में जमानत याचिका दायर हुई
- 13 जून को हाइकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा
- 28 जून को हाइकोर्ट ने हेमंत को बेल दी
- 11:38 बजे कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया
- 1:23 बजे बसंत सोरेन बेल के लिए जरूरी दस्तावेज लेकर कोर्ट पहुंचे
- 1:47 में हाइकोर्ट के ऑर्डर की कॉपी मिली
- 3:00 बजे बेल बांड कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया
- 3:37 बजे कोर्ट ने हेमंत की रिहाई का ऑर्डर जारी किया
- 4.00 बजे करीब होटवार जेल बाहर निकले
- 4. 30 बजे गुरुजी के आवास पहुंचे।

क्रांतिकारियों की जमीन है, संघर्ष हमारे डीएनए में है: सुप्रियो

हेमंत सोरेन के जेल से छूटने के बाद जेएमएम ने भाजपा पर साधा निशाना

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने शुक्रवार को कहा कि 148 दिन के बाद एक बड़ी राहत मिली है, जब झारखंड हाइकोर्ट ने जमानत दी है। हम शुरू से इस बात को कह रहे थे और हेमंत सोरेन ने विधानसभा के पटल पर भी यह बात रखी थी। कहा था कि 8 एकड़ रकबा वाली जमीन की अगर एक छटांक जमीन भी हमारे नाम पर होगी, तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। सुप्रियो ने कहा कि हेमंत सोरेन के कठोर प्रण वाली बातों में इमानदारी और सच्चाई भरी थी। इस जमानत के आदेश से उन पर मुहर लगी है, जो आरोप लगे थे, यह कहीं से भी साबित नहीं हो पाये। कहा कि जमानत कोई आसान शब्द नहीं है। यह झारखंड के लोगों के विश्वास की जमानत है। लोकसभा चुनाव के पूर्व एक सुनियोजित साजिश के तहत विरोधी चाहते थे कि एक प्रखर नेता हेमंत सोरेन की आवाज को शांत किया जाये। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि इंडी गठबंधन के प्रखर नेता के पैरों में बेड़ियां लगाने की साजिश रची गयी। हाथों में हथकड़ी, पैरों में बेड़िया डाली गयी थीं कि चुनाव को प्रभावित किया जा सके। आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय बीजेपी की कठपुतली थी, जो उसके इशारों पर काम कर रहा थी, ताकि चुनाव में एनडीए को बढ़त मिले। आदिवासियों ने दिखा दिया कि झारखंड में आदिवासियों की एक भी सीट बीजेपी के खाते में नहीं गयी। अगर चुनाव के दौरान हेमंत सोरेन बाहर रहते तो आज पूरे देश की राजनीतिक स्थिति कुछ अलग रहती। राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष नहीं बल्कि प्रधानमंत्री होते। झारखंड में और 9 सीटें और पूरे देश में कम से कम 30 सीटों का इजाफा इंडी गठबंधन को होता। सुप्रियो ने कहा कि साजिश का अंत हो गया।

बीजेपी की गीदड़ भभकी हमें डरा नहीं सकती

सुप्रियो ने कहा कि भुंइहरी जमीन को लेकर जो आरोप लगे, वह भी आठ एकड़ के। पूरे झारखंड का क्षेत्रफल 79 हजार 710 किलोमीटर का है। वह पूरा क्षेत्र हेमंत सोरेन का है। बीजेपी की गीदड़ भभकी डरा नहीं सकती। 30 जून हूल दिवस है। झारखंड क्रांतिकारियों की जमीन है और संघर्ष हमारे डीएनए में है। हम देश के आदिवासियों, दलितों, अल्पसंख्यकों की आवाज को नहीं छोड़ सकते। युवाओं की उम्मीद के साथ हम खिलवाड़ नहीं कर सकते। सुप्रियो भट्टाचार्य ने झारखंड हाइकोर्ट के साथ-साथ तमाम लोगों का आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने जल संसाधन विभाग की योजनाओं को लेकर की बैठक, दिये निर्देश

सिंचाई परियोजनाएं समय सीमा में पूरी होनी चाहिए: चंपाई

हर खेत तक पानी पहुंचाना राज्य सरकार का लक्ष्य

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि हर खेत तक पानी पहुंचाना राज्य सरकार का लक्ष्य है। इसके लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार जरूरी है। हमारे किसान सालों भर कृषि कर सके। इसके लिए खेतों में पटवन की व्यवस्था होनी चाहिए। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने जल संसाधन विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में विभिन्न सिंचाई योजनाओं को तय समय सीमा में पूरा करने के लिए उसके निर्माण कार्य में तेजी लाने का अधिकारियों को निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सिंचाई की कई आधुनिकतम तकनीकें हैं। इसमें मेगा लिफ्ट और भूमिगत पाइपलाइन सिंचाई परियोजनाएं काफी कारगर साबित हो रही हैं। झारखंड में भी भूमिगत पाइपलाइन सिंचाई परियोजनाओं को विस्तारित किया जा रहा है। इससे फायदा है कि ना तो जमीन अधिग्रहण की समस्या आयेगी और ना ही डैम और जलाशय की वजह से गांव डूबेंगे। इसके साथ भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से एक बड़े इलाके में बिना किसी अड़चन के काफी कम समय में सिंचाई सुविधाओं को पहुंचा सकते हैं। इससे जल का भी ज्यादा से ज्यादा सदुपयोग हो सकेगा। **विस्थापन से जुड़ी समस्याओं का हो समाधान :** मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में ऐसी कई बड़ी सिंचाई परियोजनाएं वर्षों से लंबित है। उनके कार्य की गति काफी धीमी है। इन सिंचाई परियोजनाओं की वजह से विस्थापन से जुड़ी कई समस्याएं सामने आती हैं। ऐसे में विस्थापितों की समस्याओं का समाधान हो जाना चाहिए। विस्थापितों के पुनर्वास और मुआवजा से संबंधित मामले लंबित नहीं रहने चाहिए । उन्होंने कहा कि सिंचाई परियोजनाओं को इस तरह से धरातल पर उतरे कि कम से कम विस्थापन की नौबत आये। **इनकी रही उपस्थिति :** मुख्य सचिव एल ख्यांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, जल संसाधन विभाग के सचिव प्रशांत कुमार, अभियंता प्रमुख संजय कुमार समेत अन्य अभियंता भी मौजूद थे।

छोटी और लघु सिंचाई परियोजनाओं पर करें फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटी सिंचाई परियोजनाओं पर विशेष जोर दें। इससे खेतों में जल्द पानी पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि वृहद और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं के पूरा होने में काफी ज्यादा समय लगता है। इसकी लागत राशि भी काफी ज्यादा होती है और विस्थापन की समस्या पैदा होती है। ऐसे में छोटी-छोटी सिंचाई परियोजनाओं के क्रियान्वयन से इस तरह की समस्याएं नहीं आयेंगी।

सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई प्रणाली आज की जरूरत

मुख्यमंत्री ने कहा कि सौर ऊर्जा से सिंचाई एक टिकाऊ और बेहतर विकल्प के रूप में उभर कर सामने आया है। ऐसे में सोलर सिंचाई प्रणालियों का इस्तेमाल हो। उन्होंने कहा कि सिंचाई पंपों और ड्रिप सिंचाई प्रणालियों को चलाने के लिए इसका इस्तेमाल होना चाहिए। इससे पर्यावरण के साथ पानी की बर्बादी को कम करने और फसल की पैदावार बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इसका फायदा है कि किसानों को सिंचाई के लिए बिजली पर अनावश्यक खर्च नहीं करना पड़ेगा।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
No 1 Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

झारखंड की जनभावना ठगबंधन सरकार के खिलाफ : बाबूलाल

- राज्य में सत्ता परिवर्तन ही अहम मुद्दा : अमर बाउरी
- 14 लोकसभा क्षेत्र में 6 से 15 जुलाई तक होगा विजय संकल्प
- 20 जुलाई को होगी प्रदेश भाजपा की विस्तारित कार्यसमिति बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यालय में बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह समेत अन्य मौजूद थे। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की तैयारी, अभियान, 20 जून को प्रस्तावित कार्यसमिति बैठक, अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य की जनता ठगबंधन सरकार से त्रस्त है। जनता ने लोकसभा चुनाव में अपनी भावनाओं से अवगत करा दिया है। इंडी एलायंस के खिलाफ जनता ने मतदान किया। एनडीए को 9 सीट देकर प्रदेश की जनता ने तीसरी बार मोदी सरकार बनाने के अपनी बड़ी भूमिका निभायी है।

कहा कि भाजपा राज्य की जनता के प्रति आभारी है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता लगातार राज्य सरकार की विफलताओं को उजागर करें। यह झूठी और निकम्मी सरकार मायावी भी है। जनता को फिर तरह तरह की घोषणाओं से दिग्भ्रमित करने में जुटी है। हमें इसे लगातार बेनकाब करना है। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव की दृष्टि से तैयारी में जुट गयी है। आगामी 100 दिन में झारखंड में नया सवेरा लाना है। उन्होंने कहा कि पार्टी राज्य में लूट, भ्रष्टाचार, ध्वस्त विधि व्यवस्था पर गंभीर है। हम लगातार जनता के बीच इसे लेकर जा रहे हैं। सदन से सड़क तक पार्टी ने लगातार इन मुद्दों को उठाया है। कहा कि राज्य की जनता भाजपा के साथ है। जनता ने लोकसभा चुनाव में 80लाख वोटों के साथ 9 सीट एनडीए की झोली में डाले हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा आगामी 6 जुलाई से 15 जुलाई तक सभी लोकसभा क्षेत्रों में अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा आयोजित करेगी।कहा कि संथाल परगना में राज्य सरकार के संरक्षण में बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण डेमोग्राफी में बड़ा बदलाव आया है। कहा कि लोकसभा चुनाव में तो गुमला में एक मतदान केंद्र पर ऐसा मुस्लिम मतदाता आया जहां कोई मुस्लिम आबादी है ही नहीं। कहा कि भाजपा इस मुद्दे पर गंभीर है और चुनाव आयोग से इसकी शिकायत भी करेगी। कहा कि राजमहल में अनुपात से बहुत ज्यादा 50 हजार मुस्लिम वोटर बढ़ गये जबकि पकड़ में 70 हजार मुस्लिम वोटर बढ़े हैं, जो एक साजिश के तहत हुआ है। कहा कि इतना ही नहीं पिछले लोकसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर मतदाता के नाम हटाये गये। कहा कि आज बुनियादी सुविधा के लिए जनता तरस रही। विधि व्यवस्था ध्वस्त है। आठ साल की बच्ची से सामूहिक बलात्कार की घटनाएं हो रहीं। जेपीएससी एसएससी सीजीएल की परीक्षाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गयीं। कहा कि इसलिए जनता में आक्रोश है। जनता के बीच परिवर्तन ही मुद्दा है। जबतक इस भ्रष्ट, निकम्मी ठगबंधन सरकार को उखाड़ नहीं फेंकेंगे चुप नहीं बैठेंगे।

झामुमो-कांग्रेस राजद का चरित्र दोहरा

श्री बाउरी ने कहा कि हेमंत सोरेन को बेल मिलना एक संवैधानिक प्रक्रिया है। न्यायपालिका ने एक निर्णय सुनाया है। लेकिन झामुमो कांग्रेस को बताना चाहिए कि हेमंत सोरेन जेल भी गये थे तो न्यायालय की संवैधानिक प्रक्रिया के तहत और बेल भी मिला है, तो वह भी एक संवैधानिक प्रक्रिया के तहत। लेकिन भाजपा पर दोषारोपण कर जनता को दिग्भ्रमित करना इनका दोहरा चरित्र है। कहा कि ऐसे भी हेमंत सोरेन बेल पर जेल से बाहर आये हैं ये अभी मुकदमों से बरी नहीं हुए हैं। बैठक में अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, महामंत्री मनोज सिंह, प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, सुनीता सिंह सहित मोर्चों के अध्यक्ष भी उपस्थित रहे।

संजय सेठ का सम्मान समारोह 30 जून को होटल लैंडमार्क में

रांची (आजाद सिपाही)। नयी दिशा के तत्वावधान में 30 जून को अपराह्न. 12.15 बजे से 1.15 तक लालपुर रांची स्थित होटल लैंडमार्क के सभागार में सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। नयी दिशा के कार्यक्रम संयोजक मुकेश काबरा ने बताया कि रांची के सांसद संजय सेठ को भारत सरकार मे रक्षा मंत्रालय में रक्षा राज्य मंत्री का महत्वपूर्ण पद मिला है।

जिनके सम्मान में नयी दिशा की ओर से होटल लैंडमार्क में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें रांची के व्यवसायिक संस्थाए सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के अलावे शहर के प्रतिष्ठित गणमान्य लोगों को आमंत्रित किया गया है। सभी केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ का अभिनंदन एवं स्वागत कर सम्मानित करेंगे। श्री काबरा ने कहा है कि रांची के सांसद को रक्षा राज्य मंत्री का विशिष्ट स्थान मिलना पूरे झारखंड के लिए गौरव की बात है। उन्होंने सर्व समाज के सभी प्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि सांसद के सम्मान समारोह कार्यक्रम में समय पर अवश्य पधारें।

महत्वपूर्ण खबरें

पटना-रांची वंदे भारत ट्रेन ने किया क्रेजी

हाजीपुर (आजाद सिपाही)। भारतीय रेल की आधुनिक, स्वदेशी तकनीक और विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस भारत की पहली सेमी हाइ स्पीड रेल सेवाएं वंदे भारत ट्रेन भारत की प्रगति और आधुनिकता का पहचान बन गयी है। इस शृंखला को आगे बढ़ाते हुए एक साल पहले आत्मनिर्भर भारत की मेड इन इंडिया पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस 27 जून 2023 को पहली यात्रा पर निकली थी। प्रधानमंत्री ने 27 जून 2023 को रांची से पटना के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के परिचालन का शुभारंभ किया गया। इसके बाद 28 जून 2023 से इस ट्रेन की वाणिज्यिक सेवा शुरू हुई थी। मंगलवार को छोड़कर यह ट्रेन सप्ताह में छह दिन चलती है। वंदे भारत ट्रेन यात्रियों को विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएं प्रदान कर रही है। यह ट्रेन यात्रियों के बीच काफी लोकप्रियता हासिल की है। यात्रियों का डेटा इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है। परिचालन प्रारंभ होने के बाद 28 जून 2023 से 21 जून 2024 तक लगभग एक लाख 64 हजार यात्रियों ने इससे यात्रा की, जिससे 31.32 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। इस अवधि में 530 पैसेंजर की क्षमता वाली पटना-रांची वंदे भारत ट्रेन की ऑक्युपेंसी शत-प्रतिशत रही। इस ट्रेन द्वारा 309 ट्रिप लगाया गया। अप और डाउन दिशा में अगर अलग-अलग देखा जाये, तो इस अवधि में गाड़ी संख्या 22349 पटना-रांची वंदे भारत ट्रेन से 15.27 करोड़, जबकि 22350 रांची-पटना वंदे भारत ट्रेन से 16.05 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ । यह ट्रेन पटना और रांची के मध्य 379 किलोमीटर की दूरी मात्र छह घंटे में तय करती है। इसके परिचालन से यात्रियों की जनशताब्दी एक्सप्रेस पर निर्भरता कम हुई है। इसमें यात्रियों को बेहतर खान-पान की सुविधा भी उपलब्ध करायी गयी है। कोडरमा एवं बरकाकाना के मध्य दुर्गम पहाड़ियों को काटकर बनाये गये टनलों से सुसज्जित रेलखंड पर चलने वाली इस ट्रेन के यात्रियों को यात्रा के दौरान प्राकृतिक सौंदर्य के मनोरम दृश्य का आनंदमयी अनुभूति होती है। इससे जहां दोनों राज्यों के पर्यटन में तेजी आयी है, वहीं यहां के अन्य उद्योगों और व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिला है। इस रेल सेवा से रांची और पटना के बीच लगभग 40 किमी की दूरी कम हुई है, जिससे यात्रा समय में भी कमी आयी है। वंदे भारत एक्सप्रेस में लगाये गये जीपीएस आधारित पेसेंजर इंफोरमेशन सिस्टम, टच फ्री टॉयलेट्स, वाइ-फाइ इंफोटेनमेंट जैसी सुविधाओं ने इसे विश्व स्तरीय बनाया है। ट्रेन में मौजूद कवच और सीसीटीवी इसे सुरक्षित बनाते हैं। अत्याधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस यह ट्रेन अब रेलवे की नयी पहचान बनकर उभरी है। इसका उद्देश्य यात्रियों को एक बिल्कुल नया यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

अमरनाथ यात्रियों का जत्था रवाना

रांची (आजाद सिपाही)। अमरनाथ यात्रियों का जत्था रांची रेलवे स्टेशन से जम्मू के लिए प्रस्थान किया। रांची रेलवे स्टेशन पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता आलोक कुमार दूबे ने सभी यात्रियों को रवाना किया। महिला, पुरुष और बच्चों समेत 60 यात्री अमरनाथ के लिए प्रस्थान किये। कांग्रेस नेता आलोक दुबे ने उनके सुखद, सुखमय और सुरक्षित यात्रा की कामना की। सभी यात्री 2 जुलाई को बाबा बर्फानी के दर्शन करेंगे। 3 जुलाई को वैष्णो देवी के लिए प्रस्थान करेंगे। 6 जुलाई को जम्मू से दिल्ली और फिर दिल्ली से 8 जुलाई को वापस रांची आयेंगे। अमरनाथ जाने वाले यात्रियों में नवीन सिंह, संजय झा, विजय कुमार, अवधेश कुमार, बबलू मोहंती, अशोक कुमार, विनोद कुमार सिन्हा, धर्मेंद्र कुमार, अजीत कुमार, नवीन केसरी, आलोक शर्मा, विनका देवी समेत अन्य शामिल रहे।

एक करोड़ 40 लाख के जेवर की लूट

24 घंटे में अपराधी नहीं पकड़े गये तो होगा आंदोलन : स्वर्ण व्यवसायी संघ

रांची (आजाद सिपाही)। राजधानी में शुक्रवार को दिनदहाड़े करीब पौने चार बजे बिरसा चौक स्थित एक ज्वेलरी दुकान में चार हथियार से लैस अपराधियों ने 1.40 करोड़ रुपये व 2.50 लाख रुपये नगद लूट लिये। घटना बिरसा चौक स्थित डीपी ज्वेलर्स में हुई है। इस घटना में ज्वेलरी शॉप के संचालक राम नाथ वर्मा को गोली का छर्रा पेट में लगा है। जबकि उनके बेटे ओम वर्मा को हाथ में गोली लगी है। दोनों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। दुकान के संचालक

राम नाथ वर्मा के अनुसार वे अपने बेटे का साथ दुकान में थे। हेलमेट पहन कर अचानक तीन चार लोग उनकी दुकान में घुसे। उनके हाथों में हथियार था। इसी दौरान विरोध करने पर गोली चला दिया। ओम के भाई ने बताया कि करीब एक करोड़ चालीस लाख के ज्वेलरी और ढाई लाख नगद की लूट हुई है।

आइजी, एसएसपी और सिटी एसपी मौके पर पहुंचे

खबर मिलने के बाद रांची के आइजी अखिलेश झा, एसएसपी चंदन सिन्हा, सिटी एसपी राज कुमार मेहता देर शाम घटना स्थल पर पहुंचे और घटना की जानकारी लिया। आइजी ने एसएसपी और सिटी एसपी को कई निर्देश दिये। आइजी करीब पौने घंटा ज्वेलरी दुकान में रहे और जानकारी लिये। वहीं दुकान संचालक के परिजन और अन्य व्यवसायी से मिले।

जेनेटिक अस्पताल पर हो कड़ी कार्रवाई: आजसू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। युवा आजसू ने जेनेटिक अस्पताल द्वारा सिर्फ पैसों के लिए एक मां को अपने बच्चे से दूर करने की अमानवीय घटना के विरोध में शुक्रवार को उपायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। उपायुक्त से मिलकर युवा आजसू के प्रतिनिधिमंडल ने रांची में संचालित निजी अस्पतालों की मनमानी और लचर स्वास्थ्य व्यवस्था के चलते आम लोगों को आ रही समस्यओं से अवगत कराया।

ज्ञापन के माध्यम से युवा आजसू ने कहा कि निजी

अस्पतालों की मनमानी से राज्य की जनता हताश है। निजी अस्पताल मनचाहा बिल बनाकर आमजनों पर जुल्म कर रहे हैं। मनमानी करने वाले निजी अस्पतालों पर सख्त कार्रवाई की मांग युवा आजसू ने की। इसके साथ उन्होंने सरकारी अस्पतालों में इलाज कराने वाले गरीब मरीजों को बरगला कर निजी अस्पताल में इलाज के लिए ले जाने वाले बिचौलियों और एंबुलेंस चालकों पर भी जल्द से जल्द कड़ी कार्रवाई करने की भी मांग की।

रेल मंडल में आयी नयी तकनीक

- रेल ग्राइंडिंग मशीन से पटरियों को रखा जा सकेगा दुरुस्त

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अब धनबाद रेल मंडल अंतर्गत बिछे हुए रेल ट्रैकों को एक नया जीवन मिल सकेगा। क्योंकि धनबाद रेल मंडल में एक रेल ग्राइंडिंग मशीन आ गयी है। इस मशीन से के उपयोग से पटरियों के रखरखाव और घिसे हुए ट्रैक की अनियमितता को दूर की जा सकेगी। वहीं रेल ग्राइंडिंग मशीन की कुल कीमत 150 करोड़ है, जो लगभग एक घंटे में 18 से 20 किलोमीटर की दूरी को तय करेगी। रेल ग्राइंडिंग मशीन लोरम कंपनी की है। बता दें कि रेल ग्राइंडिंग मशीन भारतीय रेलवे ट्रैक के रखरखाव के लिए एक महत्वपूर्ण मशीन है, जो रेल पहिया और अन्य ट्रैक घटकों को होने वाले नुकसान के संबंध में है, जिससे उनका जीवन बढ़ जाता है। यह मशीन 20वीं सदी से उत्तरी अमेरिका और यूरोप में इस्तेमाल की जाती रही है।

सरला बिरला स्कूल में आर्ट्स कॉन्क्लेव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल रांची में 28 से 30 जून 2024 तक आयोजित नेशनल इंटर स्कूल इंटर डिसिप्लिनरी आर्ट्स कॉन्क्लेव के दूसरे संस्करण प्रतिध्वनि का शानदार उद्घाटन हुआ। यह कॉन्क्लेव सरला बिरला की जन्म शताब्दी को समर्पित है। इस शानदार कार्यक्रम में पूरे भारत के 35 स्कूलों के 500 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों और

प्रतिभागियों के स्वागत के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बीबीएमकेयूए धनबाद के पूर्व कुलपति प्रोफेसर डॉ अंजनी कुमार श्रीवास्तव उपस्थित थे। रजिस्ट्रार प्रोफेसर डॉ वीके सिंह, जेवीएमए श्यामली के प्राचार्य समरजीत जाना, और गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल कमड़े की प्राचार्या शालिनी उपस्थित थीं। निर्णायक मंडल में कला एवं संस्कृति क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल थे। मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए स्कूल को धन्यवाद दिया। उन्होंने जीडी बिरला से जुड़ी अपनी यादें साझा कीं और सभी को उनके दूरदर्शी व्यक्तित्व के बारे में बताया। प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि हमारे कार्य इस ब्रह्मांड में गूंजते हैं। हमारा मुख्य उद्देश्य जीतना या हारना नहीं बल्कि किसी उद्देश्य के लिए खुद को प्रतिबद्ध करना और समाज को एक संदेश देना है।

अस्पताल प्रबंधन ने मां से बच्चे को किया 23 दिन तक दूर

हाइकोर्ट गंभीर लिया स्वतः संज्ञान

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हाइकोर्ट ने रांची के बरियातू-बूटी रोड में स्थित जेनेटिक अस्पताल में बिल जमा नहीं करने पर अस्पताल प्रबंधन द्वारा एक मां को उसके नवजात से 23 दिन तक अलग रख बंधक बनाये जाने को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने मामले में संज्ञान लेते हुए प्रधान सचिव से जवाब मांगा है। कोर्ट ने मामले में रांची सिविल सर्जन को उक्त अस्पताल के रजिस्ट्रेशन की जांच करने का निर्देश दिया है। कोर्ट में मौजूद स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव ने आश्वस्त किया कि जांच कर जेनेटिक अस्पताल प्रबंधन पर कार्रवाई की जायेगी।

कोर्ट ने प्रधान सचिव को मामले की जांच कर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से बताया गया कि जेनेटिक अस्पताल ने पेशेंट के साथ अमानवीय व्यवहार किया है। प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया की रनिया के बनावीरा नवाटोली निवासी सुनीता कुमारी को 28 मई को

प्रसव पीड़ा होने पर खूंटी सदर अस्पताल ले जाया गया था। वहां से उसे रिम्स रेफर कर दिया गया। यहां आते ही एक ऑटो चालक महिला के पति मंगलू को झांसा देकर जेनेटिक अस्पताल ले गया जहां महिला ने बच्चे को जन्म दिया। अस्पताल प्रबंधन द्वारा मंगलू से 4 लाख रुपये मांगे गये। जमीन बेचकर दो लाख उसने दे दिये। शेष दो लाख देने में उसने असमर्थता जतायी। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने सुनीता को बंधक बना लिया था। सूचना मिलने पर सीआइडी की टीम ने 27 जून को सुनीता को अस्पताल से मुक्त कराया था। कोर्ट को यह भी बताया गया कि जब अस्पताल प्रबंधन ने महिला के पति को नवजात शिशु के साथ घर भेज दिया, तो उसने बकरी का दूध पिलाकर शिशु को जिंदा रखा, जब उसकी पत्नी अस्पताल से मुक्त होकर बीते गुरुवार को घर पहुंची तो करीब 23 दिन के बाद बच्चे ने अपनी मां का दूध पिया। इस मामले में सीडब्ल्यूसी ने भी स्वतः संज्ञान लिया है। मामले की अगली सुनवाई 18 जुलाई को होगी।

जब नशा मुक्त समाज होगा देश का विकास होगा: कुलपति

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के द्वारा दो दिवसीय नशा मुक्ति अभियान के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसके तहत नशा मुक्ति पर निबंध लेखन, स्लोगन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 150 प्रतिभागियों ने उपरोक्त विषय पर अपनी प्रतिभा को दर्शाया। इस प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों को कुलपति तपन कुमार शांडिल्य और कुलसचिव नमिता सिंह के द्वारा पुरस्कृत किया गया। मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि नशा आज के संदर्भ में एक सामाजिक बीमारी का रूप धारण कर चुकी है। विश्वविद्यालय इसे एक सामाजिक दायित्व के निर्वहन से जोड़कर कई सार्वजनिक कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। कुलसचिव नमिता सिंह ने भी नशा मुक्त समाज और देश की आवश्यकता पर बल दिया। मौके पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अभय कृष्ण सिंह, शमा सोनाली, रीना नंद और शुचि संतोष बरवार उपस्थित थे। यह जानकारी पीआरओ प्रो राजेश कुमार सिंह ने दी।

हिमंता बिस्वा सरमा आज रांची पहुंचेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। असम के मुख्यमंत्री एवं झारखंड प्रदेश विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा अपने एक दिवसीय दौरे पर 29 जून को विमान से रांची पहुंचेंगे। उनका दिनभर सघन सांगठनिक कार्यक्रम है। सरमा पार्टी के जनजाति समाज के प्रमुख नेताओं, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, अनुसूचित

जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुदर्शन भगत, दुमका से लोकसभा प्रत्याशी रहीं सीता सोरेन, चाइबासा की प्रत्याशी गीता कोड़ा, प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व आइपीएस अधिकारी डॉ अरुण उरांव के आवास पर जाकर मुलाकात भेंटवार्ता करेंगे। हिमंता प्रदेश कार्यालय में आयोजित आरोप पत्र, घोषणा पत्र समिति एवं महिला मोर्चा, युवा मोर्चा की बैठकों को भी संबोधित करेंगे। यह बैठक भाजपा कार्यालय में 11 बजे से होगी।

भाजपा ने झामुमो पर किया पलटवार

हंगामा क्यों है बरपा : प्रतुल शाहदेव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने झारखंड मुक्ति मोर्चा पर पलटवार करते हुए तंज कसा और कहा कि हेमंत सोरेन को सिर्फ उच्च न्यायालय के सिंगल बेंच ने जमानत दी है, परंतु झारखंड मुक्ति मोर्चा इस तरीके से उत्सव मना रहा है, जैसे उनको सारे आरोपों से दोष मुक्त कर दिया गया। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि जमानत अदालत की प्रक्रिया का एक हिस्सा होता है और इस पर इतना छाती ठोकर दंभ भरने की आवश्यकता नहीं है। आज उच्च न्यायालय के सिंगल बेंच ने हेमंत सोरेन को

जमानत जरूर दिया है। लेकिन लेकिन पूरे मुकदमे का ट्रायल अभी बाकी है। इसलिए झारखंड मुक्ति मोर्चा अभी से हेमंत सोरेन को दोष मुक्त मानकर अदालत की अवमानना कर रहा है। प्रतुल शाह देव ने कहा कि उच्च न्यायालय की डबल बेंच ने हेमंत सोरेन के खिलाफ जमीन घोटाले में लगे आरोपों को प्रथम दृष्टया सही पाया था। हेमंत सोरेन ने उच्च न्यायालय में जब अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी तो कोर्ट ने अपने जजमेंट में प्रथम दृष्टया हेमंत सोरेन के खिलाफ लगे आरोपों को सही माना था। हाइकोर्ट की डबल बेंच ने इडी की प्रारंभिक कार्रवाई को भी जायज ठहराया था। हेमंत सोरेन के द्वारा एक आदिवासी होने के कारण प्रताड़ित करने के आरोपों पर उच्च न्यायालय ने कहा था कि यह एक हारते हुए मुवक्किल की बचने का अंतिम प्रयास लगता है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
189200 Subscribers
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमानत स्वीकृत करते हुए क्या कहा हाइकोर्ट ने

हेमंत के शामिल होने का कोई सबूत नहीं, संभावनाओं पर आधारित है इडी का पूरा मामला

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हेमंत सोरेन को शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट ने जमानत दे दी। हेमंत सोरेन रांची के बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल से बाहर आ गये। झारखंड हाइकोर्ट के जज जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय ने हेमंत सोरेन को जमानत देते हुए अपने 55 पेज के फैसले में कहा है कि प्रवर्तन निदेशालय का पूरा मामला संभावनाओं पर आधारित है। इस केस में इस बात का कोई पक्का सबूत नहीं है कि 8.86 एकड़ जमीन के कब्जे में याचिकाकर्ता (हेमंत सोरेन) की कोई सीधी भूमिका है। यह भी साबित नहीं होता कि इसकी आड़ में याचिकाकर्ता ने कोई अपराध किया है।

55 पेज के फैसले में 53वें पेज पर जज ने कही ये बात

जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय ने अपने फैसले में 53 नंबर पेज पर लिखा है कि किसी भी रजिस्टर/रेवेन्यू रिकॉर्ड में इस बात के पुख्ता सबूत नहीं हैं कि हेमंत सोरेन ने इस जमीन को खरीदा है या उस पर किसी तरह से कब्जा किया है। कोर्ट ने यह भी कहा कि पीएमएलए एक्ट 2002 की धारा 50 के तहत कुछ लोगों ने बयान दर्ज कराये हैं। इन लोगों ने कहा है कि वर्ष 2010 में हेमंत सोरेन ने उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया।

जमीन से बेदखल हुए लोगों ने कभी भी, कहीं भी नहीं की शिकायत

कोर्ट ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि जिन लोगों ने इडी के समक्ष बयान दिया कि याचिकाकर्ता ने उनकी जमीन पर दखल कर लिया, उन्होंने इसके खिलाफ कहीं शिकायत नहीं की। कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता जब सत्ता से बाहर था, तब अपनी जमीन से बेदखल किये गये ये लोग संबंधित अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज करा सकते थे और न्याय मांग सकते थे। पीठ ने कहा- मामले की समग्र संभावनाओं के आधार पर, याचिकाकर्ता को शांति नगर, बरगाइन, रांची में 8.86 एकड़ भूमि के अधिग्रहण और कब्जे के साथ-साथ 'अपराध की आय' से संबंधित होने के रूप में सीधे या परोक्ष रूप से शामिल नहीं किया गया है। किसी भी रजिस्टर/राजस्व रिकॉर्ड में उक्त भूमि के अधिग्रहण और कब्जे में याचिकाकर्ता की सीधी संलिप्तता का कोई प्रमाण नहीं है। प्रवर्तन निदेशालय के इस दावे कि उसके समय पर हस्तक्षेप से भूमि के अवैध अधिग्रहण को रोका गया, को अदालत ने संदिग्ध माना, क्योंकि आरोपों के अनुसार भूमि पहले से ही 2010 से ही याचिकाकर्ता के कब्जे में थी।

हेमंत का भानु प्रताप से परिचय नहीं

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि भानु प्रताप प्रसाद के बयान कई मौकों पर दर्ज किये गये और ऐसे बयानों का विस्तृत विवरण दिये बिना, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि बड़गाईं अंचल अधिकारी मनोज कुमार के मौखिक निर्देश पर उन्होंने 8.86 एकड़ भूमि की जांच की थी और उन्होंने तथा अंचल अमीन ने स्वीकार किया कि उन्हें पता चला था कि भूमि वर्तमान याचिकाकर्ता की है। भानु प्रताप प्रसाद के बयान से स्पष्ट है कि सरकारी रिकॉर्ड की जालसाजी और हेरफेर में उनकी संलिप्तता व्यापक थी और केवल वर्तमान मामले की 8.86 एकड़ भूमि तक सीमित नहीं थी। अदालत ने कहा कि सोरेन का बयान 8.86 एकड़ भूमि के अधिग्रहण और कब्जे के आरोपों का पूरी तरह से खंडन करता है। उन्होंने भानु प्रताप प्रसाद से कोई परिचय होने से भी इनकार किया। उन्होंने भानु प्रताप प्रसाद के मोबाइल से बरामद भूमि के समूह की छवि के बारे में किसी भी जानकारी से इनकार किया।

हेमंत का बयान बना रिहाई का आधार

अदालत ने आगे नोट किया कि धारा 50 पीएमएलए, 2002 के तहत दर्ज बयान साक्ष्य के रूप में स्वीकार्य हैं, क्योंकि ऐसे बयान न्यायिक कार्यवाही में दर्ज किये गये माने जाते हैं। अदालत ने कहा, यह अदालत इस तथ्य से अवगत है कि ऐसे साक्ष्यों की गहन जांच करना ट्रायल कोर्ट का क्षेत्र है और इसलिए, धारा 50 पीएमएलए, 2002 के तहत दर्ज प्रासंगिक व्यक्तियों के बयानों का केवल संक्षिप्त संदर्भ दिया गया है। जब आरोपी की जमानत याचिका पर विचार किया जा रहा है, अदालत को ऐसे बयानों को पूरी तरह से नजरअंदाज करने से नहीं रोकती है। हालांकि, इन बयानों के स्वरूप को यह पता लगाने के लिए लिया जा सकता है कि क्या धारा 45 पीएमएलए, 2002 के तहत गैर-दोषी होने का विश्वास करने का कारण' पूरा हुआ है, अदालत ने जोड़ा। अदालत ने आश्चर्य व्यक्त किया कि ये लोग इस भूमि को कैसे खरीद सकते थे, क्योंकि यह बकास्त भूइंहरी भूमि थी, जो छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 48 के तहत गैर-अहस्तांतरणीय है।

इडी के कई दावे पर कोर्ट की आपत्ति

अदालत ने कहा कि अगर याचिकाकर्ता ने जब वह सत्ता में नहीं थे, तब भूमि का अधिग्रहण और कब्जा किया था, तो कथित निर्वासित व्यक्तियों के पास शिकायत के लिए प्राधिकरणों से संपर्क न करने का कोई कारण नहीं था। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय के इस दावे की भी आलोचना की कि उसके समय पर हस्तक्षेप ने भूमि के अवैध अधिग्रहण को रोका, यह ध्यान में रखते हुए कि भूमि कथित तौर पर 2010 से ही याचिकाकर्ता द्वारा अधिग्रहीत और कब्जे में थी, जैसा कि धारा 50 पीएमएलए, 2002 के तहत दर्ज कुछ बयानों के अनुसार था।

भारतीय रेल
आज़ादी का अमृत महोत्सव
भारत सरकार
रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)
सं. 2023/Track-III/MC/5 — नई दिल्ली, दिनांक : 27.06.2024
शुद्धिपत्र -VIII
विषय : रेल बोर्न मैंटेनेंस व्हीकल "RBMV" की आपूर्ति के लिए दिनांक 31.07.2024 को खोली जाने वाली निविदा संख्या टी एम – 2303
उपरोक्त निविदा के खुलने के समय 28.06.2024 को स्थगित कर 31.07.2024 कर दिया गया है। निविदा के सभी नियम व शर्तें अपरिवर्तनीय रहेंगी।
(विजय सिंह)
कार्यकारी निदेशक, रेलपथ (एम. & एम.सी)
रेलवे बोर्ड
दूरभाष न. 011–47845531
ई मेलः vijay.singh.2017@gov.in
1928/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बीच शुक्रवार को मुलाकात हुई साथ में गठबंधन के मंत्री और विधायक भी थे।

हेमंत सोरेन का जेल से बाहर आना त्योहार जैसा : झामुमो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जमानत मिलने के बाद 28 जून को पूर्व मुख्यमंत्री सह झामुमो के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन रिहा हुए। उच्च न्यायालय ने नियमित जमानत दे दी है। उक्त अवसर पर कार्यकर्ताओं का हुजूम जेल गेट की ओर उन्हें लेने के लिए पहुंचा। जेल से निकलने के बाद मोराबादी स्थित दिशोम गुरुजी आवास में हेमंत सोरेन अपने माता-पिता से मिले। इस दौरान झारखंड छात्र मोर्चा रांची विश्वविद्यालय के अध्यक्ष अमन तिवारी ने छात्र मोर्चा पदाधिकारियों के साथ हेमंत भैया से मुलाकात कर उन्हें मिठाई खिला कर स्वागत किया। अमन तिवारी ने कहा कि हेमंत भैया का जेल से बाहर आना त्योहार जैसा है। समस्त छात्र जगत में खुशी की लहर है। इस अवसर पर छात्र मोर्चा की ओर से सचिव असद फेराज, कोषाध्यक्ष राहुल मुंडा, उपाध्यक्ष भास्कर महतो, उपाध्यक्ष अतिकुर रहमान, संयुक्त सचिव कासिफ रजा, डीएसपीएमयू अध्यक्ष मनीष राणा, सचिव अल्ताफ राजा इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

खोया-पाया
सर्वसाधारण को सूचित करना है कि मेरा निबंधित पट्टा संख्या 2041, दिनांक 21.02.1991, जो मौजा कोइलारी इरबा, खाता संख्या 33, प्लॉट संख्या 27 एवं 28, कुल रकबा 55 डी. कहीं गुम हो गया है. यदि किसी को यह दस्तावेज मिले तो निम्न पते पर सूचित करने की कृपा करें :
सईद अहमद अंसारी,
ग्राम + पो. - इरबा,
जिला - रांची.
मो.-9431103786,
9934000786.

कार्यालय राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, हजारीबाग
शुद्धि पत्र
इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित अतिअल्पकालीन ई– पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – NREP/HAZARIBAG/02/2024-25 दिनांक 20.06.2024 द्वारा प्रकाशित सहपठित PR 327190 Rural Development(24-25)#D में अंकित योजना का निविदा खोलने की तिथि दिनांक 06.07.2024 के स्थान पर दिनांक 08.07.2024 पढ़ा जाय एवं अन्य शेष शर्तें यथावत रहेगी।
ह0/–
कार्यपालक अभियंता,
राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम,
हजारीबाग।
PR 328105 (Rural Development) 24-25 (D)

सोशल मीडिया पर झामुमो ने लिखा जय संविधान

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत मिलने के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा ने दो शब्दों में प्रतिक्रिया दी है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पार्टी ने लिखा जय संविधान लिखा है। इस कमेंट के साथ हेमंत सोरेन की बड़ी दाढ़ी वाली फोटो है, जिसके पीछे एक शेर दहाड़ रहा है। झारखंड

सरकार के मंत्री दीपक बिरुआ ने भी एक्स पर लिखा है सत्यमेव जयते। जय जोहार मेरे भाई हेमंत सोरेन। आपकी लड़ाई रंग लायी। मंत्री हफीजुल हसन ने ट्वीट कर हेमंत सोरेन की रिहाई पर प्रसन्नता जतायी है। उन्होंने कहा कि झारखंड हाइकोर्ट के इस फैसले ने झूठ की रेत पर तानाशाही ताकतों द्वारा बनाये गये महल को भी ढहा दिया है। सत्य कभी भी परास्त नहीं हो सकता। हाइकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत दे दी है। हाइकोर्ट के इस फैसले का स्वागत और अभिनंदन है।

हेमंत की गिरफ्तारी बदले और राजनीतिक दुर्भावना से की गयी थी : राहुल गांधी

रांची (आजाद सिपाही)। हेमंत सोरेन को जमीन घोटाला मामले में शुक्रवार को झारखंड हाइकोर्ट ने जमानत दे दी। इसपर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने भाजपा को आड़े हाथ लिया। राहुल गांधी ने कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी बदले और राजनीतिक दुर्भावना से की गयी थी। उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें जमानत देने के फैसले का हम स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि सोरेन जी से फोन पर बात कर अपनी खुशी जाहिर की। जो संविधान की रक्षा की भावना ले कर चलते हैं, सत्य खुद उनकी रक्षा करता है।

ऊर्जा विभाग
झारखण्ड सरकार, विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, इंजीनियरिंग हॉस्टल नं०–2 धुर्वा, रॉंची।
अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना
ई–निविदा प्रसंग सं0– Energy/EWD/Ranchi/15/2024-25 दिनांक– 28/06/2024

1.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
I	एम0 जी0 एम0 अस्पताल, जमशेदपुर के इमरजेन्सी भवन, मेडिकल भवन, सर्जिकल भवन, ओ0पी0डी, प्रशासनिक भवन एवं ब्लड बैंक के अवस्थित विद्युत उपकरणों के वार्षिक विद्युत सम्पोषण का कार्य।	29,34,898=00	5,000=00	59,000=00	एक वर्ष
2.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	08.07.2024			
3.	निविदा जमा करने की तिथि	09.07.2024 के 10.30 बजे पूर्वाह्न से 18.07.2024 के 2.00 बजे अपराह्न तक			
4.	निविदा खोलने की तिथि	19.07.2024 को 3.00 बजे अपराह्न में			
5.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉंची।			
6.	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉंची।			
7.	ई प्रोक्युरमेन्ट प्रकोष्ट का फोन नं0	0651–2490069			

Note :- Tender Fee and Earnest Money Deposit (EMD) are to be paid through online mode only as per instruction of IT
Dept. Govt. of Jharkhand Letter no.-120 Dated- 03-10-2023.
निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in मे देखा जा सकता है।
विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉंची।
PR.NO.328038 Energy(24-25):D

हेमंत सोरेन को मिली बेल न्याय की जीत: बंधु तिर्की

रांची (आजाद सिपाही)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन को झारखंड उच्च न्यायालय से मिली बेल न्याय की जीत है। श्री तिर्की ने कहा कि जिस प्रकार से लगभग पांच महीने के बाद हेमंत सोरेन को बेल मिली है उससे यह स्पष्ट होता है कि केंद्र सरकार के इशारे पर प्रवर्तन निदेशालय ने श्री सोरेन को न केवल एक गहरी साजिश के तहत फंसाया है, बल्कि जांच एजेंसी के साथ ही अदालत की प्रक्रिया का भी दुरुपयोग किया है। श्री तिर्की ने विश्वास व्यक्त किया कि जल्द ही अदालत का अंतिम फैसला आयेगा, जिसमें श्री सोरेन इडी द्वारा लगाये गये सभी आरोपों से मुक्त होंगे।

न्याय के मंदिर में देर है, अंधेर नहीं: उमेश यादव

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व प्रवक्ता उमेश यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री को न्यायालय द्वारा जमानत दिये जाने का स्वागत किया है। श्री यादव ने कहा है कि झामुमो के कार्यकर्ताओं को न्यायालय के प्रति पूर्ण आस्था है। न्याय के मंदिर में देर हो सकता है अंधेर नहीं।

हाइकोर्ट में सत्य की हुई जीत: अनिता यादव

रांची (आजाद सिपाही)। राजद की प्रदेश उपाध्यक्ष अनिता यादव ने कहा कि हेमंत सोरेन को हाइकोर्ट से जमानत मिलने पर न्याय और लोकतंत्र पर लोगों का भरोसा बढ़ा है। झारखंड हाइकोर्ट में सत्य की जीत हुई है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि इडी और सीबीआइ केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रही है। आदिवासी और पिछड़े नेताओं पर झूठे आरोप लगा जबरन उन्हें जनता से दूर रखने के लिए जेल की सलाखों के पीछे रखा जा रहा है।

हम-सब का नेता जेल से बाहर आ गया: जीत गुप्ता

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाइकोर्ट से बेल मिलने के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गयी है। झारखंड मुक्ति मोर्चा रांची महानगर के पूर्व प्रवक्ता जीत गुप्ता नेतृत्व में शहीद अल्बर्ट एक्का चौक पर पटाखे जला कर और लोगों के बीच मिठाइयां बाट कर खुशी का इजहार किया। जीत गुप्ता ने कहा कि आज खुशी का दिन है। हमारे नेता जेल से बाहर आ गये हैं। इस खुशी के मौके पर अजीत नायक, आयुष राज वर्मा, अकबर, अजय सिंह, वीरू, अशोक, अभिषेक वर्मा, विनोद साहू, राजेश, भोलू गुप्ता, फैयाज, पंकज कुमार, हीरालाल भारत सिंह कई नेता कार्यकर्ता मौजूद थे।

अब तो अपनी साजिश से बाज आये मोदी सरकार : शिल्पी नेहा तिर्की

रांची (आजाद सिपाही)। मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि जिस प्रकार से प्रवर्तन निदेशालय (इडी) को झारखंड उच्च न्यायालय में मुंह की खानी पड़ी है और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत मिली है उसके बाद यह स्पष्ट हो जाता है की साजिश के तहत न केवल विपक्षी दलों और उसके प्रमुख नेताओं को फंसाया जा रहा है बल्कि मोदी सरकार सभी न्यायिक प्रक्रिया और जांच एजेंसी का दुरुपयोग कर रही है। श्रीमती तिर्की ने कहा कि अब यह पूरी तरीके से स्पष्ट हो चुका है कि मनी लांड्रिंग के मामले में हेमंत सोरेन को उलझाया गया और सरकार को अस्थिर किया गया परंतु उन आरोपों में ना तो कोई गंभीरता थी और न ही कोई दम था। श्रीमती तिर्की ने कहा कि पूरे देश में प्रवर्तन निदेशालय (इडी), सीबीआइ आदि के माध्यम से विपक्षी नेताओं के खिलाफ दर्ज किये गये अनेक मुकदमे में अनेक न्यायालयों में जांच एजेंसियों को जिस प्रकार से शिकस्त का सामना करना पड़ रहा है उससे सीख लेते हुए मोदी सरकार को साजिशों के तहत विपक्षी नेताओं को फंसाने की अपनी चाल से बाज आना चाहिए।

झारखण्ड सरकार
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
email – eedwsd.ranchiwest@gmail.com
ई – प्रोक्योरमेंट अल्पकालीन निविदा सूचना
निविदा सूचना संख्या – DWSD/RW/SR-02/2024-25 — दिनांकः– 27.06.2024
1. Name of Work :- Relocation of T/W by Drilling 125/115 mm dia drilled Tube-Well in all kinds of soil rock for installation of hand pump with D.T.H Rig machine all complete including supplying all materials, labours, tools, drilling, rigs, air compressor and equipments as well as fuel lubricant for making 125/115 mm dia boring etc and cost of transporting rig machine and other vehicle up to site work "TurnKey Basis" Under D. W. & S. Division, Ranchi West, Ranchi for the Year 2024-25

ग्रुप संख्या	नलकूपों की संख्या	प्राक्कलित राशि लगभग (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
SR/RW-I	40 nos.	3350460.00	67100.00	5000.00	72 दिन
SR/RW-II	40 nos.	3350460.00	67100.00	5000.00	72 दिन
SR/RW-III	40 nos.	3350460.00	67100.00	5000.00	72 दिन
SR/RW-IV	30 nos.	2516646.00	50400.00	5000.00	52 दिन

2. वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :– 04/07/2024 / 04.00 बजे अपराहन तक।
3. निविदा ऑन लाईन बिडींग की तिथि एवं समय :– 08/07/2024 / 04.00 बजे अपराहन तक।
4. सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस, झारखण्ड मत्रांलय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में अन्तिम तिथि एवं समय :– 16/07/2024 / 04.00 बजे अपराहन तक।
5. तकनीकी बीड खोलने की तिथि एवं समय :– 18/07/2024 / 04.00 बजे अपराहन में।
6. तकनीकी बीड खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पश्चिम, राँची।
7. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम/पदनामः– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पश्चिम, राँची।
8. ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन नं0 :– 0651-2491247
9. निविदा की प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तत्पश्चात अग्रधन की राशि देय मान्य होगा।
10. कार्य की मात्रा आवश्यकतानुसार घट–बढ़ सकती है।
11. विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
नोट – केवल ई निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।
कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,
राँची पश्चिम, राँची।
PR 328043 (Drinking Water and Sanitation) 24-25 (D)

हेमंत को जमानत मिलने पर प्रदेश कांग्रेस ने मनाया जश्न

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत मिलने पर शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस ने प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया और इसे न्याय की जीत बताया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि न्यायपालिका पर अभी भी जनता का भरोसा कायम है। साजिश कितनी भी गहरी हो न्यायपालिका दूध का दूध पानी का पानी कर देती है। हेमंत सोरेन को झूठे मामले में फंसा कर जेल भेजा गया और झारखंड में सरकार गिराने और लोकसभा चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश केंद्र सरकार के जरिये की गयी थी, लेकिन महागठबंधन की एकजुट से सरकार स्थिर रही और जनता ने अपना फैसला लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ सुना दिया। राजेश ठाकुर ने कहा कि जांच एजेंसी के जरिये केंद्र के इशारे पर जमानत नहीं होने देने की पूरी कोशिश की गयी, लेकिन न्यायालय द्वारा उन्हें जमानत की सुविधा प्रदान की गयी और हमें पूरा भरोसा है कि वह आगे दोष मुक्त भी होंगे। उन्होंने कहा कि इस फैसला का झारखंड में बड़ा प्रभाव पड़ेगा और इंडी गठबंधन और अधिक मजबूती से आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगा। इस दौरान मुख्य रूप से संगठन महासचिव अमूल्य नीरज खलखो, राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुंजनी, निरंजन पासवान, सोनाल शांति, ऋषिकेश सिंह, कुमार राजा, जगदीश साहू, नेलीनाथन, गुलजार अहमद, प्रभात कुमार, अजय सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 29 जून, 2024
www.azadsipahi.in

काठमांडू में बूढ़े बनाम युवा की लड़ाई

काठमांडू के एक स्ट्रक्चरल इंजीनियर, प्रतिष्ठित रैपर और राजनीतिक नौसिखिया 34 वर्षीय मेयर बालेंद्र शाह और 72 वर्षीय हाइस्कूल ड्राप आउट, दो बार के प्रधानमंत्री, राजनीतिक दिग्गज और नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष खडग प्रसाद शर्मा ओली के बीच संघर्ष चल रहा है। बालेन पर हमला करने के लिए अपनी पूरी पार्टी को संगठित करने में आखिर ओली का मकसद क्या है और बिना किसी राजनीतिक अनुभव और राजनीतिक अनुयायियों वाला बालेन ओली के साथ लड़ाई क्यों कर रहा है। इस द्वंद्व का ओली की पार्टी और बालेन पर क्या प्रभाव पड़ेगा, यह सब आकांक्षाएं आगे की ओर बढ़ रही हैं। बालेन-ओली की लड़ाई तब शुरू हुई ,जब महानगरीय शहर ने नगर निगम की भूमि या अवैध रूप से बनी इमारतों पर व्यावसायिक विज्ञापनों को हटाना शुरू कर दिया, जो नगर निगम के नियमों का पालन नहीं करते थे। मेयर ने आपत्तिजनक इमारतों में रहने वालों या व्यवसाय मालिकों को कानून का पालन करने और परिसर खाली करने का आदेश दिया। ज्यादातर मामलों में रहने वालों ने इस आदेश की अनदेखी की। पुराने समय की तरह उन्होंने कानून को तोड़ना जारी रखने के लिए अपने राजनीतिक संबंधों पर भरोसा जताया। हालांकि बालेन के साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ। उन्होंने अतिक्रमण और अनुपालन न करने वाले विज्ञापनों को ध्वस्त करने के लिए नगर निगम का बल भेजा। मेयर की कार्रवाई में खारिज की गयी पहली संपत्ति यूएमएल से जुड़े किसी व्यक्ति की थी। सार्वजनिक भूमि विशेषकर नदी तट में संघर्ष को और तीव्र कर दिया। सभी ने गरीब अतिक्रमणकारियों द्वारा बनाये गये प्लास्टिक शेड को ध्वस्त करने के लिए बुलियनजर्स का उपयोग करने के लिए सार्वजनिक रूप से बालेन का मजाक उड़ाया। माना जाता है कि कुछ लोगों ने सार्वजनिक भूमि पर निर्मित बहुमंजिला बिल्डिंग पर कब्जा कर लिया और लाखों रुपये का व्यवसाय किया। एक बालेन समर्थक का कहना है कि उनमें से अधिकांश लोग यूएमएल के समर्थक हैं, जो यूएमएल का वोट बैंक हैं। ओली के आलोचकों ने बालेन की तुलना एक पिल्ला से की और कहा कि हमारे सम्मानित अध्यक्ष को बदनाम करने की कोशिश की। ओली ने स्वयं बालेन को एक बुलबुला के रूप में वर्णित किया है, जिसका उल्लेख किया गया है। बालेन समर्थकों का कहना है कि ओली बूढ़ा है, बुद्धिमान है, चालाक है और आलोचना में निपुण है। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बालेन की उपलब्धियों ने उन्हें पूरे देश में बेहद लोकप्रिय बना दिया है। अगर हमारे पास बालेन जैसे 10 नेता हों तो हम देश को बदल सकते हैं।

ओली ने स्वयं बालेन को एक बुलबुला के रूप में वर्णित किया है, जिसका उल्लेख किया गया है। बालेन समर्थकों का कहना है कि ओली बूढ़ा है, बुद्धिमान है, चालाक है और आलोचना में निपुण है।

अभिमत
आजाद सिपाही

21वीं सदी के दूसरे दशक में नौकरशाही में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। यह 2018 में 24 प्रतिशत से बढ़ कर 2024 में 34 प्रतिशत हो गयी। आज महिलाएं संघर्ष और ताकत की अद्भुत कहानियां लिखने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। 22 साल की अवस्था में महिला टॉपर डोनुरु अनन्या रेड्डी अखिल भारतीय रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल करती हैं। यह उनका पहला ही प्रयास था। वह तेलंगाना में महबूबनगर जिला मुख्यालय से 23 किलोमीटर दूर पोन्नकल नामक एक छोटे से गांव से आती हैं।

केंद्रीय लोक सेवा में महिलाओं की बढ़ती भूमिका

कौशल किशोर

पिछले कुछ सालों की सिविल सेवा परीक्षा के परिणाम पर गौर करने से महिलाओं की बढ़ती भूमिका का पता चलता है। इस साल के टॉप टेन में आधा दर्जन लड़कियां शामिल हैं। कुल 1016 सफल उम्मीदवारों में महिलाओं की संख्या 352 है। अल्पसंख्यक समुदाय से भी 50 उम्मीदवार सफल हुए हैं। विदेश सेवा के लिए चुने गए कुल अभ्यर्थियों की संख्या 37 है। साथ ही प्रशासनिक सेवा के लिए 180 और पुलिस सेवा के लिए 200 तथा वन सेवा के लिए 147 अभ्यर्थी चुने गये हैं।

आज कल महिला अधिकार आंदोलनों ही नहीं, बल्कि सरकार भी संसदीय राजनीति में उनके लिए एक तिहाई सीटों की व्यवस्था में लगी है। इसे पूरा करने के लिए नवीन संसद भवन के उद्घाटन के बाद नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण विधेयक) पारित किया गया था, लेकिन यहां लड़कियों ने अपनी योग्यता के बूते मांग से थोड़ा अधिक हासिल किया है। 21वीं सदी के दूसरे दशक में नौकरशाही में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है।

यह 2018 में 24 प्रतिशत से बढ़ कर 2024 में 34 प्रतिशत हो गयी। आज महिलाएं संघर्ष और ताकत की अद्भुत कहानियां लिखने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। 22 साल की अवस्था में महिला टॉपर डोनुरु अनन्या रेड्डी अखिल भारतीय रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल करती हैं। यह उनका पहला ही प्रयास था। वह तेलंगाना में महबूबनगर जिला मुख्यालय से 23 किलोमीटर दूर पोन्नकल नामक एक छोटे से गांव से आती हैं। उनके पिता धान की खेती करते हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाऊस से भूगोल में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। गुरुग्राम की 28 वर्षीय रूहानी छठे और अंतिम प्रयास में पांचवां स्थान हासिल कर चुकी हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज से वह अर्थशास्त्र में स्नातक हैं। पिछले एक प्रयास में मिली सफलता की वजह से रूहानी परिणाम के दिन 16 अप्रैल को हैदराबाद में प्रशिक्षण ले रही थीं। शीर्ष 10 में अभ्यर्थियों में अल्पसंख्यक समूह से आने वाली एक मात्र उम्मीदवार महिला हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में जन्मी नौशीन चौथे प्रयास में नौवां स्थान हासिल करती हैं।

1972 में राष्ट्रीय स्तर पर टेनिस खेलने वाली किरण बेदी (पेशावरिया) ने सिविल सेवा की परीक्षा उत्तीर्ण की और भारत की पहली महिला आइपीएस अधिकारी बनी थीं।

महिलाओं के संघर्ष और ताकत की कहानी सारिका एके के बिना अधूरी है। 23 वर्षीय इस केरल वासी के पिता शशि कतर में ड्राइवर हैं और मां रागी गृहिणी हैं। वह सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित हैं। सारिका का दाहिना हाथ पूरी तरह से अक्षम है और उनके बायें हाथ की केवल तीन उंगलियां काम कर रही हैं। शारीरिक रूप से अक्षम इस महिला ने दूसरे प्रयास में 922वां रैंक हासिल किया।

तीसरे असफल प्रयास के बाद वह डिप्रेशन में चली गयी थीं, लेकिन अगले परिणाम से पता चलता है कि वह जल्द ही स्वस्थ हो गयी थीं। वह भी दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक करने वालों में से एक हैं। नौशीन के पिता अब्दुल कय्यूम आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) में सहायक निदेशक हैं। पंजाब ने शीर्ष 100 उम्मीदवारों में एक सीट हासिल की है। 31 वर्षीय गुरलीन कौर ने अपने चौथे प्रयास में 30वीं रैंक हासिल की। डाक्टर बलविंदर कौर मान (सेवानिवृत्त जिला स्वास्थ्य अधिकारी) की बेटी भी एक प्रशिक्षित डाक्टर हैं। वह 2021 में प्रांतीय लोक सेवा परीक्षा में नौवां स्थान मिलने पर प्रशासनिक सेवा में शामिल हो गयी थीं। उनकी सफलता अपने आप में एक संघर्षपूर्ण कहानी कहती है क्योंकि उन्होंने अपने पूर्णकालिक नौकरी से अध्ययन अवकाश के बिना ही लक्ष्य साध कर इतिहास कायम किया है।

1972 में राष्ट्रीय स्तर पर टेनिस खेलने वाली किरण बेदी (पेशावरिया) ने सिविल सेवा की परीक्षा उत्तीर्ण की और भारत की पहली महिला आइपीएस अधिकारी बनी थीं। आधी शताब्दी से अधिक बीतने के बाद जब अगले साल उनके जीवन पर फिल्म की घोषणा हुई, तो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाली दूसरी महिला खिलाड़ी भारतीय पुलिस सेवा में शामिल हुई। 25 वर्षीय कुहू गर्ग बैडमिंटन में 50 से अधिक राष्ट्रीय व 19 अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने के बाद लक्ष्य साध कर इतिहास कायम करती हैं। दूसरे प्रयास में उन्हें 178वां स्थान मिला है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से अर्थशास्त्र में स्नातक किया है। उसने इस नयी उपलब्धि के लिए तैयारी शुरू की। ऑनलाइन उपलब्ध स्रोतों और पिता से खूब मदद मिली। साथ ही जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ टैक्नोलॉजी की डीन उनकी मां डॉ अलकनंदा अशोक भी बड़ी सहयोगी साबित हुईं।

इस प्रकार किरण बेदी और कुहू गर्ग वर्दी में खेल भावना को पोषित करने वाले अनुकरणीय उदाहरण हैं। दोनों 9 साल की उम्र से अभ्यास करना शुरू करती हैं। यह बात दोनों में समान है। बेदी 1966 और 1972 में राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप जीतती हैं। आइपीएस में शामिल होने के उपरांत उन्होंने 1974 में सीनियर्स का खिताब जीता। कुहू की खेलों में उपलब्धियां काफी प्रभावशाली हैं। यह उनके समर्पण और इसके प्रति ईमानदारी को दर्शाती हैं। महिलाओं के संघर्ष और ताकत की कहानी सारिका एके के बिना अधूरी है। 23 वर्षीय इस केरल वासी के पिता शशि कतर में ड्राइवर हैं और मां रागी गृहिणी हैं। वह सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित हैं। सारिका का दाहिना हाथ पूरी तरह से अक्षम है और उनके बायें हाथ की केवल तीन उंगलियां काम कर रही हैं। शारीरिक रूप से अक्षम इस महिला ने दूसरे प्रयास में 922वां रैंक हासिल किया है। उनकी प्रेरणा स्रोत बिना हाथ वाली लाइसेंस प्राप्त पायलट जेसिका कॉक्स हैं।

अभी भी सार्वजनिक सेवा भारत में युवा पीढ़ी की शीर्ष आकांक्षाओं में से एक है। नौकरशाही और कार्यकारी तंत्र इस पर निर्भर रहा है। इन साहसी महिलाओं के संघर्ष ने हमें शक्ति की कई हृदयस्पर्शी कहानियों से परिचित कराया है। साथ ही युवा भारत के लिए प्रेरणा का नया स्रोत बन कर उभरी हैं।

जमशेदपुर की खबरें

हेमंत सोरेन के जेल से रिहा होने पर झामुमो जिला समिति में खुशी की लहर

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाई कोर्ट से जमानत मिलने पर लौहनगरी जमशेदपुर में झामुमो नेता और कार्यकर्ताओं ने जमकर खुशी मनायी। शुक्रवार को न्यायालय से आदेश मिलने बाद से ही पूर्वी सिंहभूम जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के सभी प्रखंड समिति के द्वारा हेमंत सोरेन जिंदाबाद का नारा लगाते हुए लोगो के बीच लड्डू का वितरण कर खुशी मनाया गया। मौके पर साकची स्थित झामुमो जिला संपर्क कार्यालय में जिला समिति के सैकड़ो झामुमो नेता और कार्यकर्ता ढोल नगाड़ा के साथ जमकर आतिशबाजी कर खुशियां मनायी। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेल से रिहा होने पर झामुमो कार्यकर्ताओं ने लोगो के बीच लड्डू का वितरण कर खुशी जाहिर की। साथ ही सभी नेताओं ने खुशी जाहिर करते हुए न्यायालय के प्रति आभार जताया। इस दौरान झामुमो नेताओ ने सड़क पर ढोल नगाड़ा के साथ पदयात्रा कर सड़क से गुजरने वाले लोगो को लड्डू खिलाकर मु मीठा कराया। वरिष्ठ नेता प्रमोद लाल ने कहा पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को केंद्र सरकार के इशारे पर ईडी ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था। 6 माह के बाद माननीय उच्च न्यायालय ने हेमंत सोरेन को जमानत दे दी। उन्होंने कहा पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को शुरू से ही न्यायालय पर पूर्ण विश्वास था। यह सच्चाई की जीत है।

इस अवसर पर शेख बदरुद्दीन, प्रमोद लाल, जिला उपाध्यक्ष अरुण प्रसाद, फैयाज खान, राज लकड़ा, प्रीतम हेंब्रम,राजा सिंह, बलजीत सिंह, नंदू पाजी, फत्ते चन्द टुडु, राजू श्रीवास्तव, खीरू पाल, परल्हद लोहरा, पिंटू लाल, उमानाथ झा, रंजीत सिंह, गुरमीत सिंह गिल, तनवीर अंसारी, रानू मंडल, जमील अख्तर, मनोज गुप्ता, सविता सिंह, दुर्गा बोयपाई, बाली मार्डी, राजकुमार, विनोद डे, अजय रजक सहित काफी संख्या झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आदिवासि कुड़मी समाज ने प्रत्येक विद्यालय में कुड़माली के शिक्षक नियुक्ति की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। आदिबासि कुड़मि समाज पूर्वी सिंहभूम जिला कमिटि के एक प्रतिनिधि मंडल ने जिला सह संयोजक प्रकाश महतो के नेतृत्व में जिला शिक्षा कार्यालय में अपनी मांगों को लेकर विरोध जताया। शुक्रवार को प्रदर्शन के दौरान प्रतिनिधि मंडल ने झारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा प्राथमिक स्तर पर करवाये गये भाषाई सर्वेक्षण में हुए व्यापक गड़बड़ी को लेकर भारी रोष प्रकट की। संयोजक प्रकाश महतो ने कहा कुड़मि जनजाति समुदाय की स्वायत्त कबिलावाची मातृभाषा कुड़मालि है, लेकिन पूरे जिले में कुड़मालि भाषा की संख्या शून्य कर दी गयी है। यह इस जिले में निवासित पूरे कुड़मि समुदाय व इनकी अति विशिष्ट भाषा कुड़मालि के साथ घोर अन्याय है।इसके लिए पूर्व में भी ज्ञापन के माध्यम से इस पक्षपातपूर्ण भूल को सुधार करने का निवेदन किया गया था, लेकिन न्याय नहीं मिला। मौके पर केंद्रीय अध्यक्ष प्रसेनजीत महतो ने कहा थोपे गये भाषा को किसी हाल में स्वीकार नहीं किया जायेगा। उन्होंने पूरी प्रक्रिया को रद्द कर जिन विद्यालय में कुड़मि बच्चे हैं उनकी भाषा कुड़मालि दर्ज कर पुनः रिपोर्ट भेजने की मांग की। उसी आधार पर प्रत्येक विद्यालय में कुड़मालि शिक्षक नियुक्ति के लिए मांग की। मौके पर मोहिनी महतो, रंजीत महतो, नेपाल महतो, संजय महतो, अजय महतो, किरतन महतो, सुजीत महतो, उदित महतो, जयप्रकाश महतो, मिहिर महतो, अनिल महतो, ममता महतो, नमिता महतो, पिंकी महतो, मिथिला महतो, अंजना महतो, मीना महतो, बबीता महतो, भवानी महतो, भूमिका महतो सहित काफी संख्या में समाज के महिला और पुरुष मौजूद रहे।

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा ने किया पौधरोपण

जमशेदपुर(आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष दीपक सुंडी के नेतृत्व में मां के नाम पौधेरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुक्रवार को भाजपा प्रदेश द्वारा निर्देशित कार्यक्रम के दौरान जिला उपाध्यक्ष दीपक सुंडी के आवास में स्वर्गीय रैकुल सुंडी के नाम पौधे लगाकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। मौके पर झारखंड प्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, खिजरी विधानसभा के पूर्व विधायक राम कुमार पाहन, झारखंड प्रदेश के प्रदेश प्रवक्ता काजू सांडिल, भाजपा जमशेदपुर महानगर एस्टी मोर्चा जिला अध्यक्ष बिनानंद सिरका,साकेत कुमार, एमजीएम मंडल अध्यक्ष मनोज बोदरा,पिंटू सिंह,लखन सहित अन्य भाजपा नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जमशेदपुर से बहरागोड़ा तक हाइवे के काम की मॉनिटरिंग में होंगी दिक्कत : विद्युत महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। सांसद विद्युतवरण महतो ने नयी दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर एनएचएआई जमशेदपुर के ऑफिस को रांची स्थित ऑफिस में मर्ज करने का विरोध किया है। सांसद ने केन्द्रीय मंत्री का जमशेदपुर शहर में एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण के साथ ही कई अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं को धरातल पर उतारने समेत एनएच-33 और 6 के देखरेख की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि यदि जमशेदपुर ऑफिस को बंद कर दिया जायेगा, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव उक्त परियोजनाओं पर पड़ेगा। रांची ऑफिस में बैठकर ही 150-210 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बहरागोड़ा और घाटशिला के एनएच में चलने वाली कार्यों की मॉनिटरिंग संभव नहीं हो सकेगी। बहरागोड़ा अंडरपास के दोनों ओर की सर्विस रोड जो काफी जर्जर और दयनीय स्थिति में है। जर्जर सड़क को दुरुस्त करने के लिए विभाग की ओर से जल्द टेंडर निकलना है। इसी तरह, जमशेदपुर से बहरागोड़ा के बीच 5 अंडरपास और 30 पूल का निर्माण होना है जिसके लिए प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जरूरत है। बहरागोड़ा बस स्टैंड और घाटशिला फुलडूंगरी के समीप भी अंडरपास का निर्माण प्रस्तावित है जिसके लिए एनएचएआई का ऑफिस जमशेदपुर में ही रहना आवश्यक है। महुलिया से दारिसोल तक लगे सभी स्ट्रीट लाइट जो अक्सर खराब रहते है उसकी देखरेख के साथ ही एनएच पर बन रहे गड्ढों की मरम्मत के लिए भी समय-समय पर पदाधिकारियों की मॉनिटरिंग आवश्यक है। टोल के संचालन के साथ अन्य महत्वपूर्ण सड़क को नेशनल हाइवे के रूप में डेवलप करने के लिए भी कार्यालय का जमशेदपुर में बना रहना अति आवश्यक है। सांसद ने कहा कि एनएचएआई ऑफिस के बंद होने से 15 से अधिक कर्मचारी बेरोजगार हो जायेंगे ,जिससे उनके समक्ष रोजी-रोटी की समस्या उत्तपन्न हो जायेगी। कार्यालय बंद होने से जमशेदपुर से बहरागोड़ा के बीच एनएच से सम्बंधित छोटी-बड़ी समस्याओं के निदान में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। सांसद ने केंद्रीय मंत्री से एनएचएआई ऑफिस जमशेदपुर को रांची शिफ्ट नहीं करने की मांग की है।

मंगल कालिंदी ने पटमदा में करोड़ों की लागत से सड़क निर्माण योजना का किया शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

पटमदा। जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी के पहल पर पटमदा के बामनी गांव में सड़क चौड़ीकरण सह सुदृढ़ीकरण कार्य के लिए सड़क निर्माण योजना की स्वीकृत मिलने पर ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की। शुक्रवार को क्षेत्र के विधायक मंगल कालिंदी ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 2 करोड़ 22 लाख की लागत से सड़क निर्माण योजना का नारियल फोड़कर शिलान्यास किया। विधायक मगंल कालिंदी ने कहा इस योजना में बामनी मोड़ से घोषडीह, खेरुआ होते हुए काशियागोड़ा तक करीब 4 किमी सड़क चौड़ीकरण सह सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जाएगा। इससे इस क्षेत्र के लोगों की करीब एक दशक पुरानी मांग पूरी होगी। गौरतलब हो सड़क मरम्मत के लिए परेश मंडल लगातार प्रयासरत थे। शिलान्यास के मौके पर उन्होंने विधायक को बधाई दी। मौके पर सांसद प्रतिनिधि महावीर महतो, विधायक प्रतिनिधि चन्द्रशेखर टुडू, जिला परिषद सदस्य प्रदीप बेसरा, मंडल, स्वपन महतो, मिलन दास, कांग्रेस नेता विश्वामित्र दास, भाकपा नेता परेश मंडल समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

अलकतरा घोटाला के मास्टरमाइंड रहे हैं पूर्व विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी : झामुमो

सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना तो दूर बल्कि विधायक निधि की 50 करोड़ की राशि को भी चेक स्लिप के माध्यम से खाने-पकाने का काम किया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं ने होटल पद्मावती में प्रेसवार्ता आयोजन कर पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी पर गंभीर आरोप लगाये हैं। केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे ने कहा कि पूर्व विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी अपने 10 साल के कार्यकाल में गढ़वा विधानसभा क्षेत्र और यहां की जनता के लिये नकारा साबित हुए हैं। विकास कार्यों के बजाय वह सत्ता सुख भोगने तथा जनता की गाढ़ी कमाई दोहन करने में मशगूल रहे। सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना तो दूर बल्कि विधायक निधि की 50 करोड़ की राशि को भी चेक स्लिप के माध्यम से खाने-पकाने का काम किया। वर्तमान में पूरे गढ़वा विधानसभा क्षेत्र में मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों पर पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी योजनाओं को लेकर झूठी टिप्पणी तथा मसखरी करते फिर रहे हैं। जबकि विगत दिनों ही माननीय न्यायालय के द्वारा उनकी कंपनी कलावती कंस्ट्रक्शन जिसमें वह निर्देशक के पद पर थे उसको अलकतरा घोटाले में दोषी पाया है। पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी 1999 से लेकर 2015 तक कलावती कंस्ट्रक्शन के निदेशक रहे थे, 2009 में विधायक बनने के बाद भी वह कंपनी में लाभ के पद पर आसीन रहे। जब उनकी कंपनी पर अलकतरा घोटाला का आरोप लगा और इस मामले में पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी को जेल जाना पड़ा तो खुद को बचाने के लिए उन्होंने अपने ही रिश्तेदार को कंपनी का निर्देशक बनाकर सारा दोष उनपर मढ़ दिया। जो व्यक्ति अपने स्वार्थ में परिवार का नहीं हुआ, 10 साल विधायक रहते हुए क्षेत्र और जनता का नहीं हुआ उससे भविष्य में किसी तरह का उम्मीद करना ही बेकार है।

2014 के विधानसभा चुनाव में अलकतरा घोटाला केस से बचने के लिए भाजपा में शामिल हो गए तथा घोटाला का आरोप लगने और दो वर्ष जेल काटने के बाद माननीय न्यायालय में यह हलफनामा देते हैं कि उन्होंने कंपनी के निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया था। परंतु डेढ़ दशक तक कंपनी के निदेशक पद पर रहने के बाद आरोप लगाते ही क्यों इस्तीफा दे दिए इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दिया। इसके विरुद्ध झारखंड मुक्ति मोर्चा चुनाव आयोग को पत्र लिखकर उन्हें चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित करने की मांग करेगी। पूर्व विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी के कार्यकाल में चिनिया तथा फरठिया मोड़ पर अवैध क्रशर प्लांट संचालित होता था। बेलचांपा आदि घाटों से सैकड़ो की संख्या में बालू ट्रक उत्तर प्रदेश भेजा जाता था। हत्या, लूट और रंगदारी जैसी घटना चरम सीमा पर थी। भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दिया जाता था। आज इन सभी घटनाओं पर रोक लगने के कारण पूर्व विधायक के खेमे में बौखलाहट साफ नजर आती है। प्रेसवार्ता में शिक्षा प्रतिनिधि अशर्फी राम, गढ़वा प्रमुख फैजूल अंसारी, नवादा मुखिया सुरेंद्र यादव मौजूद थे!

क्षेत्र का चीरहरण करते रहे हैं मिथिलेश व गिरिनाथ : विवेकानंद

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी विवेकानंद तिवारी ने पूर्व विधायक गिरिनाथ सिंह और मंत्री मिथिलेश ठाकुर को चोर-चोर मौसेरा भाई वाली कहावत को चरितार्थ करने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि मंत्री मिथिलेश ठाकुर को चुनाव जीते हुए चार वर्ष सात महीना हो गया। इतने दिनों तक गिरिनाथ सिंह और मिथिलेश ठाकुर एक दूसरे को इलू इलू करते रहे। पूरे विधानसभा बालू, पानी और जमीन लूट से कराह रहा है। गिरिनाथ सिंह की जुबान भ्रष्ट मंत्री के खिलाफ कभी नहीं खुली और आज विधानसभा चुनाव को नजदीक देखकर गिरिनाथ सिंह भी गांव में घूम-घूम कर मिथिलेश ठाकुर भ्रष्ट है करप्ट हैं, बालू चोरी करता है बोलते चल रहे हैं। यह पब्लिक है सब जानती है। कई जगह पब्लिक ने इन्हें डेमोरलाईज भी किया, कि आज आप किस मुंह से अपने को मिथिलेश ठाकुर से अलग बता रहे हैं। चार साल सात महीना मिलजुल कर विधानसभा का शोषण और दोहन करते रहे। वहीं आप कुंभकरण की निद्रा में सोए रहे। उन्होंने कहा कि आज अचानक क्या हो गया गिरिनाथ सिंह और मिथिलेश ठाकुर दोनों को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। कि आप दोनों का आपसी संबंध कब कितना दिन पहले बिगड़ गया यह जनता जानना चाहती है।

जनता को ठगने का काम कर रही है झारखंड सरकार : जयराम महतो

खरौंधी (आजाद सिपाही)। जेबीकेएसएस के सुप्रीमो जयराम महतो को लोगो ने खरौंधी प्रखंड में भव्य स्वागत किया। वें क्षेत्र भ्रमण के दौरान वर्तमान सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा की झारखंड सरकार लोगों को ठगने का काम करती है। जनता को लुभाने के लिए सोना धोती योजना, छोटे-मोटे कार्य कर रही है। पहले से स्वीकृत वृद्ध लोगो को वृद्धा पेंशन पांच माह से रोककर रखी है। और लोगों को लुभाने के लिए झूठ का सहारा ले रही है।

महत्वपूर्ण न्यूज

एआइएमआइएम के नेताओं ने मेराल प्रखंड सहित कई पंचायत का किया दौरा

गढ़वा (आजाद सिपाही)। एआइएमआइएम के नेताओं ने मेराल प्रखंड के पढुवा, लोवादग सोहबरिया, सांवरिया, तेनार पंचायत आदि का दौरा किया। इस अवसर पर एआइएमआइएम के नेताओं ने कहा कि दौरा करने का मुख्य उद्देश्य मेराल प्रखंड के पंचायत स्तरीय कमेटी को मजबूत करना है। वहीं कार्यकताओं को संगठित करना है। वहीं पार्टी को धारदार बनाने के साथ ही मजबूत बनाना है। इस दौरान पार्टी के नीति और सिद्धांतो को जन-जन तक पहुंचाया गया। पार्टी के नेताओं ने मेराल प्रखंड अध्यक्ष फारूक अंसारी के नेतृत्व में दौरा किया गया। मौके पर नेताओं ने कहा कि आज तक यहां के जनप्रतिनिधियों के द्वारा गढ़वा रंका विधानसभा क्षेत्र की जनता को सिर्फ ठगने करने का काम किया गया है। गरीब, शोषित व वंचितों का आवाज किसी जनप्रतिनिधि के द्वारा नही उठाया जाता है। इस अवसर पर एआईएमआईएम के मेराल प्रखंड अध्यक्ष फारूक अंसारी, जिला प्रवक्ता अब्दुल रहमान अंसारी, मेराल के युवा प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद अली उर्फ लाला, युवा क्रांतिकारी नेता सफदर अली, सकलेन अंसारी, दाऊद इब्राहिम आदि उपस्थित थे।

लूट में शामिल चार अपराधी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा पुलिस ने कल्याणपुर फोर लेन ओवर ब्रिज के पास लूट की घटना का उद्भेदन किया है। पुलिस ने इस घटना में एक नाबालिक सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है । पुलिस ने उसके पास से एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, दो मोटरसाइकिल, मोबाइल सहित एक कैमरा बरामद किया है। गिरफ्तार लोगों में गढ़वा थाना क्षेत्र के दुबे मरठीया गांव निवासी राम वशिष्ठ चौहान का पुत्र नीरज चौहान, मेराल थाना क्षेत्र के बसरिया गांव निवासी प्रदीप कुमार सिंह का पुत्र नंदन कुमार सिंह उर्फ लक्की ,भवनाथपुर थाना क्षेत्र के अरसली गांव निवासी कलेंद्र प्रजापति का पुत्र विकास कुमार उर्फ बिट्टू का नाम शामिल है । वर्तमान में सभी गढ़वा ब्लॉक कॉलोनी में रहते हैं। इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडेय ने गढ़वा थाने में शुक्रवार को प्रेस वार्ता कर दी । उन्होंने बताया कि 26 जून को करीब 9:30 बजे रात्रि में गढ़वा थाना अंतर्गत ग्राम कल्याणपुर फोर लाइन ओवरब्रिज के पास एक लूट की घटना घटित हुई थी। अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध गढ़वा थाने में प्राथमिक की दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नीरज कुमार के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया था । उन्होंने बताया कि गठित टीम द्वारा कांड के उद्भेदन की दिशा में त्वरित कार्रवाई करते हुए लूट कांड में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल जेएच 14 एच 9255 जेएच 03यू 7679 को बरामद करते हुए कांड में संलिप्त अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस कांड में लुटे गये मोबाइल और कैमरा की बरामदगी गयी है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि नीरज कुमार चौहान के पास से घटना में प्रयुक्त एक देसी कट्टा एवं 315 का एक जिंदा गोली भी बरामद किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि छापामारी टीम में पुलिस निरीक्षक सह गढ़वा थाना प्रभारी बृज कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक सुभाष कुमार पासवान,चेतन कुमार सिंह ,शशि कुमार शर्मा, दीपक कुमार मौर्य, सुबोध बड़ाइक, प्रदीप यादव , मुकेश यादव, सहायक अवर निरीक्षक अभिमन्यु कुमार सिंह ,आरक्षी राजेश सिंह, अभय कुमार सिंह, चालक आरक्षी राधा मोहन सहित पुलिस के जवान शामिल थे।

गढ़वा पचपड़वा हत्याकांड के मुख्य आरोपी समेत तीन गिरफ्तार, हथियार बरामद

गढ़वा (आजाद सिपाही)। पुलिस ने पचपड़वा हत्याकांड के मुख्य आरोपी रवि तिवारी समेत हत्याकांड में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने एक देशी पिस्तौल, हत्या में उपयोग किया गया काले रंग का स्कार्पियो गाड़ी तथा एक बाइक बरामद किया गया है। प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडेय ने बताया कि विगत 24 जून को शाम 7:00 बजे पचपड़वा में महुलिया गांव की तैय्यब अंसारी को गोली मारकर हत्या कर दिया गया था। इस हत्याकांड के उदभेदन के लिए गढ़वा के डीएसपी नीरज कुमार के नेतृत्व में एस आईटी का गठन किया गया था । पुलिस के द्वारा गढ़वा पलामू तथा छत्तीसगढ़ में छापेमारी किया गया। इस क्रम में 27 जून को छत्तीसगढ़ भगाने के दौरान गोदरमाना पिकेट के पास से एक मोटरसाइकिल पर सवार इस हत्याकांड का मुख्य आरोपी गढ़वा थाना क्षेत्र के बगही गांव निवासी रवि तिवारी पिता रमाकांत तिवारी एवं उसका सगा भाई अभिषेक तिवारी उर्फ पिंकू तिवारी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद रवि तिवारी के निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में जिस हथियार का इस्तेमाल किया गया था उसे रूपेश तिवारी के घर से बगही गांव से बरामद किया गया तथा रूपेश तिवारी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि हत्याकांड में शामिल दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी है। उन्होंने बताया कि इसमें हत्याकांड का मुख्य आरोपी रवि तिवारी का सगा भाई पिंकू तिवारी भी शामिल है। पुलिस अधीक्षक ने बताया की हत्या का कारण सड़क पर बाइक से साइड देने को लेकर उत्पन्न विवाद ही कारण था।

छात्रा नेहा गर्मी के कारण मूर्च्छित होकर गिर पड़ी

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित प्रावि हरिजन टोला अधौरा में अध्ययनरत कक्षा 3 की एक छात्रा नेहा कुमारी शुक्रवार को अत्यधिक गर्मी के कारण प्रार्थना सभा के दौरान मूर्क्षित होकर गिर पड़ी। वहां उपस्थित शिक्षकों व छात्रों ने उसे उठाकर वर्ग कक्ष के अंदर लाकर सुला दिए और हाथ पंखा से हवा देकर व ओआरएस का घोल पिलाकर उसे सामान्य किया गया। विद्यालय में बिजली का कनेक्शन नही है। जिस कारण पंखा की सुविधा उपलब्ध नही है।

खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। विश्व ओलम्पिक दिवस पर शुक्रवार को स्थानीय प्लस टू उच्च विद्यालय के मैदान में खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के लिए साइकिलिंग रेस तथा कबड्डी का आयोजित की गई। बालिका वर्ग के साइकिलिंग रेस में प्रथम अंजली कुमारी, द्वितीय स्थान बबली कुमारी तथा तृतीय स्थान खुशी कुमारी, जबकि बालक वर्ग में प्रथम रॉकी यादव, द्वितीय स्थान तृतीय स्थान पर विमलेश कुमार रहे। वहीं कबड्डी प्रतियोगिता में भवनाथपुर डे बोर्डिंग बालिका टीम ने भवनाथपुर प्लस टू उच्च विद्यालय को हराकर विजेता बनी। प्रतियोगिता के सभी सफल प्रतिभागियों के बीच पूर्व बीससुत्री अध्यक्ष सह जेएमएम नेता ब्रजेश कुमार सिंह, जिला कबड्डी संघ के अजय कुमार गुप्ता तथा प्लस टू उच्च विद्यालय के खेल शिक्षक ने पुरस्कार वितरण किया। इससे पहले कबड्डी कोच अजय कुमार गुप्ता ने ओलम्पिक दिवस के महत्व पर युवाओं के बीच विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि आज गेम से खिलाड़ियों को अवसर मिलता है। खिलाड़ी अपने बेहतर खेल की बदौलत देश विदेश पर अपनी पहचान बना रहे है।

बाजार स्थित तीन मुहान पर शव के साथ सड़क जाम की

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। मझिआंव रेफरल अस्पताल के चिकित्सक की लापरवाही से सर्प दंश के मरीज गहिड़ी गांव निवासी पारस नाथ मेहता के पुत्र मनीष कुमार मेहता 25 वर्ष की मौत हो गयी। आरोप है कि सर्प दंश का इंजेक्शन रहने के बाद भी नही दिया गया, और उसकी मौत हो गयी। इससे गुस्साए ग्रामीणों ने पहले शव को लेकर रेफरल अस्पताल का गेट जाम कर दिया और जमकर हंगामा किया। मृतक के परिजन चिकित्सक डॉ राजू कुमार दास और ड्यूटी पर तैनात सभी कर्मियों पर प्राथमिकी दर्ज कर अविलंब गिरफ्तार करने, मृतक के आश्रित को मुआबजा और सरकारी नौकरी देने की मांग कर रहे थे। इस दौरान रेफरल अस्पताल प्रभारी डॉ गोबिंद सेठ, बीडीओ सतीश भगत और थाना प्रभारी आकाश कुमार द्वारा लोगों को समझाने का प्रयास किया गया। रेफरल अस्पताल प्रभारी द्वारा बताया गया कि ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक सहीत सभी कर्मियों पर कार्रवाई के लिये मुख्य चिकित्साधिकारी गढ़वा को भेजा गया है। उन्होंने कहा कि सर्प दंश वाले मृतकों को चार लाख रुपये आश्रित को देने का सरकारी प्रावधान है। काफी समझाने के बाद भी लोग नहीं माने और जीप में शव को रखकर बाजार स्थित तीन मुहान पर जाकर सड़क जाम कर दिया। इस दौरान जाम स्थल पर हजारों लोगों की भीड़ लग गयी और सड़क के तीनों ओर दर्जनों वाहनों का जाम लग गया। इसके पश्चात जाम स्थल पर अंचलाधिकारी शंभू राम, बीडीओ सतीश भगत और थाना प्रभारी आकाश कुमार पहुंचे। सीओ ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आते ही मृतक के आश्रित को आपदा प्रबंधन की राशि चार लाख रुपये दी जायेगी। साथ ही आश्रित को सरकारी नौकरी के लिए सरकार से अनुशंसा करेंगे। थाना प्रभारी ने कहा कि आप आवेदन दीजिये, तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जायेगी। उपरोक्त आस्वासन के बाद जाम समाप्त हो गया और मृतक का कोयल नदी के तट पर अंतिम संस्कार किया गया। इधर इस संबंध में थाना प्रभारी ने पत्रकारों को बताया कि आवेदन पत्र के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है। और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

इंजेक्शन उपलब्ध है : डॉ गोबिंद सेठ

इस संबंध में जब सर्प दंश के इंजेक्शन के बारे में रेफरल अस्पताल के प्रभारी डॉ गोबिंद सेठ से बात की गयी तो उनके द्वारा कहा गया कि मझिआंव रेफरल अस्पताल में पहले से ही सर्प दंश का इंजेक्शन उपलब्ध है। और किस परिस्थिति में ड्यूटी पर उपस्थित चिकित्सक द्वारा इनकार किया गया यह वही बता सकते हैं। इस संबंध में घटना के समय ड्यूटी पर उपस्थित चिकित्सक डॉ राजू कुमार दास से संपर्क करने की कोशिश की गयी लेकिन बात नहीं हो सकी।

फुटबॉल प्रतियोगिता का किया आयोजन

भंडरिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रांगण में खेलो झारखंड अंतर्गत प्रखंड स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता का प्रखंड स्तरीय खेल का आयोजन किया गया। प्रखंड के बीस स्कूल से यह खेल प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय है 17 वर्ष के आयु के बालक बालिका फुटबॉल मैच जिसमें उच्च विद्यालय मरदा गर्ल हाई स्कूल भंडारिया प्लस टू उच्च विद्यालय भंडरिया उत्क्रमित उच्च विद्यालय बघवार के छात्र-छात्राओं के बीच फुटबॉल प्रतियोगिता का खेल प्रारंभ किया गया था। खेलो झारखंड सुब्रतो मुखर्जी प्रतियोगिता फुटबॉल टूर्नामेंट के आयोजन में भाजपा सांसद प्रतिनिधि रूप निरंजन सिंह बिआरसी सतनारायण यादव रतन रंजन प्लस टू उच्च विद्यालय के शिक्षक उमेश यादव संतोष प्रसाद केसरी थें।

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जमानत मिलने पर झामुमो कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

रंका (आजाद सिपाही)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जमानत मिलने पर रंका अनुमंडल प्रखंड झामुमो कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गयी और खुशी में चेक नाका के पास खूब आतीशबाजी की और पटाखे फोड़े एवं मिठाईयां बांटी। फिर वहां से पैदल रंका एन एच 343 पर चलकर जेल का ताला टूटेगा हेमंत सोरेन छूटेगा, झारखंड मुक्ति मोर्चा जिन्दाबाद आदि नारा लगाते हुए बाजार पूल के पास पहुंचे और कार्यक्रम का समापन किया।

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट का दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय आयोजन

रमना (आजाद सिपाही)। 63वीं सुब्रतो कप अन्तर्राष्ट्रीय फुटबॉल टुर्नामेंट का दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय आयोजन जामा दो उच्च विद्यालय रमना के स्टेडियम में किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन अंचल आधिकारी सह प्रखड विकास पदाधिकारी बासुदेव राय ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ खेल भी बच्चों के लिए आवश्यक है। इससे बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास होता है। प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सुनीता कुजूर ने कहा कि इस दो दिवसीय फुटबॉल टुर्नामेंट में विभिन्न विद्यालयों के बच्चें भाग ले रहे हैं। जिसमें अंडर- 17 बालक व बालिका और अंडर -15 बालक प्रतियोगिता में बच्चें अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगें। प्रतियोगिता के पहले दिन अंडर -17 बालक प्रतियोगिता में उत्क्रमित उच्च विद्यालय बुलका के बच्चें बेहतर प्रदर्शन करते हुए विजेता बनें। वहीं 10+2 उच्च विद्यालय रमना उप विजेता बना। वहीं अंडर-17 बालिका वर्ग के प्रतियोगिता में उच्च विद्यालय टंडवा विजेता और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय रमना के बालिका उप विजेता बनी। जबकि अंडर -15 बालक वर्ग के प्रतियोगिता में उच्च विद्यालय बुलका विजेता एवं उच्च विद्यालय टंडवा के बालक की टीम उप विजेता बना। प्रतियोगिता के बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी बासुदेव राय व बीपीओ सुनीता कुजूर ने संयुक्त रूप से विजेता व उप विजेता टीम को कप देकर सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता के सफल संचालन में प्रधानाध्यापक सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता, नंदकिशोर चौबे, सुनील कुमार सिंह, मनोज कुजूर, विमल पटेल, अपर्णा कुमारी, रवि , कंचन, सरिता आदि शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभाया है।

सगमा : मुखिया ने की छात्रों के बीच साइकिल का वितरण

सगमा (आजाद सिपाही)। मुखिया ने की छात्रों के बीच साइकिल का वितरण विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठा सगमा प्रखण्ड के उत्तक्रमित मध्य विद्यालय कट्टर कला में मुखिया कलावती देवी के द्वारा 46 विद्यार्थियों के बीच साइकिल का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुखिया कलावती देवी ने उपस्थित विद्यार्थियों से समय पर स्कूल जाने की सलाह देते हुए कहा की सरकार के द्वारा स्कूली शिक्षा को बढ़ावा देने के उदेस्य से बहुत सा कार्यक्रम चल रहा है जिसमे मुख्यरूप से बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ के तहत बालक बालिकाओं को एक समान शिक्षा उपलब्ध कराया जा रहा है साइकिल देने का मतलब है दूरी होने के बावजूद बिना अनुपस्थित रहे प्रतिदिन विद्यालय पहुंचने का है इसी उदेस्य की पूर्ति के लिए सरकार ने आठवीं पास करने वाले विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई बाधित न हो । इस मौके पर अन्य के अलावा मुख्यरूप से प्रधान अध्यापक आशुतोष रंजन बीडीसी प्रतिनिधि पवन सिंह राजेंद्र राम उपस्थित थे।

लाभुकों को मिला दो-दो लाख रुपये का चेक

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। भवनाथपुर टाउनशिप स्थित भारतीय स्टेट बैंक शाखा प्रबंधक के हाथों शुक्रवार को दो लोगो को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो-दो लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। बताते चले कि मकरी निवासी स्व अशोक विश्वकर्मा की पत्नी प्रतिमा देवी उम्र 40 वर्षीय को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत दो लाख का चेक दिया गया। अशोक विश्वकर्मा ने एसबीआई शाखा में 20 रुपये का बीमा सीएसपी मकरी के संचालक सुरेश पाल के पास कराया था। विदित हो कि अशोक विश्वकर्मा की मोटर साईकिल दुर्घटना में मृत्यु हो गयी थी। सीएसपी संचालक सुरेश पाल के अथक प्रयास से आज नोमानी प्रतिमा देवी को दो लाख का चेक एसबीआई के शाखा प्रबंधक प्रवीण कुमार द्वारा दिया गया। जबकि अरसली दक्षिणी पंचायत के बनखेता गांव निवासी स्व राजकुमार यादव के नोमानी नहक यादव को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो लाख का चेक शाखा प्रबंधक के द्वारा दिया गया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक प्रवीण कुमार, सहायक मैनेजर फील्ड मैनेजर राजेश मुंडा, सीएसपी संचालक सुरेश पाल, धर्मेंद्र कुमार, राजू कुमार सहित सभी बैंक कर्मी उपस्थित थे।

NATIONAL UNIVERSITY OF STUDY AND RESEARCH IN LAW, RANCHI
At Nagri, PO- Bukru, Kanke-Pithoria Road, Kanke, Ranchi 834006

Ref: NUSRL/RNC/2024/ 112629 Date: 27-6-24

Very Short Tender Invitation Notice

NUSRL, Ranchi invites tender for Providing and supplying Steel Cot for the University.
For detailed terms and conditions visit the University website www.nusrlranchi.ac.in. The last date of Submitting the sealed tender is 23rd July2024, 05:00 PM. Which will be opened on 24th July2024

Sd/-
Assistant Registrar (I/c)

PR 328088 (Law) 24-25 (D)

अवैध खनन स्थलों और परिवहन मार्गों को चिह्नित कर विशेष निगरानी रखें अधिकारी : लोकेश मिश्रा

15 दिनों तक सघन छापामारी अभियान चलाया जाये।

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक में गत एक माह के दौरान खनिज पदार्थों के अवैध खनन और परिवहन की रोकथाम की दिशा में संबंधित अधिकारियों द्वारा की गयी कार्रवाई की समीक्षा की गयी। उपायुक्त ने निर्देशित किया कि खनिजों के अवैध खनन स्थलों को चिह्नित कर आपस में समन्वय बनायें और अवैध खनन एवं परिवहन के मार्गों पर विशेष निगरानी रखें। उन्होंने निर्देश दिया कि तोरपा, कर्रा एवं जरियागढ़ थाना क्षेत्रों में 15 दिनों तक सघन छापामारी अभियान चलाया जाए। साथ ही बालू घाट वाली पंचायत के गांवों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन कर ग्रामीणों को अवैध बालू उत्खनन के प्रति जागरूक किया जाए। मोटर यान निरीक्षक को निर्देश दिया गया कि अवैध परिवहन के आरोप में थाने में जब्त पड़े वाहनों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक में जिला खनन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान अबतक पत्थर एवं बालू के अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध 134 अभियुक्तों के खिलाफ 11 प्राथमिकी और 45 वाहनों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गयी है। साथ ही 65 वाहन जब्त किए गये हैं। और 20 वाहनों से 6.21 लाख की राशि दंड शुल्क के तौर पर वसूल की गयी है। जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि अवैध रुप से भंडारित 3,06,094 घनफीट बालू को जब्त कर झारखंड खनिज समानुदान नियमावली 2004 के नियम 54(ए) के तहत निलामी की गयी, जिसमें उच्चतम डाक की राशि 1,58,71,000 रुपया रही। यह भी बताया गया कि 27 जून 2024 को तोरपा थानांतर्गत मौजा गिडूम में अवैध रूप से भंडारित 2,57,00 घनफीट बालू को जब्त किया गया। समीक्षा बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत सचान, जिला खनन पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, खान निरीक्षक, मोटर यान निरीक्षक सहित अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित थे।

हेमंत सोरेन को हाइकोर्ट से जमानत मिलने पर झामुमो कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। खलारी प्रखंड झामुमो कार्यकर्ताओं ने प्रखंड अध्यक्ष अनिल पासवान के नेतृत्व में शुक्रवार को पुर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हाई कोर्ट से जमानत मिलने की खुशी में केडी हिन्दुगढ़ी चैक पर होली और दिवाली का जष्न मनाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने खुशी में एक दुसरे को अबीर गुलाल लगाया और जमकर आतिषबाजी की। साथ ही खुषी में लोगों के बीच मिठाईयां बांटी गयी। मौके पर अनिल पासवान ने कहा कि तानाशाही केंद्र सरकार ने हेमंत सोरेन को बेवजह ईडी के माध्यम से 5 महीने तक जेल में रखने का काम किया। लेकिन आज हाइकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत दे दी जो कि असत्य पर सत्य की जीत हुई है। इस अवसर पर नंदू मेहता, रंथु उरांव, महेंद्र चैहान, मुकेश यादव, कलाम रिजवी, चितरंजन सिंह, राजेश प्रसाद, राजकुमार गंझू, नौशाद आलम, कमलेश प्रसाद, सुधीर चैहान, सुभाष प्रजापति, अमजद खान, पिंटू पांडे, एहसान अंसारी, सज्जाद अंसारी, सचिन सिंह, इसराइल अंसारी, हैदर अली खान, रविंदर यादव, विवेक पासवान, बीरबल सिंह भोक्ता, निखिल चैहान, शिवनारायण कुशवाहा, मरियानूस किंडो, सुनील यादव, सत्येंद्र खरवार, जालीम सिंह, अनवर अंसारी सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लीड्स प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं के बीच प्रशस्ति पत्र का वितरण किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। लीड्स प्रशिक्षण केंद्र मुरहू, खूंटी में शुक्रवार को प्रवासी मजदूर परियोजना के तहत 34 प्रशिक्षुओं को कौशल प्रशिक्षण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को प्रशस्ति पत्र दिया गया। लीड्स संस्था द्वारा पांच दिवसीय प्रशिक्षण की शुरूआत 24 जून को हुई थी। प्रशिक्षण में यूरोपियन यूनियन और डब्ल्यूएचएच के सहयोग से खूंटी, सिमडेगा और रामगढ़ जिले के 34 लोगों को सिलाई कढ़ाई, ब्यूटीशियन, एलइडी बल्ब रिपेयरिंग, बोरवेल रिपेयरिंग आदि का प्रशिक्षण दियाग या। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर खूंटी के पशुपालन पदाधिकारी विजय कुमार नाग और कल्याण गुरुकुल खूंटी के जिला समन्वयक चंदन मुख्य रूप से उपस्थित थे। अतिथियों द्वारा प्रशिक्षुओं को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना दी गयी। कहा गया कि प्रशिक्षण में मिली जानकारी को अपने जीविकोपार्जन के लिए उपयोग करें और इससे अपने परिवार का लालन पालन के लिए बिजनेस मोड में काम करें। इस संबंध मे भी प्रशिक्षुओं को जानकारी दी गयी। कल्याण गुरुकुल और पशुपालन विभाग से आये हुए अधिकारियों द्वारा भी कई तरह की जानकारी साझा की गयी।

लीड्स संस्था द्वारा चौथी चरण का प्रशिक्षण जुलाई माह 2024 में शुरू होगा। यह ट्रेनिंग पूरी तरह से आवासीय है और आने-जाने, रहने और खाने की व्यवस्था पूरी तरह निःशुल्क है।

जिला सहकारिता विकास कमेटी की बैठक

दिये गये आवश्यक दिशा-निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला सहकारिता विकास कमेटी (डीसीडीसी) की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में गत बैठक की कार्यवाही की संपुष्टि और अनुपालन प्रतिवेदन की समीक्षा की गयी। साथ ही जिले में सहकारिता विकास के संबंध में विभिन्न बिंदुओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया। मौके पर संबंधित अधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश दिये गये। बैठक में नेशनल कॉ ऑपरेटिव डाटा बेस को अद्यतन करने, नये बहुउद्देशीय पैक्स, लैम्पस, डेयरी और मत्स्यजीवी सहकारी समितियों की स्थापना, राज्य और जिला स्तरीय सहकारी बैंक लिमिटेड से संबद्धता और समन्वय स्थापित करने, सहकारी समितियों को गोदाम और कार्यालय के लिए जमीन का आवंटन और अन्य मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने, लैंपस के माध्यम से जन औषधि केंद्र की स्थापना एवं संचालन, सीएससी संचालित सहकारी समितियों में झारसेवा की सुविधा उपलब्ध कराने, वर्ल्ड लार्जेस्ट ग्रेन स्टोरेज पायलॉट प्रोजेक्ट योजना के तहत जमीन उपलब्धता, झारखण्ड राज्य फसल राहत योजना अंतर्गत भूमि सत्यापन, सहकारी समितियों में सदस्यता वृद्धि अभियान, सहकारी समितियों के जर्जर गोदामों, भवनों का मरम्मत, पुनर्निमाण सहित अन्य विषयों के संबंध में गहनता से विचार-विमर्श किया गया। जिला सहकारिता विकास कमेटी की बैठक में अपर समाहर्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला गव्य पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, डीडीएम नाबार्ड के अलावा विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

विस प्रभारी रोशन महतो को बनाये जाने की अटकलें

तमाड़ (आजाद सिपाही)। विरसा विकास समिति के तमाड़ विधानसभा प्रभारी बुंडू के रोशन महतो उर्फ प्रदीप महतो को बनाये जाने की अटकलें लगायी जा रही है। पिछले दिनों रोशन महतो कांग्रेस पार्टी छोड़ कर विरसा विकास समिति के महासचिव पुर्व विधायक व मंत्री गोपाल कृष्ण पातर उर्फ राजा पीटर के सामने योगदान दिया था पीटर ने माला पहनाकर स्वागत किया था। इस संबंध में दिल्ली से दूरभाष पर राजा पीटर ने बताया की रोशन ने कांग्रेस पार्टी के उपाध्यक्ष पद छोड़ कर मेरे साथ आकर शामिल हुए दिल्ली से आने के बाद उन्हें एक महत्वपूर्ण पद दिया जायेगा जिससे मान सम्मान बनी रहें आजसू पार्टी में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि समय आने पर बताया जायेगा फिलहाल गरीब गुरूआ की सेवा गांव गांव में लोगों से मिलने जुलने में लगे हैं और समस्यावो से अवगत हो रहें है फोटो को काटकर लगाना है।

बारिश नहीं होने से किसानों की बढ़ी परेशानी

तमाड़ (आजाद सिपाही)। पूरे पांच परगना क्षेत्र में बारिश नहीं होने से किसानों में परेशानी होने लगी है 15 जुन के बाद बारिश होती है। लेकिन इस वर्ष 28 जुन तक बरसाती पानी नहीं हुई, जिससे खेती 15 दिन पिछे चली गयी, जिससे किसानों में उदासी छाई हुई है। आसमान में बादल छाए हुए रहते हैं, लेकिन पानी नहीं बरस रही है। किसान टकटकी निगाहें से आसमान की तरफ रोज देखते हैं, लेकिन उनके अरमानों पर पानी फिर जा रहा है। खेत जोत कोड कर रख रहे हैं। कुछ किसान बीज भी डाल रहे हैं, लेकिन पानी की बेरुखी ने इन्हें उदास कर दिया है भीषण गर्मी व कड़ी धूप में किसान खेत पर नहीं जा पा रहे हैं, एक पानी का इंतजार है गुगल व अखबार में आज बारिश होगी खबर छप रहा है, लेकिन यह भी झूठा साबित हो रहा है। अब अचानक बारिश होने पर भी काफी दिक्कत होगी खेत को जल्दी बनना भी कठिन साबित होगा। इस भीषण गर्मी में लोगों का घर से बाहर निकलना नासूर बन गया है। पीने के पानी के कई जगह लाले पड़ गये हैं।

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के जेल से रिहा होने पर झामुमो कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। थाना अंतर्गत मिलन चौक में शुक्रवार शाम को झारखंड सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का उच्च न्यायालय से बेल मिलने के बाद झामुमो कार्यकर्ताओं के द्वारा जमकर अतिशबाजी किया गया। कार्यकर्ता एक दूसरे से अबीर गुलाल लगाकर तथा लड्डू खिलाकर जश्न मनाया। वरिष्ठ झामुमो नेता रामप्रसाद महतो ने बताया कि केंद्र सरकार के द्वारा साजिश के तहत पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बिना किसी ठोस कारण से जेल में डाला गया था, केंद्र सरकार चाहती थी कि विधानसभा चुनाव तक जेल में ही रहे,परंतु सही समय पर उच्च न्यायालय के द्वारा सही फैसला सुनाया गया और सत्य की जीत हुई। मौके पर पूर्व मुखिया पंचानन पातर, अघोर प्रसाद महतो, हरेंद्र नाथ महतो, भीष्म देव महतो, रामबिलास महतो, बलराम महतो आदि उपस्थित थे।

खलारी पंचायत में नि:शुल्क पौधों का वितरण

खलारी (आजाद सिपाही)। पेड़ पौधा लगाओ जीवन बचाओ अभियान के तहत शुक्रवार को देवेंद्र बाबु सेवा संस्थान और अंबेडकर विचार मंच के सौजन्य से हुटाप पंचायत के खलारी बाजारटांड़ और खलारी पंचायत के जेहलीटाँड़ में नि:षुल्क पौधों का वितरण और रोपण किया गया। दोनों ही जगहों पर मौजुद ग्रामीणों के बीच संस्थान की ओर से फलदार वृक्षों के दौ सौ पौधों का वितरण हुआ। इस अवसर पर राजन सिंह राजा, इंदिरा देवी, राजेश सिंह मिंटू, तनवीर आलम, मोनू रजक, रवीन्द्रनाथ चैधरी, विनोद सिंह, शेर खान, फिरोज अंसारी, सुल्तान अंसारी, ललन सिंह, गुलजार अहमद, इकबाल खान, तालिब अंसारी, लव सिंह, आर.के.यादव, अदनान सामी, युसूफ सलमान, फरहान अख्तर, शाहबाज खान, अफसाना खातून, हसीना खातून, शाहजहां परवीन, नुरजहा परवीन, रवि उरांव, सुरज मुंडा, कैलाश मुंडा, सुनील गंझू, विजय तुरी आदि लोग उपस्थित थे।

मारुति इको वैन और मोटरसाइकल में टक्कर, दो घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र के मोहननगर के समीप डकरा खलारी मुख्य मार्ग में शुक्रवार की सुबह में मारुति इको वैन और मोटरसाइकल में हुई भीषण टक्कर। घटना में मोटरसाइकिल सवार मोहननगर निवासी कुंदन नोनिया और सुनील कुमार चैहान गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार डकरा की ओर से तेज गति से आ रही मारुति इको वैन नंबर (जेएच 01 एफसी 0687द्ध जैसे ही मोहननगर बस स्टॉप के पास पहुंची, इसी दौरान मोहननगर कॉलोनी से हीरो पैशन मोटरसाइकिल नंबर (जेएच 01 एडी 6974) पर सवार हो कर निकल रहे कुंदन नोनिया और सुनील कुमार चैहान की जोरदार टक्कर हो गयी। वहीं घटना में मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को डकरा स्थित सेंट्रल अस्पताल ले जाया गया। जहां उनका प्राथमिक उपचार करने के बाद दोनों की गंभीर स्थति को देखते हुए चिकित्सकों ने रांची रेफर कर दिया। वहीं घटना की सुचना मिलने पर खलारी पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और इको वैन चालक आकाश गंझू और दोनों क्षतिग्रस्त वाहन को अपने साथ थाना ले गयी। इधर समाचार लिखे जाने तक दोनों का इलाज रांची स्थित पल्स हॉस्पिटल में चल रहा था।

बिजली कनेक्शन देने के लिए अनियमितता की शिकायत मिल रही है

तमाड़ (आजाद सिपाही)। बुंडू बिजली विभाग द्वारा नये बिजली कनेक्शन देने के लिए बड़े पैमाने पर अनियमितता की शिकायत मिल रही है बिना जांच किए बिना ही कनेक्शन दिया जा रहा है। जमीन का स्थल निरीक्षण नहीं करके अवैध रकम लेकर दिया जा रहा है। सरकारी जमीन पर दुसरा जमीन का रसीद देकर लोगो को कनेक्शन दिया जा रहा है। सड़क के किनारे गुमटी व झोपड़ी में भी बिजली का कनेक्शन देकर बिजली जलाया जा रहा है। अवैध बिजली भी जलाये जा रहे हैं। इसकी छापामारी विभाग द्वारा नहीं की जा रही है और न किसी पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

20 किसानों के बीच मूंगफली बीज का वितरण

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिले में तेलहन फसलों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा संचालित खाद्य एवं पोषण सुरक्षा (तेलहन) योजना के तहत शुक्रवार को बीज वितरण का कार्य तोरपा प्रखंड में प्रारंभ हुआ। तोरपा के प्रखंड प्रमुख और उप प्रमुख संतोष कुमार एवं अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में शुक्रवार को 20 किसानों के बीच मूंगफली का बीज वितरित किये गये। सहायक तकनीकी प्रबंधक खूंटी अंजना सुरीन ने बताया कि तोरपा प्रखंड के 20 किसानों के बीच खाद्य एवं पोषण सुरक्षा (तेलहन) योजना के तहत प्रमाणित मूंगफली बीज प्रभेद जीआइआरआइएनएआर-4-एनएससी का वितरण ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी के माध्यम से किया गया।

एनके महाप्रबंधक ने केडीएच खदान विस्तारीकरण कार्य का किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

जामुनदोहर में खदान कार्य का निरीक्षण करते महाप्रबंधक।

खलारी। केडीएच खदान विस्तारीकरण कार्य का शुक्रवार को एनके महाप्रबंधक सुजीत कुमार ने जामुनदोहर बस्ती पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ केडीएच परियोजना पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी भी थे। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने जामुनदोहर बस्ती की जमीन पर खदान विस्तारीकरण के कार्य प्रगति को देखा। साथ ही उन्होने उत्पादन कार्य हेतु सभी आवश्यक कदम सुनिश्चित करने के लिए दिषा निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने आशा जताया कि यहां उत्पादन शुरू होने के साथ ही केडीएच अपने पुराने गौरव को पुनः स्थापित करेगा। इस दौरान मैनेजर राघवेंद्र गांधी, आलोक कुमार सिंह, प्रेम कुमार सिंह, मुकेश कुमार, सुनील कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

ओम बिरला के लोकसभा स्पीकर बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

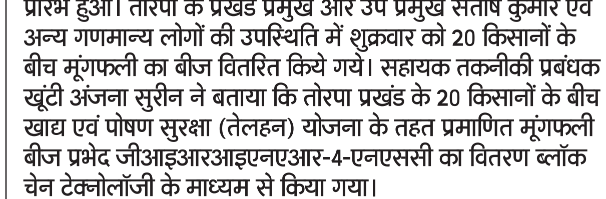

पिपरवार (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी पिपरवार मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा के नेतृत्व में कोटा के लोकप्रिय सांसद ओम बिरला को 18वी लोकसभा मे स्पीकर चयनित होने पर एंव हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और चतरा सांसद कालीचरण सिंह द्वारा लोकसभा का सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण करने पर जश्न मनाते हुए बधाई दी गयी। इस दौरान मंडल अध्यक्ष श्री मिश्रा ने कहा कि ओम बिरला का लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होना निश्चित रूप से देश के लिए गौरव का क्षण है। आने वाले दिनों में भी लोकतंत्र की खूबसूरत तस्वीर देखने को मिलेगी। इस मौके पर भाजपा पिपरवार मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा, टंडवा प्रमुख रीना कुमारी,जिला मंत्री रीना देवी,महिला मोर्चा अध्यक्ष माधुरी देवी, अरूण उरांव,रविंद्र सिंह, श्रीवास्तव उरांव, महावीर उरांव,राज भोगता,अनिल उरांव, शालिग्राम सिंह, अंजली सिंह, देवंती देवी, अमित शर्मा, निशांत राज,संजय भोगता, रंका टाना भगत, संगीत टाना भगत सहित कई लोग उपस्थित थे।

पीएलएफआइ के एरिया कमांडर तूफान सहित दो नक्सली गिरफ्तार

चार सौ जिंदा कारतूस बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर गठित छापामार टीम ने गुरुवार को रनिया थाना क्षेत्र के गढ़सीदम के जंगली क्षेत्र में छापामारी अभियान चला कर एक बाइक पर सवार प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआई के दो उग्रवादियों को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार उग्रवादियों में संगठन का नवनियुक्त एरिया कमांडर आंद्रियास कंडुलना उर्फ तूफान (23 वर्ष) और बंदगांव थानांतर्गत ग्राम गंजना जुराटोली गांव निवासी निमुस कंडीर उर्फ मास्टर (27 वर्ष) शामिल हैं। तूफान पश्चिम सिंहभूम जिले के गुदड़ी थानांतर्गत ओलमोकोद गांव का रहने वाला हे। उनके पास से पुलिस ने एक देसी पिस्टल, जिसकी मैगजीन में चार कारतूस लोड था और संगठन का पर्चा बरामद किया। बाद में गिरफ्तार निमुस कंडीर उर्फ मास्टर की निशानदेही पर पुलिस ने हारता जंगल में एक पेड़ के नीचे जमीन पर गड्ढा खोदकर वहां छिपाये गये संगठन के लगभग चार सौ कारतूस, सात मोबाइल और कीपैड बरामद किया। जंगल से बरामद गोलियों में 5.56 एमएम के 383 कारतूस, और पॉइंट .315 एमएम की 15 गोलियां हैं। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। एसपी ने बताया कि गुरुवार को उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई का नवनियुक्त एरिया कमांडर तूफान अपने सहयोगी के साथ ठेकेदारों से लेवी वसूलने और क्षेत्र में संगठन कें विस्तार के उद्देश्य से रनिया के गढ़सीदम जंगली क्षेत्र में आनेवाला है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए तोरपा कें एसडीपीओ ख्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में छापामार टीम का गठन किया गया। छापामार टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए बताये गये स्थल की घेराबंदी कर ली गयी। जैसे ही एक बाइक पर सवार उक्त दोनों नक्सली वहां पहुंचे, उन्हें दबोच लिया गया। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आंद्रियास कंडुलना उर्फ तूफान के विरुद्ध पश्चिम सिंहभूम जिले के बंदगांव और टेबो थाने में उग्रवादी घटनाओं से संबंधित दो मामले दर्ज हैं। इन मामलों में गिरफ्तार होकर वह चाईबासा जेल भी जा चुका है। जेल से वर्ष 2023 में जमानत पर बाहर निकलने के बाद वह फिर से नक्सली गतिविधियों में सक्रिय हो गया। इधर क्षेत्र में सक्रिय अधिकांश पीएलएफआई नक्सलियों की ताबड़तोड़ गिरफ्तारी और कुछ नक्सलियों के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने के बाद कमजोर पड़ चुके पीएलएफआई संगठन को नई धार देने के लिए आंद्रियास कंडुलना को संगठन का एरिया कमांडर बनाकर उसे संगठन का विस्तार करने, भय का माहौल बनाने और लेवी वसूलने की जिम्मेवारी सौंपी गयी थी, लेकिन वह कोई बड़ी घटना को अंजाम दे पाता, उससे पहले ही वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

विद्या विहार पब्लिक स्कूल का शिक्षक है गिरफ्तार निमस कंडीर

नवनियुक्त एरिया कमांडर तूफान के साथ गिरफ्तार निमुस कंडीर उर्फ मास्टर के बारे में एसपी ने बताया कि वह पिछले तीन वर्षों से बंदगांव के बड़ाकेसल गांव में संचालित संगठन द्वारा विद्या विहार पब्लिक स्कूल में शिक्षक है। वह स्कूल में बच्चों को गणित और अंग्रेजी पढ़ाता है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अमुस कंडीर उर्फ मास्टर संगठन का मुख्य मास्टरमाइंड है। वह सफेदपोश की तरह रहकर संगठन के कार्यों की देखरेख करता है। एसपी ने बताया कि पूर्व में भी कई मामलों में उक्त मास्टर का नाम सामने आया था। उससे कई मामलों में पूछताछ भी की गयी थी, लेकिन साक्ष्य के अभाव में अब तक वह पुलिस की गिरफ्त में नहीं आया था। पहली बार नवनियुक्त एरिया कमांडर के साथ पकड़े जाने के बाद उसी की निशानदेही पर पुलिस ने जंगल से बड़ी मात्रा में संगठन के कारतूस बरामद किये है, जो पुलिस के लिए बड़ी सफलता है। छापामार टीम में तोरपा एसडीपीओ के अलावा तोरपा के पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, रनिया के थाना प्रभारी विकास कुमार जयसवाल, रनिया थाना के एसआइ ओम प्रकाश राय, एसआइ अमित कुमार, एसआइ टीनू कुमार, हवलदार रमेश भगत सहित अन्य आरक्षी एवं जवान शामिल थे।

एनके एरिया में मजदूरों के बीच व्याप्त समस्याओं को रखा गया

खलारी (आजाद सिपाही)। बिहार कोलियरी कामगार यूनियन (सीटू) की सीसीएल रीजनल कमेटी की बैठक गिद्दी-सी वाशरी कॉलोनी स्थित यूनियन ऑफिस में हुई। जिसकी अध्यक्षता कांमरेड बसंत कुमार ने की। बैठक में बीसीकेयू के केंद्रीय अध्यक्ष मिथलेश सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे। बीसीकेयू के जोनल अध्यक्ष रतिया गंझू एवं एन,के एरिया अध्यक्ष इरफान खान ने एन,के एरिया में मजदूरों के बीच व्याप्त समस्याओं को रखा। कहा कि एनके एरिया प्रबंधन कामगारों का कोई काम नहीं कर रही है। मजदूरों की समस्याओं को लेकर एक मांग पत्र पुर्व में दिया गया था लेकिन एक साल से अधिक समय बीत जाने बाद भी आज तक एजेंडा मीटिंग नहीं हुई है। प्रबंधन किसी भी समस्याओं को हल नहीं करना चाहती है।

घायल बच्चे का इलाज कराये सरकार : आरती

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर एवं एसटी मोर्चा की प्रदेश नेत्री अंजली लकड़ा ने शुक्रवार को हहाप पंचायत के सरवल में पुलिस गाड़ी से घायल बच्चे के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सरकार से पुलिस गाड़ी से घायल बच्चे का इलाज कराने की मांग की। बतातें चलें कि हहाप पंचायत में बम की सूचना पर पहुंची पुलिस के वाहन के समक्ष आ जाने से हहाप निवासी सूरज नायक का पुत्र समीर नायक घायल हो गया था। जिसके बाद पुलिस ने समीर को गंभीर अवस्था में देखते हुए रांची के रिम्स अस्पताल में भर्ती कर छोड़ दिया था।

विधवा पेंशन के लिए दर-दर भटक रही महिला को मिला पूर्व डीडीसी का आश्वासन

बेड़ो (आजाद सिपाही)। लापुंग प्रखंड के ककरिया गांव निवासी कमला कुमारी से मिलने शुक्रवार को पूर्व डीडीसी सह समाजसेवी डॉ परमेश्वर भगत उसके घर पहुंचे थे। जिन्हें देखकर महिला रो पड़ी। गौरतलब हो कि कमला कुमारी के पति का निधन हुए एक वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन उसे अब तक विधवा पेंशन नहीं मिला है। इसके लिए पिछले एक साल से अंचल का चक्कर लगा रही है पर आज तक पेंशन नहीं मिल पाया। पेंशन नहीं मिलने से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है, लेकिन महिला पीड़ा को सुनने वाला कोई नहीं है। उसका घर भी ढह चुका है लेकिन अबुआ आवास नहीं मिला है। आवास नहीं रहने से महिला टूटे-फूटे घर में रहने को विवश है। इधर, डॉ परमेश्वर भगत ने कमला की आपबीती सुनने के बाद लापुंग बीडीओ से अनुरोध किया कि महिला का पेंशन यथाशीघ्र स्वीकृत किया जाए। साथ ही अबुआ आवास भी दिया जाये।

मंदिर का दरवाजा तोड़ कर दानपेटी से रुपये चोरी, हरकत सीसीटीवी में हुई कैद

रातू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के पाली ग्राम में शिव मंदिर परिसर में अवस्थित मां काली मंदिर का दरवाजा तोड़कर गुरुवार की रात तीन अज्ञात चोरों ने दानपेटी की चोरी कर ली। ग्रामीणों ने बताया कि चोरी की सूचना शुक्रवार की सुबह में ही रातू थाने को दे दी गई। इसकी सूचना पर थाना प्रभारी शशिभूषण चौधरी घटना स्थल पहुंचे व जांच पड़ताल की। मंदिर के प्रधान पुजारी राम अवतार तिवारी ने बताया कि गुरुवार की रात 10 बजे तीन लोग मंदिर परिसर में आए थे। वे तीनों आपस में बातचीत कर वापस चले गए। पुनः थोड़ी देर बाद वे तीनों आए और चोरी की घटना को अंजाम दिया। पूरा घटनाक्रम मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी है। शुक्रवार की सुबह जब ग्रामीणों को चोरी की जानकारी हुई तो दानपेटी की खोज शुरू हुई। मंदिर से कुछ दूरी पर ग्रामीणों को टूटा हुआ दानपेटी मिला। जिससे रुपए गायब थे।

हर घर नल जल योजना में अनियमितता उपमुखिया और ग्रामीणों ने जताया विरोध

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। प्रखंड में सरकार की ओ्र से चलाई जा रही हर घर नल जल योजना में वेंडर कनीय अभियंता के साथ मिल कर खेल किया जा रहा है। प्रखंड के लगभग सभी पंचायतों के घरों में नल तो लगा पर जल नहीं पहुंचा है। ओरमांझी प्रखंड के जितने भी पंचायत में योजनायें चल रही है पैसे का खूब बंदर बांट किया गया है। गगारी के छपर टोला में जेइ प्रभु शंकर राम के कार्यकाल में बोरिंग हुआ, जल मीनार भी बना 2000 लीटर का टंकी भी लगा। समर सिबल मशीन भी लगा, लेकिन बोरिंग से पानी निकाल ही नहीं। पर बिल जरूर निकल गया। वर्तमान में जेइ और वेंडर ने मिलकर फिर से उसी जगह बोरिंग करा दिया। ऐसे बहुत सारे भ्रष्टाचार हुए हैं। बहुत दिनों के बाद पालू के ग्रामीणों ने हर नल जल योजना में चल रही अनियमितता के विरोध में आवाज उठाना शुरू कर दिया है. चुटूपालू उप मुखिया राज किशोर साहू ने ग्रामीणों के साथ सरकार तक आवाज पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। कहा कि पालू में वेंडर ने हद कर दी है। पुराने चापानलों में ही बोरिंग मशीन लगा दिया गया। उप मुखिया अनियमितता की शिकायत के लिए वेंडर की तलाश कर रहे हैं पर वेंडर गांव के ही लोग को काम देकर नदारद हैं। इस बाबद आजाद सिपाही के पत्रकार ने जेइ और वेंडर पर लग रहे आरोप के लिए संपर्क करने का प्रयास किया, तो उनका नंबर उपलब्ध नहीं हो पाने के कारण संपर्क नहीं हो सका। उप मुखिया ने सरकार से हर घर नल जल योजना के प्रारंभ से अब तक चल रहे अनियमितता की गहन जांच करने की मांग की है।

मेगा रिटेल एक्सपो का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। ग्राहकों की खुदरा ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, रांची द्वारा अंचल कार्यालय, रांची के मार्गदर्शन में क्षेत्रीय कार्यालय रांची द्वारा शुक्रवार को पूर्वाह्न 10 बजे से श्यामली कॉलोनी में मेगा रिटेल एक्सपो का आयोजन किया गया। मेगा रिटेल एक्सपो कार्यक्रम का उदघाटन राजकुमार सिन्हा, मुख्य महाप्रबंधक-वित्तपोषण, सेल, आलोक कुमार, क्षेत्र प्रमुख, शशिकांत, उप-अंचल प्रमुख, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने किया। रिटेल एक्सपो कार्यक्रम का सफलतम आयोजन यूनियन बैंक ऑफ इंडिया उप-क्षेत्र प्रमुख विभाष कुमार व नीरज कंधवे के संरक्षण में किया गया। इस कार्यक्रम में रांची के प्रतिष्ठित बिल्डरों एवं कार डीलरों को बैंक के विभिन्न ग्राहकों को खुदरा ऋण का लाभ प्रदत करने के उद्देश्य से आमंत्रित किया गया। एक्सपो में सभी ग्राहकों को न्यूनतम ब्याज दर, त्वरित मंजूरी, बिना प्री क्लोजार चार्ज तथा और भी अन्य सुविधाओं सहित रिटेल लाभ प्रदान किये गये। कार्यक्रम में कुल 22 करोड़ के खुदरा ऋण की मंजूरी प्रदान की गयी, जिसमें से 7.50 करोड़ रुपये की त्वरित मंजूरी प्रदान की गयी। कार्यक्रम को सफल बनाने में यूनियन बैंक के विपणन अधिकारियों एवं शाखा प्रमुखों की अहम योगदान रहा।

पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान में 172 वादों को सुलझाया गया

वादों के निस्तारण में मध्यस्थों व अधिवक्ताओं की भूमिका अहम

विशेष मध्यस्थता अभियान का हुआ समापन

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायामूर्ति सह झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष सुजित नारायण प्रसाद के निर्देश और न्यायायुक्त सह डालसा अध्यक्ष के मार्गदर्शन में रांची व्यवहार न्यायालय में आयोजित पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान का शुक्रवार को समापन हो गया। बतातें चलें कि विशेष मध्यस्थता अभियान के अंतिम दिन कुल 39 मामले विभिन्न न्यायालय से स्थानांतरित होकर मध्यस्थता केंद्र रांची में आये थे। इनमें से कुल 37 मामलों को सुलझाने में सफलता मिली। प्रथम दिन कुल 30, दूसरे दिन 17, तीसरे दिन 47, चौथे दिन 41 एवं अंतिम दिन शुक्रवार को 37 वादों को मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाने में सफलता मिली। वादों के निस्तारण में रांची व्यवहार न्यायालय के मध्यस्थों व अधिवक्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मालूम हो कि शुक्रवार को मध्यस्थता के माध्यम से वाद संख्या ओएम 47/2021 जो अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश-1, कुटुंब न्यायालय-1 के यहां से मध्यस्थता केंद्र में आया था। उक्त वाद को सुलझाने में अधिवक्ता मध्यस्थ गोकुलचंद्र एवं श्यामल बरन दास और एनके चटर्जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस वाद में सूचिका प्रियंका जयसवाल जब गर्भवती थी तो उस वक्त उसके ससुरालवालों ने उसे घर से निकाल दिया था। विवाहित प्रियंका से एक बच्ची भी हुई थी, जिसका नाम काव्या कुमारी (6) है। बच्ची जन्म से ही अपने मामा के घर रह रही है। इसी मामले को लेकर प्रियंका जयसवाल ने अपना और अपनी बच्ची के लिए भरण-पोषण वाद सिविल कोर्ट में अपने पति टिंकू जयसवाल के खिलाफ दायर किया था। दोनों पक्षों में मध्यस्थता के दौरान यह समझौता हुआ कि टिंकू जयसवाल अपनी पत्नी और बच्ची को इज्जत के साथ अपने घर रामगढ़ लेकर जायेंगे और मान-सम्मान उचित देखभाल करते हुए रखेंगे। इसी मामले से संबंधित पूर्व में दायर शिकायतवाद 1618/2019 जो अर्चना मिश्रा न्यायिक दंडाधिकारी- 25 के यहां से मध्यस्थता केंद्र में आया था, इसे भी सुलझा लिया गया। उक्त वाद को सुलझाने में अधिवक्ता मध्यस्थ गोकुलचंद्र, श्यामल बरन दास एवं एनके चटर्जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस वाद में दोनों पक्षों के बीच सुलह हो जाने पर डालसा सचिव कमलेश बेहरा ने दोनों पक्षों को बधाई दी।

विशेष मध्यस्थता अभियान में शामिल न्यायाधीश, अधिवक्ता व अन्य।

सुभाष मुंडा के अन्य हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर माकपा कार्यकर्ताओं ने किया नगड़ी थाना का घेराव

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। माकपा नेता सुभाष मुंडा के अन्य हत्यारों की गिरफ्तारी और फॉरेंसिक रिपोर्ट जारी करने सहित चार सूत्री मांगों को लेकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की नगड़ी लोकल कमेटी के तत्वाधान में शुक्रवार को सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने नगड़ी थाना का घेराव करते हुए जमकर प्रदर्शन किया। बतातें चलें कि माकपा नेता सुभाष मुंडा की हत्या साल 2023 के 26 जुलाई को गोली मारकर कर दी गई थी। एसआईटी जांच के बाद कई आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था। जो अभी भी जेल में बंद है। जबकि कई अभी भी फरार हैं। उन्हीं की गिरफ्तारी की मांग को लेकर इस दिन नारो बाजार टांड़ से माकपाइयों ने जुलूस निकाला, जो बाजार चौक होते हुए नगड़ी थाना पहुंचा। जहां कार्यकर्ताओं ने थाना का घेराव कर प्रर्दशन किया। जुलूस में सुभाष मुंडा के बाकी हत्यारों व शूटरों को अविलम्ब गिरफ्तार करो, फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट कोर्ट में समर्पित करो, हत्यारों से सांठ गांठ करने वाले जांच अधिकारी को बर्खास्त करो आदि नारे लगा रहे थे। थाना परिसर के घेराव कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन नगड़ी लोकल कमेटी के सचिव और प्रखंड प्रमुख मदुवा कच्छप ने किया। मौके पर पार्टी के राज्य सचिव मंडल सदस्य संजय पासवान, जिला सचिव सुखनाथ लोहरा, प्रभारी प्रकाश टोप्पो, सुभाष मुंडा की पत्नी डॉ कीर्ति सिंह मुंडा, ललित मुंडा, छोटन देवी, भीखन देवी, अमित मुंडा, बिरसा मुंडा, नीमा तिर्की, कपिल महतो, बुधराम उरांव, मंगेश्वर टाना भगत, सम्मीउल्ला मंसूरी, अशोक मिंज, राजू मुंडा, शंकर उरांव, अमर उरांव ने संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रदीप महतो ने किया। दूसरी ओर, डीजीपी और वरीय पुलिस अधीक्षक रांची को संबोधित 4 सूत्री मांग पत्र इंस्पेक्टर महेश्वर प्रसाद रंजन और नगड़ी थाना के एसआई दयानंद यादव को सौंपा गया। जिसमें सुभाष हत्याकांड की तेजी से जांच व सभी अपराधियों को जल्द से जल्द सजा दिलाने, उपरोक्त केस की जांच अधिकारी द्वारा आरोपियों को मदद पहुंचाने के कारण उसे बर्खास्त करने, हत्याकांड के फरार दो शुटरों को अविलंब गिरफ्तार करने आदि शामिल है। इस पर नगड़ी थाना के इंस्पेक्टर महेश्वर प्रसाद रंजन ने कहा कि पुलिस लोगों के साथ खड़ी है। पुलिस जल्द ही बाकि के हत्यारों को गिरफ्तार कर मामला का निष्पादन करने का प्रयास करेंगी। मौके पर सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

नगरी थाना का घेराव एवं धरना प्रदर्शन करते माकपा के कार्यकर्ता।

साइबर ठग ने एटीएम कार्ड बदल कर निकाले 14,500 रुपये

भुक्तभोगी ने रातू थाने में दर्ज करायी प्राथमिकी, जांच शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) रवि स्टील में एटीएम पर मदद करने के बहाने एक व्यक्ति का एटीएम कार्ड बदल कर साइबर ठगों ने उसके खाते से 14,500 रुपये निकाल लिए और फरार हो गये। भुक्तभोगी ने रातू थाने में साइबर ठग के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराया है। भुक्तभोगी सुरेंद्र करमाली बुढ़मू थाना क्षेत्र के हिन्दगीर का रहने वाला है। भारतीय स्टेट बैंक पतरातू में उसका खाता है। 17 जून को वह रवि स्टील स्थित पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम से रुपये निकाल रहा था। इस दौरान कार्ड एटीएम में ही फंस गया। बगल में खड़े एक व्यक्ति ने मदद के बहाने उसका एटीएम कार्ड बदलकर किसी महेश्वर महतो के नाम का कार्ड थमा दिया। भुक्तभोगी जब तक कुछ समझते ठग वहां से फरार हो चुका था। कुछ देर बाद भुक्तभोगी के मोबाइल पर 14,500 रुपये के निकासी का एसएम आया तो उसे ठगे जाने का एहसास हुआ। जब वह कार्ड निकाल कर देखा तो कार्ड किसी महेश्वर महतो का था। मामले को लेकर भुक्तभोगी ने साइबर ठग के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराया है। पुलिस सिसिटीवी फुटेज के जरिये ठग की पहचान में जुट गई है। इधर, पंजाब नेशनल बैंक के शाखा प्रबंधक अर्चना टोप्पो ने बताया कि बैंक के बाहरी कक्ष में लगा बैंक के एटीएम में छेड़छाड़ किया गया है । मामले को लेकर पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधक ने भी रातू थाने में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

जनमुद्दों को लेकर प्रखंड मुख्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन

ब्लॉक में अफसरशाही हावी: पारसनाथ उरांव

प्रखंड में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आजसू की हुंकार

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। प्रखंड सह अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं प्रशासनिक उदासीनता के खिलाफ शुक्रवार को आजसू कार्यकर्ताओं नें प्रखंड मुख्यालय के समक्ष धरना प्रर्दशन किया। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष जगरनाथ महतो और संचालन धर्मेन्द्र सिंह ने किया। इससे पहले डाक बंगला से जुलूस की शक्ल में सैकड़ों कार्यकर्ता प्रखंड मुख्यालय पहुंचे और मुख्य द्वार को घेरकर धरना पर बैठ गए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बीडीओ और सीओ के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आजसू के केंद्रीय सचिव पारसनाथ उरांव ने कहा कि विगत दिनों आई तेज आंधी तुफान में सैकड़ों गरीबों का आशियाना उजड़ गया। पर आज तक स्थानीय अधिकारियों नें उनकी सुधि लेने की कोशिश की। आज तक उन्हें मुआवजा नहीं मिला। कहा कि ब्लॉक में अफसरशाही हावी है। अंचल और प्रखंड कार्यालय में लूट मचा हुआ है। वगैर चढ़ावा के गरीब जनता की समस्याओं का सामाधान नहीं हो रहा है। वहीं अंचल कार्यालय में जमीन माफिया और प्रखंड कार्यालय में बिचैलिए पूरी तरह से हावी हो गए हैं। उन्होंने कहा कि जल्द समस्याओं का सामाधान नहीं हुआ तो आजसू अधिकारियों के खिलाफ उग्र आंदोलन शुरू करेगी। वहीं, केंद्रीय सचिव राजेन्द्र शाही मुण्डा ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आजसू की लड़ाई जारी रहेगी। महिला अध्यक्ष वीणा देवी ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ बढ़ रहे अपराध के खिलाफ आजसू जोरदार आंदोलन करने की तैयारी कर रही है। कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में महिलाएं ही जनादेश तय करेंगी। बाद में बीडीओ जयपाल सोय को विभिन्न मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय सचिव जितेन्द्र सिंह, युवा नेता आतिश महतो, रोशनलाल मुण्डा, विनोद वर्णवाल, ज्योतिष महतो, अजीत महतो, योगेन्द्र महतो, राजेश पाहन, भुनेश्वर बेदिया, जगदीश भोगता, दिलीप बेदिया, महाबीर महतो, पप्पु अंसारी, शंकर मुण्डा, संजय महतो, किरण देवी, प्रकाश सिंह, निर्मल देवी, दिलीप पाहन, कार्तिक सिंह, बालेश्वर सिंह, जयशंकर पाहन, जैलेन्द्र मुण्डा, कन्हैया केसरी, अनुज महतो, संगीता देवी, अर्जुन राम, रंथु मुण्डा, शंभु सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

जेल से बाहर निकले हेमंत सोरेन से मिले जावेद अख्तर अंसारी और सुरेश बैठा

कांके (आजाद सिपाही)। प्रखंड के झामुमो अध्यक्ष जावेद अख्तर अंसारी ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कोर्ट से जमानत मिलने के बाद घर आने पर उनसे मुलाकात कर खुशी जाहिर की है। साथ ही कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर खुशियां मनाई। जावेद अख्तर अंसारी ने कहा कि हेमंत दादा के घर लौटने पर झामुमो कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। हेमंत सोरेन झारखंड के कर्मठ योद्धा है। जमानत मिल जाने से अब राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा और मजबूती के साथ आगे बढेगा। उन्होंने कहा कि अब पार्टी राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव की तैयारी में लगेगी। उधर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सुरेश कुमार बैठा ने भी पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर इन्हें घर लौटने पर बधाई दी। कहा कि हेमन्त सोरेन के आने से महागठबंधन मजबूत होगा। आने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी व जनता को इसका फायदा मिलेगा।

बेड़ो से चोरी की दो बाइक बरामद

बेड़ो (आजाद सिपाही)। बेड़ो पुलिस ने गुरुवार की रात में वाहन जांच अभियान के दौरान अलग-अलग थाना क्षेत्र से चोरी हुई दो बाइक को बरामद किया है। घटना को लेकर बेड़ो थाना प्रभारी नकुल शाह ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गुरुवार की रात को वाहन जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान रात करीब 11 बजे रांची की ओर से दो बाइक गुमला की ओर जा रही थी। तभी बेड़ो थाना प्रभारी नकुल शाह को बाइक सवारों पर शक हुआ और वे बाइक सवार को रुकने का इशारा किया, पर वे भागने लगे। इसके बाद सशस्त्र बल के साथ बाइक सवार का पीछा किया तो एक बाइक पर सवार दो युवक पूजा तेतरटोली के समीप अपने बाइक को खड़ा कर अंधेरा का फायदा उठाकर भाग निकले। वहीं दूसरी बाइक सवार को भी पुलिस ने पीछा करते हुए केशा मोड़ से पुरियो की ओर पीछा किए लेकिन उक्त बाइक पर सवार तीन युवक भी अंधेरा का फायदा उठाकर बाइक खड़ा कर अलग-अलग दिशा में भाग निकले। बेड़ो पुलिस ने बरामद दोनों बाइक की मिलान करते हुए बताया कि बरामद दोनों बाइक में से एक पूर्व में मांडर थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी।

उग्रवादियों के खिलाफ चलाया सर्च अभियान

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। ठाकुरगांव पुलिस ने गुरुवार को थाना क्षेत्र में उग्रवादियों के खिलाफ सर्च अभियान चलाया। इस दौरान थाना प्रभारी विनीत कुमार के नेतृत्व में एसएसबी की टीम और सुरक्षा बलों ने बगदा, बेंती, मुरेठा, मेड़ी और पतरातू आदि गांवों के जंगलों में सघन अभियान चलाया। विदित हो कि कि दो दिन पहले ठाकुरगांव के करंजुआ टोली में उग्रवादियों ने हवाई फायरिंग किया था। थाना प्रभारी विनीत कुमार ने कहा कि भविष्य में भी उग्रवादियों के विरुद्ध अभियान चलाया जाएगा।

श्री जोड़ा मंदिर का वार्षिकोत्सव 9 जुलाई को

नामकुम (आजाद सिपाही)। पुरुलिया रोड स्थित श्री जोड़ा मंदिर नामकुम का वार्षिकोत्सव 9 जुलाई को मनाया जाएगा। दो दिवसीय महोत्सव में कई अनुष्ठान होंगे। मंदिर के अध्यक्ष राजकुमार सिंह ने आजाद सिपाही से बात करते हुए बताया कि 9 जुलाई को मंदिर के वार्षिकोत्सव पर सुबह साढ़े छह बजे 101 महिलाओं द्वारा मंदिर प्रांगण से सिपाही नदी तक कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद सुबह 9 बजे से 24 घंटे का रामायण पाठ होगा। वहीं, 10 जुलाई को सुबह 9 बजे सुंदरकांड, पूजा, हवन आरती के बाद दोपहर 2 बजे से मंदिर प्रांगण में भव्य भंडारा एवं शाम 4 बजे भजन का आयोजन होगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष राजकुमार सिंह, सचिव जानकी साव केसरी, शशि सिंह, प्रमोद केसरी, पिंटू सिंह, रिंटू सिंह, दिलीप गुप्ता, अवध बिहारी सिंह, कामदेव प्रसाद, शंकर गुप्ता, श्रीराम सिंह, मनोज सिंह, मोती केसरी, अरुण प्रजापति के साथ मंदिर कमेटी के सदस्य लगे हुए है।

बोरिंग मशीन की चोरी करते युवक को ग्रामीणों ने दबोचा

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी थाना क्षेत्र के केसारो गांव में शाम 5.30 बजे बोरिंग मशीन की चोरी करते हुए एक चोर को ग्रामीणों ने रंगे हाथों पकड़ कर नगड़ी पुलिस के हवाले कर दिया। उसकी पहचान केसारो गांव के ही घसीया कच्छप उर्फ घसीया उरांव के रूप में हुई। वह गांव के ही ईशु कच्छप के खेत में लगे बोरिंग मशीन की चोरी कर रहा था, तभी ग्रामीणों ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया और नगड़ी थाने को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और थाने ले आई। पूछताछ करने पर उसने गांव में ही डेढ़ महीने पहले एक और किसान के खेत से पानी मशीन चुराने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने उसके घर से पानी की एक समरसेबल मशीन भी बरामद की है।

रांची रेल मंडल के 11 रेलकर्मी सेवानिवृत्त हुए

रांची (आजाद सिपाही)। शुक्रवार को रांची रेल मंडल के 11 रेलकर्मी सेवानिवृत्त हुए। इन सभी को सेवानिवृत्त से संबंधित समस्त भुगतान किया गया। रांची रेल मंडल के सहायक कार्मिक अधिकारी आलोक कुमार राय ने सभा का संचालन किया। ऑल इंडिया रेलवे रिटायर्ड फेडरेशन, रांची के सचिव चंचल सिंह ने भी सभा को संबोधित किया। सेवानिवृत्त होने वाले रेल कर्मियों के नाम इस प्रकार हैं - रंजीत कुमार सिन्हा, सुधराम उरांव, सलोनी नाग, अनीता सिन्हा, डी सुरेश, हलयानी हेंब्रम, बिल्लू सिंह, जयप्रकाश मंडल, जे हेरेंज, श्री ललित मुंडा तथा स्वाति साहा।

जेएमफ ने 12वां स्थापना दिवस मनाया

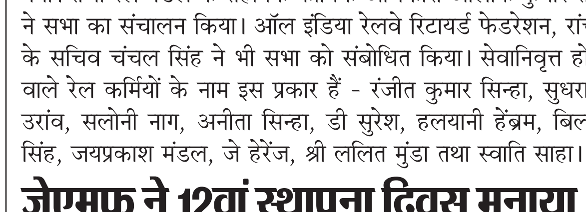

रांची (आजाद सिपाही)। किसान प्रशिक्षण केंद्र, धुर्वा, रांची में झारखंड मिल्क फेडरेशन द्वारा अपने किसानों के साथ 12वां स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मेधा डेरी के महा प्रबंधक पवन मरवाहा एवं दुग्ध संकलन प्रमुख एम गोविंदम के द्वारा किया गया। इसके बाद केक काट कर के इस कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। विगत 12 वर्षो से ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों के साथ नित नये आयाम स्थापित कर रहा है। इसी क्रम में उपस्थित दुग्ध उत्पादकों ने भी अपनी कहानी साझा की। किसानों ने बताया कि कैसे उन्होंने एक गाय से शुरुआत करते हुए 10-12 गाय के मालिक हो गये। जेएमएफ के महाप्रबंधक पवन मरवाहा ने किसानों की सराहना करते हुए कहा कि जेएमएफ परचम न सिर्फ राज्य में है बल्कि पूरे देश में अपना नाम कर चुका है। इस अवसर पर झारखंड दुग्ध महासंघ से प्रबंध निदेशक सुधीर कुमार सिंह एवं उप प्रबंध निदेशक जयदेव बिस्वास ने किसानों के काम की सराहना की।

नितिन गडकरी से मिले पलामू सांसद वीडी राम, सड़क निर्माण पर की चर्चा

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने नई दिल्ली स्थित संसद भवन में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से शिष्टाचार मुलाकात की. इस दौरान सांसद ने पुनः सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री बनने पर नितिन गडकरी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही गढ़वा बाईपास निर्माण कार्य को जल्द पूर्ण करने, राष्ट्रीय राजमार्ग 75 एवं राष्ट्रीय राजमार्ग 98 सड़क का फोरलेन निर्माण में तेजी लाने एन एच 343 गढ़वा अन्नराज घाटी के पास स्वीकृत ब्लैक स्पॉट व केंद्री सड़क अवसंरचना निधि के तहत स्वीकृत सड़कों का जल्द निर्माण कार्य पूर्ण करने से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की। सांसद ने पलामू संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत केंद्रीय अवसंरचना निधि के तहत नए सड़कों/ब्रिज के निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया है। हुसैनाबाद में देवरीकला सोन नदी पर ब्रिज निर्माण, भवनाथपुर कैलान से बिशनपुर वाया बरडीहा तक रोड निर्माण, पंसा से हैदरनगर रोड़ निर्माण, ब्रहमोरिया मोड़ से कजरूकला होते हुए दुर्गा माइंस तक रोड़ निर्माण, विश्रामपुर महुगांई ईटको मोड़ तक रोड़ निर्माण के संबंध में मंत्री ने आश्वस्त किया है कि आगामी केंद्रीय बजट स्वीकृति के उपरांत उक्त सड़कों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की जाएगी। इस पर सांसद ने कहा कि उपरोक्त सड़कों के निर्माण से जनता को आवागमन में सुविधा होगी।

पूर्व नगर अध्यक्ष ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। शहर के वार्ड नंबर 11 के भट्टि मुहल्ला में शुक्रवार को पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष शशि कुमार व पूर्व पार्षद ललिता देवी ने संयुक्त रूप से आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पूर्व नगर अध्यक्ष शशि कुमार ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बनने से छोटे-छोटे बच्चों को अब शिक्षा ग्रहण करने दूर नहीं जाना पड़ेगा। कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नौनिहालों एवं गर्भवती धात्री व किशोरियों-महिलाओं के कल्याण के लिए पोषक आहार देते हुए उनके स्वास्थ्य का जो ध्यान रखा जाता है। यह अपने आप से अतुलनीय है। बच्चों को पूरक आहार देकर केंद्र व प्रदेश की सरकार प्रदेश एवं देश से कुपोषण का समूल नाश करना चाहती है। इसके लिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह जागरूक बने और सरकार की सभी योजनाओं से अपने गांव व समाज के लोगों को लाभान्वित कराएं। मौके पर आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका सैल प्रिया, कल्लू ठाकुर, दिनेश कुमार व संतोष ठाकुर आदि मौजूद थे।

महिला की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

हमले में 14 महीने का बच्ची भी घायल, रिम्स अस्पताल में चल रहा इलाज

आजाद सिपाही संवाददाता

पकड़े गए आरोपित की जानकारी देती पुलिस।

मेदिनीनगर। पांडू प्रखंड के महूगावां ग्राम पंचायत में एक सनकी युवक ने धारदार हथियार से महिला एवं गांव के एक बच्चे पर हमला कर दिया था। इस हमले में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 14 महीने का बच्चा रांची के रिम्स अस्पताल में जिंदगी-मौत से जूझ रहा है। बताते चले की गुरुवार की शाम 7.30 बजे आशीष विश्वकर्मा उर्फ उपेंद्र विश्वकर्मा नामक युवक ने अपने ही चचेरी भाभी रेखा देवी (25) को किसी बात को लेकर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमलावर युवक सड़क पर भी लोगों को धारदार हथियार लेकर दौड़ाते देखा गया। कुछ लोग उसे देखकर इधर-उधर भागने लगे। वहीं अपने दरवाजे पर बच्चा लेकर बैठी एक महिला के बच्चा पर धारदार हथियार से वार कर दिया जिससे बच्चा भी बुरी तरह से घायल हो गया। उसकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है। बच्चा विगण साव के पोता छोटू कुमार का बताया जा रहा है। इसकी सूचना पाकर मौके पर पहुंची पांडू पुलिस ने हत्या के आरोपी आशीष विश्वकर्मा उर्फ उपेंद्र को गिरफ्तारकर कर अग्रिम कार्रवाई में जुड़ गई है। वहीं, हत्या में इस्तेमाल हथियार को भी बरामद कर लिया है। पांडू थाना प्रभारी का कहना हैं की हत्या के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया हैं।

आज टाउन हॉल में बड़े स्क्रीन पर देख सकेंगे टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। टी-20 वल्ड कप 2024 का फाइनल मुकाबला शनिवार की रात 8 बजे से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बारबाडोस मैदान में खेला जायेगा। इस मैच का आनंद मेदिनीनगर के शहरवासी भरपूर तरीके से उठा सकें इसके लिए मेदिनीनगर नगर निगम व जिला प्रशासन के तत्वाधान में न्यू टाउन हॉल में बड़े स्क्रीन पर लाइव मैच के प्रसासरण की व्यवस्था की गयी है। सभी क्रिकेट प्रशंसक इस मैच को देखने आ सकते हैं। पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर 250 पास का वितरण भी किया जायेगा। वहीं 100 रुपये के शुल्क पर कॉम्प्लिमेंटरी ड्रिंक्स भी उपलब्ध रहेंगी। ज्यादा जानकारी के लिये अनूप के मोबाइल संख्या 8789250979 व प्रदीप के मोबाइल संख्या 9570073050 पर संपर्क किया जा सकता है।

आजादी का अमृत महोत्सव | स्वच्छ सर्वेक्षण 2024

कार्यालय, नगर पंचायत, बुण्डू (राँची)
पता- ब्लहक रोड, बुण्डू, पिन – 835204
Email Id- nagarpanchayatbundu@gmail.com

पत्रांक – दिनांक –

आम सूचना

नगर पंचायत बुण्डू क्षेत्र अंतर्गत सभी सेप्टिक टैंक ऑपरेटर व आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि कोई भी शौचालय का मलबा खुले मे/रोड पर निस्तारण /बहाव नहीं करेंगे। यदि कोई ऐसा कार्य करता है तो पकड़े जाने पर झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 के प्रावधानों के तहत जुर्माना व कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

प्रशासक,
नगर पंचायत, बुण्डू

PR 328017 Urban Development(24-25).D

आजादी का अमृत महोत्सव | स्वच्छ सर्वेक्षण 2024

कार्यालय, नगर पंचायत, बुण्डू (राँची)
पता– ब्लॉक रोड, बुण्डू, पिन – 835204 Email Id- nagarpanchayatbundu@gmail.com
पत्रांक – दिनांक –

आम – सूचना

नगर पंचायत बुण्डू क्षेत्र अंतर्गत सभी Septic Tank Operators को सूचित किया जाता है कि दिनांक – 08-07-2024 तक नगर पंचायत बुण्डू कार्यालय मे आकर अपना निबंधन (Registration) कराना सुनिश्चित करें अन्यथा बिना पंजीकरण के यदि कोई संचालनकर्ता द्वारा Septic Tank Cleanning का कार्य किया जाता है तो उस स्थिति में विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासक,
नगर पंचायत, बुण्डू

PR 328013 Urban Development(24-25)D

पलामू में आज भी साहित्यिक विरासत जिंदा है : अविनाश

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले का साहित्यिक इतिहास 125 साल पुरानी है। उस विरासत को आज भी अखबार वाले जिंदा रखे हुए हैं। दैनिक अखबार के सौजन्य से टाउन हॉल में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें देश भर से लब्ध प्रतिष्ठित कवि का आगमन हुआ। आयोजक मंडल पुष्पगुच्छ, मोमेंटो देकर स्वागत किए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है। इस तरह के साहित्यिक आयोजन से आने वाली नश्लों को रोशनी मिलेगी। देश के युवा भगत सिंह, विवेकानंद के पद चिन्हों पर चल राष्ट्र को मजबूत बनाएंगे और अमन का गीत गायेंगे। वहीं, शंभू शिखर, भावना तिवारी, अकबर ताज सहित अन्य कवियों ने भी अपने-अपने विचार रखे।

मंत्री मिथिलेश ठाकुर से मिले दीपक तिवारी

पलामू में पेयजल की समस्या से कराया अवगत

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। झामुमो नेता दीपक कुमार तिवारी ने पलामू में भीषण जल संकट को देख अपने सहयोगितों के साथ राज्य के पेयजल मंत्री मिथिलेश ठाकुर से मुलाकात की। उन्हें पलामू प्रमंडल के भयानक पेयजल की समस्या से अवगत कराया है। इस गंभीर मुद्दे पर लंबी बातचीत के बाद मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने दीपक तिवारी को आश्वस्त किया कि झारखंड सरकार पलामू प्रमण्डल में पेयजल के लिए पूरी गति से काम कर रही है। पेयजल प्रयोजन में रोड मैप के साथ सरकार काम कर रही है। इसी कड़ी में पलामू में सेकेंड फेज का पेयजल योजना पर सरकार गंभीरता से आगे बढ़ रही है, जिसका रिजल्ट बहुत जल्द पलामू में दिखेगा। मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि 'हर घर नल में जल' योजना पर भी झारखण्ड सरकार ने कार्य प्रयोजना को रूप देना आरंभ कर दिया है। पेयजल की समस्या पर मंत्री के संज्ञान लिए जाने से उत्साहित झामुमो नेता दीपक तिवारी और उनके सहयोगियों ने मंत्री से आग्रह किया कि विधानसभा चुनाव-2024 में पलामू प्रमण्डल के 09 विधानसभा क्षेत्र क्रमशः डालटनगंज, गढ़वा, लातेहार, मनिका, विश्रामपुर, पाटन-छत्तरपुर, पांकी, भवनाथपुर और हुसैनाबाद में झामुमो हर हाल में अपना प्रत्याशी खड़ा करें। दीपक तिवारी ने मंत्री को बताया कि विगत चार वर्षों में झामुमो ने सरकार के विकासनीत योजनाओं को धरातल पर उतारा गया। गांव-गांव का हर एक आदमी इन योजनाओं से सीधे लाभान्वित हुआ है। यही वजह है कि जन-जन तक में झामुमो सरकार के प्रति जनाधार का अकाट्य विस्तार हुआ है। कहा कि झामुमो बहुत कम समय में जनमानस की पटल पर साकारात्मक ऊर्जा को हासिल करने में कामयाबी हासिल की है। मौके पर चिंयाकी के सदर परवेज अख्तर व समाजसेवी महताब खान आदि मौजूद है।

प्रभारी प्रधानाध्यापक ने बच्चों के बीच किया पुस्तकों का वितरण

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। प्रखंड के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय दरूआ में सत्र 2024-25 के लिए कक्षा एक से पांच तक के छात्र-छात्राओं के बीच विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक अरूण कुमार ने पुस्तक का वितरण किया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं के अनुसार कक्षा एक से पांच तक के बच्चों को निःशुल्क किताबों का वितरण किया गया है। पाठ्य पुस्तक मिलने से छात्र-छात्राओं को सुविधा होगा।

प्रपत्र VI 'क'
समाहरणालय, गढ़वा (जिला भू–अर्जन शाखा, गढ़वा) या समाहर्त्ता या समुचित सरकार

प्रारंभिक अधिसूचना
(अधिनियम–30/2013 की धारा–11(1) के अधीन)
अधिसूचना संख्या 480/भू0अ0,गढ़वा, दिनांक 19.06.2024

चूंकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि **ग्राम–लिदिकण्डा**, थाना नं0–86, थाना–रंका, अंचल–रंका, जिला–गढ़वा में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा परियोजना **रंका–रमकण्डा पथ (कुल लम्बाई 20.925 कि0मी0) का चौड़ीकरण एवं मजबुतीकरण** का कार्य अपेक्षित है। प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्त्ता अथवा नियम 2 (1) (ख) के तहत नियुक्त पदाधिकारी प्रशासक के रूप में नियुक्त किए गए है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि **ग्राम–लिदिकण्डा**, थाना नं0–86, थाना–रंका, अंचल–रंका, जिला–गढ़वा में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश– **2.100** एकड़ मानक माप का भूखंड, जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है :–

क्र.	खाता संख्या	सर्वे प्लॉट संख्या	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	पूरा पता सहित वर्त्तमान रैयत का नाम	सीमा (भूखंड स) उ0	द0	पू0	प0
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	48	669	रैयती	टाड़ दो	0.041	मदुल मिया वगैरह	670	रास्ता	रास्ता	668
2	65	666	रैयती	टाड़ दो	0.094	सकीर अंसारी वगैरह	669	665	रास्ता	649
3	65	663	रैयती	टाड़ दो	0.051	आसीम अंसारी वगैरह	664	662	रास्ता	657
4	26	662	रैयती	टाड़ दो	0.071	फजलुदीन अंसारी वगैरह	663	रास्ता	रास्ता	769
5	71	769	रैयती	टाड़ दो	0.028	सलीम मिया वगैरह	657	रास्ता	662	661
6	71	660	रैयती	टाड़ दो	0.036	गुलबहार अंसारी	659	रास्ता	661	602
7	14	599	रैयती	टाड़ दो	0.087	जुमाई अंसारी वगैरह	600	रास्ता	रास्ता	773
8	77	597	रैयती	टाड़ दो	0.024	अलमुदीन अंसारी वगैरह	595	रास्ता	773	596
9	77	596	रैयती	टाड़ दो	0.033	हबीब अंसारी	595	रास्ता	597	584
10	77	584	रैयती	टाड़ दो	0.029	सदुरन मिया पिता स्व सुयान मिया	585	रास्ता	596	583
11	27	582	रैयती	टाड़ दो	0.138	शाहीद अंसारी पिता स्व0 जहरूदीन अंसारी	583	रास्ता	596	583
12	16	579	रैयती	टाड़ दो	0.091	आसीम अंसारी वगैरह	581	रास्ता	582	578
13	76	552	रैयती	टाड़ दो	0.049	राजेनद्र राम पिता स्वं जवीत रा अन्य	552	रास्ता	552	540
14	7	541	रैयती	टाड़ दो	0.023	बुधन मिया वो सुबेदार मिया	552	रास्ता	552	540
15	76	540	रैयती	टाड़ दो	0.041	बुधन मिया वो सुबेदार मिया	542	रास्ता	541	539
16	3	539	रैयती	टाड़ दो	0.023	अरवज मिया वगैरह	540	रास्ता	540	538
17	3	538	रैयती	टाड़ दो	0.047	अरवज मिया वगैरह	537	रास्ता	540	537
18	76	537	रैयती	टाड़ दो	0.018	सुबेदार मिया पिता साफी मिया	536	रास्ता	538	535
19	25	519	रैयती	टाड़ दो	0.108	फजलुदीन अंसारी वगैरह	515	रास्ता	रास्ता	सिवान
20	29	673	रैयती	टाड़ दो	0.079	जकीरा मिया पिता मिसिर मिया	रास्ता	683	674	684
21	48	685	रैयती	टाड़ दो	0.044	मदुल मिया वगैरह	रास्ता	686	684	रास्ता
22	65	686	रैयती	टाड़ दो	0.055	आसीम अंसारी वगैरह	685	696	688	रास्ता
23		1692	रैयती	टाड़ दो	0.004	अज्ञात	686	696	693	रास्ता
24		1692	रैयती	टाड़ दो	0.038	अज्ञात	692	695	695	रास्ता
25	18	708	रैयती	टाड़ दो	0.071	आसीम अंसारी वगैरह		709	697	रास्ता
26	83	709	रैयती	टाड़ दो	0.003	हबीब मिया, पिता–सुयान मिया	708	711	707	713
27	71	714	रैयती	टाड़ दो	0.080	इब्राहीम मिया वगैरह	रास्ता	सिवान	713	715
28	71	716	रैयती	टाड़ दो	0.033	हनीफ मिया वगैरह	रास्ता	सिवान	715	717
29	14	717	रैयती	टाड़ दो	0.075	जुमाई अंसारी वगैरह	रास्ता	सिवान	716	718
30	67	721	रैयती	टाड़ दो	0.079	अलीम अंसारी पिता–स्व0 वाजुदीन अंसारी	रास्ता	सिवान	720	722
31	67	722	रैयती	टाड़ दो	0.069	अलीम अंसारी पिता–स्व0 वाजुदीन अंसारी	रास्ता	सिवान	721	723
32	67	726	रैयती	टाड़ दो	0.04	अलीम अंसारी पिता–स्व0 वाजुदीन अंसारी	रास्ता	725	722	727
33	16	727	रैयती	टाड़ दो	0.072	हबीब मिया, पिता–सुयान मिया	रास्ता	732	रास्ता	734
34	40	733	रैयती	टाड़ दो	0.017	दोस्त मोहम्मद मिया वगैरह	रास्ता	737	734	738
35	40	735	रैयती	टाड़ दो	0.042	दोस्त मोहम्मद मिया वगैरह	रास्ता	737	734	738
36	34	738	रैयती	टाड़ दो	0.050	स्लाउदीन अंसारी वगैरह	रास्ता	737	735	742
37	3	742	रैयती	टाड़ दो	0.039	अरवज मिया वगैरह	रास्ता	744	738	746
38	3	746	रैयती	टाड़ दो	0.053	अरवज मिया वगैरह	रास्ता	744	745	747
39	39	749	रैयती	टाड़ दो	0.028	कमरूदीन अंसारी	रास्ता	351	747	746
40	3	756	रैयती	टाड़ दो	0.040	जसिम अंसारी वगैरह	रास्ता	755	749	757
41	25	758	रैयती	टाड़ दो	0.057	फजलुदीन अंसारी वगैरह	रास्ता	759	757	रास्ता
कुल :–					2.100					

यह अधिसूचना भू–अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम,2013 (अधिनियम संख्या 30/2013), की धारा–11 (1) के उपबंधों के अधीन सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है।

भूमि की योजना का निरीक्षण जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, गढ़वा के कार्यालय में किसी कार्य दिवस को कार्यावधि में किया जा सकेगा। झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता–सह–समुचित सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथा उपबंधित एवं यथाविनिर्दिष्ट कार्यो के समुचित निष्पादन हेतु अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविष्टि करने, किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए, अवभूमि खोदने या भू–वेधन–छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यो के संचालन करने हेतु जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, गढ़वा और उनके अमीन फैजुल्लाह अंसारी, को प्राधिकृत करता हूँ।

अधिनियम की धारा 11 (4) के अधीन कोई व्यक्ति जिला समाहर्त्ता के पूर्विक अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई अंतरण यथा क्रय/विक्रय नहीं करेगा या ऐसा कोई अंतरण नहीं करवाएगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नहीं उत्पन्न करेगा। अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथा उपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से साठ (60) दिनों के अंतर्गत भू–अर्जन की बाबत किसी प्रकार की आपत्तियां हितबद्ध व्यक्ति द्वारा जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, गढ़वा के समक्ष दर्ज की जा सकेगी।

झारखण्ड सरकार, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, (भू–अर्जन निदेशालय) राँची, झारखण्ड की अधिसूचना संख्या सं0सं0–08ढ0/भू0अ0नि0(अधिनियम)–129/2017/नि0रा, दिनांक 09.10.2018 के आलोक में यह परियोजना सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन की कार्यवाही से मुक्त है।

उपायुक्त,
गढ़वा।

PR 328020 (District) 24-25 (D)

चेतावनी : चैनपुर-नेउरा पथ नहीं बना तो होगा आंदोलन

चैनपुर को पार्क युक्त छठ घाट का तोहफा : अरुणा शंकर

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने शुक्रवार को चैनपुर सूर्य मंदिर तालाब का निरीक्षण करते हुए खुशी जाहिर की। कहा कि पिछले छठ में मैंने चैनपुर सूर्य मंदिर तालाब प्रांगण में छठ सामग्री वितरण करते हुए चैनपुर की माता-बहनों, भाइयों एवं बुजुर्गों से वादा किया था कि जल्द चैनपुर सूर्य मंदिर तालाब का जीर्णोद्धार करते हुए शहर के गांधी उद्यान के तर्ज पर सजाया जाएगा। छठ व्रतियो के लिए सुविधा युक्त घाट बनाया जाएगा जो सपना पूरा होने जा रहा है। प्रथम महापौर ने कहा कि मैंने अपने कार्यकाल में ही पूरे शहर के छह तालाब जिसमें गोरियाही तालाब,शहीद भगत सिंह तालाब, शामदा अहरा तालाब,किशन साव तालाब एवं 2 तालाब चैनपुर का जिसमें सूर्य मंदिर तालाब प्रमुख है। सभी का डिजाइन बनवाते हुए फंड भी उपलब्ध करा दिया गया था। लेकिन तकनीकी स्वीकृति में विलम होने के कारण थोड़ी देर हो गई। पर मुझे खुशी है शनिवार से सभी तालाबों का काम शुरू हो रहा है। प्रथम महापौर ने कहा कि भले मैं अभी पद पर नहीं हूं लेकिन मेरे कार्यकाल की हर एक योजना जो शहर के लिए माइलस्टोन है का निगरानी मैं खुद करूंगी, ताकि कोयल रिवर फ्रंट, गांधी उद्यान, चौक चौराहे, नवनिर्मित टैक्सी स्टैंड, सुव्यवस्थित राजा हरिश्चंद्र घाट और मोहल्ले में बने बच्चों के लिए मल्टीप्ल स्टेशन की तरह मेरे कार्यकाल का बना एक-एक योजना को याद किया जा सके। प्रथम महापौर ने कहा कि शहर के इन 6 तालाबों का गहरीकरण के साथ टहलने के लिए ट्रैक, बुजुर्गों को बैठने के लिए बेंच, लाइट और गार्डन भी होगा जहां लोग सुकून से समय बिता सकेंगें। उन्होंने दुःख जाहिर करते हुए कहा कि कई बार प्रयास के बाद भी चैनपुर थाना से नेउरा तक का रोड नहीं बना। मैं एक बार फिर पलामू डीसी से मिलकर इस रोड को तत्काल बनाने का अनुरोध करूंगी नहीं तो होगा आंदोलन। उस रोड की वजह से जहां सैकड़ो भारी गाड़ियां पत्थर लेकर गुजरती है, जिससे धूल उड़ता हो और हमारे दुकानदार भाई बीमार पड़ रहे हैं। बरसात में कितनी तीन पहिया वाहन पलट जाती जिसका कोई संज्ञान लेने वाला नहीं।

कार्रवाई : एक पिस्तौल, दो कट्टा, 23 जिंदा कारतूस, सात मोबाइल फोन और बोलेरो जब्त

बिहार से बंगाल जा रहे दो अपराधी हथियार-कारतूस के साथ गिरफ्तार

आसनसोल में आभूषण की दुकान में डकैती की थी योजना

निरसा पुलिस ने रामकलानी के डॉन बॉस्को स्कूल के पास दबोचा, तीन डकैत फरार

आजाद सिपाही संवाददाता

पकड़े गये बदमाशों की जानकारी देते पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य।

एग्यारकुंड। बिहार के कुछ बेशेवर अपराधी किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए पश्चिम बंगाल के आसनसोल जा रहे थे। इसकी भनक लगते ही निरसा पुलिस ने रामकनाली स्थित डॉन बॉस्को स्कूल के पास घात लगाकर दो अपराधियों को दबोच लिया। उनकी पहचान शिशुपाल कुमार (24) और टमन कुमार (28) के रूप में हुई है। शिशुपाल बिहार के पटना जिले के पडरक थाना क्षेत्र स्थित रसूला गांव का रहने वाला है। जबकि टमन शेखपुर जिले के मेहुस थाना अंतर्गत माफो गांव का रहने वाला है। इनके पास से एक देशी पिस्तौल, दो देसी कट्टा, 23 जिंदा कारतूस और सात मोबाइल फोन सहित बोलेरो जब्त की गयी है। इसकी जानकारी एग्यारकुंड के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रजत माणिक वाखला ने दी। वे शुक्रवार को निरसा थाना में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि बिहार से कुछ संगठित पेशेवर अपराधी सफेद बोलेरो से गिरिडीह होते हुए निरसा के रास्ते बंगाल के आसनसोल जा रहे थे। संभवतः वे किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के इरादे से जा रहे थे। इसकी सूचना पर हम लोगों ने एक टीम गठित कर रामकनाली डॉन बॉस्को स्कूल के पास वाहन जांच अभियान चलाया और बोलेरो का इंतजार करने लगे। जैसे ही वह गाड़ी वहां पहुंची उन लोगों ने चारों तरफ से उसे घेर लिया और उसमें सवार लोगों को पकड़ने की कोशिश करने लगे। हालांकि तीन अपराधी पुलिस को चकमा देकर पास ही मौजूद झाड़ी का फायदा उठाकर जंगल के रास्ते भागने में सफल रहे। जबकि शिशुपाल और टमन कुमार को पकड़ लिया गया। अधिकारी ने बताया कि पकड़े गए लोगों ने बताया कि वे आभूषण की दुकान में डकैती डालने के इरादे से आसनसोल जा रहे थे। वहां के स्थानीय सूत्र के माध्यम से घटना को अंजाम देना था। पुलिस की मानें तो पकड़े गए आरोपितों में से एक बंगाल के ही रानीगंज में विगत दिनों आभूषण की दुकान में हुई डकैती कांड में शामिल भी था। पुलिस ने कांड संख्या 2001/24 के तहत मामला दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। लगे हाथ पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ कर उनके फरार साथियों का पता लगाने में जुट गयी है। मौके पर थाना प्रभारी मंजीत कुमार, चिरकुंडा थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह, गोविंदपुर थाना प्रभारी रविकांत प्रसाद के अलावे अविनाश कुमार, विश्वजीत ठाकुर, अर्जुन कुमार सिंह, मुकेश कुमार महतो, राजेश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

बरोरा पुलिस ने लोडेड कट्टा और कारतूस लेकर घूम रहे युवक को दबोचा

सिजुआ/कतरास (आजाद सिपाही)। बाघमारा एसडीपीयो आनंद ज्योति मिंज ने सिजुआ स्थित कार्यालय में शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन कर बताया कि फुलारी टांड डेको कंपनी के पास छापामारी कर न्यू डुमरा बरोरा थाना निवासी किशुन महतो उर्फ कारु महतो (30) को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से लोडेड देशी कट्टा एवं एक जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

ग्राम सभा आयोजित कर 5 जुलाई तक करें पेंशन लाभुकों का भौतिक सत्यापन : डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। डीसी विजया जाधव ने शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में सामाजिक सुरक्षा, पशुपालन, गव्य विकास सहकारिता एवं शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की। उन्होंने संबंधित विभागों के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। सामाजिक सुरक्षा के तहत पेंशन भुगतान की समीक्षा क्रम में बैंक से संबंधित कारणों से पेंशन भुगतान लंबित होने की जानकारी ली। सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा ने बताया कि सभी प्रखंडों से 1315 लाभुकों का बैंक खाता बंद होने, आधार नंबर सीडिंग नहीं होने, आधार मैपिंग नहीं होने आदि कारणों से पेंशन राशि भुगतान नहीं हो पाया है। इस पर डीसी ने सभी बीडीओ को लाभुकों से संपर्क कर कमियों को दुरूस्त कराने का निर्देश दिया। बीडीओ द्वारा बताया गया कि आयोजित शिविरों में इनका निष्पादन किया गया है। वहीं, 'पेंशन लाभुकों का भौतिक सत्यापन' कर प्रतिवेदन सामाजिक सुरक्षा कार्यालय में समर्पित करने का निर्देश दिया गया। डीसी ने जिला पंचायती राज पदाधिकारी को सभी मुखिया से पत्राचार कर 'ग्राम सभा आयोजित कर पेंशन लाभुकों का भौतिक सत्यापन के कार्य को पूरा' करने का निर्देश दिया। इस कार्य को 15 जुलाई तक पूरा करने का निर्देश दिया। डीसी ने पशुपालन विभाग की भी समीक्षा की। इस क्रम में उन्होंने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना एवं जिला गव्य विकास कार्यालय द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। बकरा विकास योजना, सुकर विकास योजना, बैकयार्ड कुक्कुट पालन योजना, ब्रायलर कुक्कुट पालन योजना, बत्तख चूजा वितरण योजना के तहत पशुपालकों को वितरण की समीक्षा की। उन्होंने प्रखंडवार शेष लाभुकों को भी शतप्रतिशत वेंडर से समन्वय कर वितरण सुनिश्चित करने को कहा। वहीं, जिला गव्य कार्यालय द्वारा संचालित जोड़ा बैल योजना, दो गाय की योजना एवं पांच गाय की योजना* के तहत भी लक्ष्य अनुरूप पशुओं का वितरण पशुपालकों के बीच करने को कहा। बीडीओ से समन्वय कर स्थानीय प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पशुपालकों के बीच वितरण को कहा। इसके अलावा शिक्षा विभाग अंतर्गत कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की भी डीसी ने समीक्षा की। उन्होंने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के तहत विद्यालयों में नामांकन को लेकर प्राप्त आवेदनों का सत्यापन कार्य दो जुलाई तक पूरा करने को कहा। उन्होंने विद्यालय वार्डन से व्याप्त समस्याओं की जानकारी ली। कहा कि विद्यालय में बच्चियों की काउंसलिंग करें, विद्यालय परिसर की साफ झ सफाई सुनिश्चित करें, पुस्तकालय का संचालन करें, प्रत्येक माह की पांच तारीख को स्वास्थ्य जांच कैंप लगाएं, सभी बच्चियों का स्वास्थ्य जांच करें। वहीं, बीडीओ को बीईईओ की निगरानी करते हुए *पुस्तक वितरण शतप्रतिशत विद्यालयों में सुनिश्चित करने को कहा।

जनता दरबार में डीसी ने सुनी लोगों की शिकायतें

धनबाद (आजाद सिपाही)। डीसी माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार आयोजित कर लोगों की शिकायतों व समस्याओं को सुना। उन्होंने संज्ञान में आए सभी मामलों के आवेदन को संबंधित पदाधिकारी को तत्काल निष्पादन के लिए निर्देशित किया। जनता दरबार में मुख्यतः शिक्षा, जमीन विवाद संबंधी, ऑनलाइन रसीद, आवास, पेंशन, रोजगार, स्वास्थ्य, बकाए वेतन, होम गार्ड नियुक्ति, आर्म लाइसेन्स, सड़क, आय प्रमाण पत्र, वंशावली, छात्रवृत्ति, मुआवजा, वार्ड सदस्य के मानदेय, अबुआ आवास, बंटवारा, जमीन मापी समेत अन्य संबंधित आवेदन आए। डीसी ने आवेदनों को चिन्हित कर संबंधित अधिकारियों को निष्पादन करने का निर्देश दिया। कहा कि जल्द ही इन समस्याओं का समाधान होगा। इसके लिए अधाकिरियों को निर्देश दिया गया है। मौके पर प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत कोषांग नियाज अहमद, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी सुनिल सिंह मौजूद थे।

सभी कर्मचारियों को इपीएफ, इएसआइसी कार्ड उपलब्ध कराया जाये: एम वेंकटेशन

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। केंद्र सरकार की राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अध्यक्ष एम वेंकटेशन ने शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में बैठक की। इस दौरान धनबाद नगर निगम, चिरकुंडा नगर परिषद, आईआईटी, आईएसएम, सिंफर अंतर्गत कार्यरत सफाई कर्मियों की सुरक्षा और समस्याओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। बैठक में राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष एम वेंकटेशन ने सफाई कर्मियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने कार्यरत सफाई कर्मियों-बाह्यश्रोत के माध्यम से कार्यरत सफाई कर्मियों के मिलने वाले प्रतिदिन मानदेय, मासिक मानदेय, कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआइसी) सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। शहरी स्थानीय निकायों ने कहा कि लगभग सभी कर्मचारियों को ईपीएफ एवं ईएसआइसी की सेवा उपलब्ध है। बैठक में राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष ने महिलाओं की समस्याओं के लिए गठित कोषांग के पदाधिकारी/सदस्यों के नाम व मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने की बात कहीं। उन्होंने शहरी स्थानीय निकायों को सभी कर्मचारियों को शतप्रतिशत कर्मियों को इपीएफ (यूएएन) नंबर, इएसआइसी कार्ड बनाने/उपलब्ध कराने को कहा। वहीं, सफाई कर्मियों को पोशाक (यूनिफार्म), साबुन एवं विंटर ड्रेस भी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने शहरी स्थानीय निकायों को कार्यरत सभी सफाई कर्मियों के लिए ग्रुप बीमा कराने का निर्देश दिया। इसे एक माह में सुनिश्चित करते हुए आयोग को सूचित करने को कहा। उन्होंने सफाई कर्मियों को संबोधित करते हुए अपनी समस्याओं को निःसंकोच रखने की बात कहीं, ताकि निराकरण त्वरित गति से किया जा सके। आयोग अध्यक्ष ने सफाई कर्मियों को अपने कार्यालय का नंबर 01124648924 दिया, किसी तरह की बात रखने के लिए दूरभाष पर संपर्क करने को कहा। उन्होंने विभिन्न सफाई कर्मियों के संघ प्रतिनिधियों से भी संवाद किया। सफाई कर्मियों की समस्याओं को सुना और समाधान के दिशा में कार्य के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया। उच्चतम न्यायालय की गाइड लाइन के अनुसार सफाई कर्मियों को नियमानुसार सुविधाएं एवं मानदेय/भत्ता दिलवाने की बात कहीं। मौके पर उप विकास आयुक्त सादात अनवर, नगर आयुक्त रविराज शर्मा, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर, रंजीत कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी आलोक कुमार मिश्रा आदि उपस्थित थे।

लुचीयाबाद के जंगलों में धड़ल्ले से जारी है अवैध कोयला तस्करी

कोयला चोरों पर प्रशासन करे कार्रवाई नहीं तो करेंगे उग्र आंदोलन: करणी सेना

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। पंचेत ओपी क्षेत्र में विगत दिनों जो घटनाएं हुई उससे कालुबथान ओपी और निरसा क्षेत्र भी अछूता नहीं है। बतातें चले कि एक सप्ताह पहले पंचेत ओपी क्षेत्र के लुचियाबाद में अवैध कोयला खनन को लेकर हुए विवाद एवं मारपीट के बाद अब पूरे कोयलांचल में कोयले का अवैध उत्खनन तेजी हो रहा है। इससे कालूबथान से लेकर निरसा भी अछूता नहीं रह गया है। लुचीयाबाग के जंगली क्षेत्रों में अवैध कोयले के धंधेबाजो द्वारा उत्खनन कर ट्रको के माध्यम से कोयला बेचे जाने की तैयारी की जा रही है। इस बाबत करणी सेना के कार्यकर्ताओं को सूचना मिला की अवैध खनन कर ट्रकों में कोयला लादकर बनारस मंडी भेजी जा रही है। इसके बाद ही करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने लुचीबाग जंगलों मे उत्खनन स्थल पहुंच कर जांच की तो सच्चाई सामने आ गयी। हालांकि वे थाना प्रभारी को संपर्क कर पाते उससे पहले ही करणी सेना के कार्यकर्ताओं पर कुछ नकाबपोशों ने हमला कर दिया। पंचेत ओपी पुलिस को लिखित शिकायत मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। जबकि दूसरे पक्ष से भी एक महिला को आगे कर मामला दर्ज कराया गया है। इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद पंचेत ओपी क्षेत्र के लुचीयाबाद के जंगलों व कालुबथान ओपी क्षेत्र में धड़ल्ले से अवैध कोयला की तस्करी जारी है। आशंका है कि कभी भी तस्करों और करणी सेना के कार्यकर्ताओं के बीच खूनी संघर्ष हो सकता है। वहीं, करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण सिंह ने कहा कि कोयला चोरों पर प्रशासन कार्रवाई नहीं करती है तो करणी सेना उग्र आंदोलन करेंगी। दूसरी ओर, चिरकुंडा थाना क्षेत्र के चांच पोटरी के रहने वाले छोटू लाल यादव जो कि झारखंड पुलिस में सिपाही के पद पर कार्यरत हैं। उसका कहना है कि जमीन पर अवैध खनन और कोयला चोरों के विरोध में मेरी जमीन ग्राम चांच पोटरी, डूमरीजोड़, में छह डिसमील जमीन है। जिसमें अवैध रूप से कोयला माफियाओं द्वारा कोयल का खनन अवैध रूप से किया जा रहा है। इसकी शिकायत चिरकुंडा थाना से लेकर एसएसपी, डीसी एवं मुख्यमंत्री संवाद सभी में किया। लेकिन किसी ने भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। जबकि कोयला चोरों द्वारा अवैध खनन और कोयले की तस्करी जारी है। उसके पास इससे जुड़ा वीडियो और रिकॉर्डिंग भी है, जो पत्रकारों को भी दिया गया है।

झारखण्ड सरकार
कार्यालय :- जिला मत्स्य पदाधिकारी, कोडरमा

(आवेदन आमंत्रण सूचना)

वित्तीय वर्ष 2024–25 में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) झारखण्ड राँची के राज्यादेश सं0 07 रा0 (विभाग) दिनांक 19.06.2024 के द्वारा प्राप्त लक्ष्य के आलोक में राज्य योजनान्तर्गत मत्स्य विपणन योजना के तहत् चार पहिया भारवाहक वैन एवं एक्वेरियम शॉप/रंगीन मछली दुकान सज्जा हेतु सुयोग्य आवेदकों से आवेदन–पत्र आमंत्रित किया जाता है जिसकी विवरणी निम्न प्रकार है :–

क्र0	कार्यक्रम	विभागीय अनुदान	लाभुक अंशदान	जिले को प्राप्त भौतिक लक्ष्य
1	चार पहिया भारवाहक वैन	60% अधिकतम 3.60 लाख रू0 (दोनों में से जो कम हो)	40% (शेष राशि)	03 (सामान्य–02) (अनु0जाति– 01)
	एक्वेरियम शॉप/रंगीन मछली दुकान सज्जा– उपकरण हेतु अनुदान	अधिकतम 1.00 लाख रू0	शेष राशि	02 (सामान्य–02)

उपर्युक्त योजना हेतु कोडरमा जिला के मत्स्यजीवी सहयोग समितियों अथवा उनके सदस्यों तथा एक्वेरियम शॉप/रंगीन मछली दुकान संचालकों से दिनांक 12.07.2024 तक जिला मत्स्य कार्यालय, कोडरमा में विहित प्रपत्र में आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है। आवेदन पत्र जिला मत्स्य कार्यालय, कोडरमा में नि:शुल्क उपलब्ध है। अन्य विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में जिला मत्स्य कार्यालय, कोडरमा में सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी,
कोडरमा

PR 328062 Fish(24-25).D

कार्यालय जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, चतरा

(आवेदन–पत्र आमंत्रण सूचना)

वित्तीय वर्ष 2024–25 में सरकार के सचिव कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग), झारखण्ड, राँची के राज्यादेश सं0– 04 रा0 (वि0) दिनांक 30.05.2024 के आलोक में तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्वार योजनान्तर्गत समेकित मत्स्य पालन द्वारा जिला को प्राप्त लक्ष्य हेतु वैसे लाभुक जिनके पास एक एकड़ अथवा उससे अधिक के निजी तालाब हो , अथवा वित्तीय वर्ष 2024–25 से तीन वर्षो के लिए लीज पर हों। आर0एफ0एफ0 की लाभुक समिति भी इसके आवेदक हो सकते है।

क0	योजना का नाम	भौतिक लक्ष्य (सं0 में)		ईकाई लागत (रू) में	अनुदान की राशि प्रति ईकाई(रू0) में	लाभुक का अंशदान (रू0) में	अभ्युक्ति
		101	789				
1	2	3	4	5	6	7	8
1	मछली–सह–बतख पालन	06	03	मो01,53,350/– (प्रति 0.4 हे0)	अ0ज0जा0/अ0जा0/महिला – मो01,22,680/– रू0 प्रति ईकाई (80%)	30,670/– (20%)	
					सामान्य– मो01,07,345/–रू0 प्रति ईकाई (70%)	46,005/– (30%)	

एतद् द्वारा उक्त तालिका में दिये गये विवरणों के आलोक में चतरा जिला के ऐसे मत्स्य पालकों से जो आवेदन करने की अहर्ता रखते हैं एवं आवेदित कार्यकम के कियान्वयन में अपना अंशदान लगाने हेतु सक्षम हैं, से आवेदन आमंत्रित किया जाता है।
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 15.07.2024
आवेदन जमा करने का स्थान : जिला मत्स्य कार्यालय, चतरा।
आवेदन प्रपत्र जिला मत्स्य कार्यालय, चतरा से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,चतरा

PR 328058 Fish(24-25).D

कार्यालय :– जिला मत्स्य पदाधिकारी, कोडरमा।
आवेदन पत्र आमंत्रण सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में सरकार के सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) झारखण्ड, राँची के राज्यादेश सं0 05 रा0 दिनांक 13.06.2024 के आलोक में विभिन्न योजनाओं हेतु सुयोग्य आवेदकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है, जिसकी विवरणी निम्न प्रकार है –

क्रम	योजना का नाम	भौतिक लक्ष्य	इकाई लागत (रू0 में)	अधिकतम अनुदान की राशि (रू0 में)	लाभुक का अंशदान (रू0 में)	अभ्युक्ति
1	उत्कृष्ट मत्स्य कृषकों/मत्स्य बीज उत्पादकों/हैचरी संचालकों को पुरस्कार स्वरूप 12 पैडल व्हील एयरेटर/ऑक्सीजन सिलिन्डर (सं0 में)	04	–	30000.00	अनुदान के अतिरिक्त शेष राशि लाभुक का अंशदान होगा।	आवेदन पत्र में अंकित अनुलग्नक/कागजातों को आवेदन के साथ संलग्न करना आवश्यक है।
2	निजी क्षेत्र में महाझींगा पालन (एकड़ में)	06	160000.00 (प्रति एकड़)	महिला/अनु0 जाति/अनु0 जनजाति के लिए 128000.00 तथा सामान्य/अन्य लिए 112000.00	महिला/अनु0 जाति/अनु0 जनजाति के लिए 32000.00 तथा सामान्य/अन्य लिए 48000.00	
3	नये रंगीन मछली पालन (संख्या में)	10	20000.00	20000.00	–	
4	केज मत्स्य पालकों को लाईफ जैकेट (संख्या में)	50	2420.00	1815.00	605.00	
5	जलाशय स्तरीय मछुआरों के लिए आईडेन्टिटी कार्ड	100	150.00	–	–	

उपर्युक्त योजनान्तर्गत कार्यालय में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 12.07.2024 एवं इससे संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में जिला मत्स्य कार्यालय, कोडरमा के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। आवेदन पत्र कार्यालय अवधि में कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त की जा सकती है।

PR 328066 Fish(24-25)D

जिला मत्स्य पदाधिकारी,कोडरमा।

कार्यालय-कार्यपालक अभियंता, एन०आर०ई०पी०, लातेहार

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण, सूचना संख्या–03/2024–25

विज्ञापन दाता का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियन्ता, एन0आर0ई0पी0, लातेहार।
परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :– दिनांक– 06.07.2024 कार्यालय दिवस में 11.00 बजे पूर्वाहन से 1.00 बजे अपराहन तक।
परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– कार्यपालक अभियन्ता, एन0आर0ई0पी0 के कार्यालय
निविदा प्राप्त करने की तिथि :– दिनांक– 08.07.2024, को 1.00 बजे अपराह्न तक।
निविदा खोलने की तिथि :– दिनांक– 08.07.2024 को अपराह्न 1.30 बजे।
निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– जिला नियंत्रण कक्ष, लातेहार।
कार्य की विस्तृत विवरणी :–

क0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रूपये)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	प्रखंड– मनिका, पंचायत–दुन्दु, राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, दुन्दु, में चाहरदिवारी निर्माण।	6,23,300.00	12500.00	1250.00	3 माह
2	प्रखंड– मनिका, पंचायत–सिंजो, उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, कोड़वाकरम में चाहरदिवारी निर्माण।	13,34,700.00	27000.00	2500.00	3 माह
3	प्रखंड– बालूमाथ, पंचायत–बालू, अंगनबाडी केन्द, कलकलिया पारटोंगरी में चाहरदिवारी निर्माण।	5,16,624.00	10500.00	1250.00	3 माह
4	प्रखंड– बालूमाथ, पंचायत–बसिया, अंगनबाडी केन्द, जर्री में चाहरदिवारी निर्माण।	3,32,810.00	6700.00	750.00	3 माह
5	प्रखंड– बालूमाथ, पंचायत–बसिया, अंगनबाडी केन्द, बसिया पारटोंगरी में चाहरदिवारी निर्माण।	4,85,547.00	9800.00	750.00	3 माह
6	प्रखंड– बालूमाथ, पंचायत–बसिया, अंगनबाडी केन्द, पिण्डारकोम में चाहरदिवारी निर्माण।	4,31,294.00	8700.00	750.00	3 माह
7	प्रखंड– बालूमाथ, पंचायत–बसिया, अंगनबाडी केन्द, बहेरा में चाहरदिवारी निर्माण।	4,69,280.00	9400.00	750.00	3 माह

1. ग्रामीण कार्य विभाग / भवन प्रमण्डल विभाग के समुचित श्रेणी के निबंधित संवेदक ही इस निविदा में भाग ले सकेगें।
2. परिमाण विपत्र का मुल्य परिमाण विपत्र में अंकित राशि के अनुरूप आवेदन के साथ बैंक ड्राफ्ट (भारतीय स्टेट बैंक) के रूप में कार्यपालक अभियंता, एन0आर0ई0पी0, लातेहार के पदनाम से देय होगा एवं अदायगी पर (जो लौटाया नही जाएगा) परिमाण विपत्र निर्गत किया जाएगा। बैंक ड्राफ्ट लातेहार में भुगतेय होगा एवं बैंक ड्राफ्ट की वैद्यता निविदा प्राप्ति की तिथि से दो माह का होना अनिवार्य है।
3. प्राक्कलन की राशि घट–बढ़ सकती है। तदनुसार अग्रधन की राशि घट–बढ सकती है।
4. निविदा की अन्य शर्तें **https://latehar.nic.in** एवं कार्यालय, एन0आर0ई0पी0, लातेहार के सूचना पट्ट पर कार्यालय अवधि में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
एन0आर0ई0पी0, लातेहार।

PR.NO.328125 Rural Development(24-25):D

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 29 जून, 2024
www.azadsipahi.in

सोआ ने वायु गुणवत्ता की निगरानी और सुधार के लिए स्टार्ट-अप कंपनी के साथ की साझेदारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शिक्षा 'ओ' अनुसंधान ने ओडिशा स्थित स्टार्ट-अप ऑराश्योर प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी कर अपने परिसर में अत्याधुनिक सेंसर-आधारित मौसम और वायु गुणवत्ता निगरानी उपकरणों को लगाया है। ऑराश्योर कंपनी के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सत्यनारायण बिशोयी ने कहा कि ऑराश्योर ने यूनिवर्सिटी क्लीन एयर नेटवर्क (यूसीएएन) नामक एक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य जलवायु-आधारित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए राज्य भर में वायु गुणवत्ता और मौसम की

निगरानी और सुधार के लिए समर्पित विश्वविद्यालयों का एक नेटवर्क विकसित करना है। तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आइटीइआर), एसओए के इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय के परिसर में एक उपकरण स्थापित किया गया है, जो रियल टाईम पर पार्टिकुलेट मैटर सहित विभिन्न वायु गुणवत्ता और मौसम मापदंडों पर वास्तविक डेटा प्रदान करेगा। बिशोयी ने कहा कि सेंसर मौसम की स्थिति को मापेगा, व्यापक पर्यावरणीय अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा, जो प्रभावी नीति बनाने और सामुदायिक जागरूकता पैदा करने में मदद कर सकता है।

इस संबंध में मंगलवार को एसओए और ऑराश्योर के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये। एसओए के कुलपति प्रो प्रदीप्त कुमार नंदा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये, जबकि ऑराश्योर की ओर से बिशोई ने हस्ताक्षर किया। एसओए के सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट के निदेशक डॉ शरत चंद्र साहू ने कहा कि हम ऑराश्योर की यूसीएएन पहल का हिस्सा बनकर खुश हैं, क्योंकि यह छात्रों और शोधकर्ताओं को पर्यावरणीय चुनौतियों का अध्ययन करने और उनका समाधान करने के लिए आवश्यक उपकरणों के साथ सशक्त बनाता है।

एनटीपीसी तालचेर थर्मल को व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा में उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित 'गोल्डन पीकॉक' पुरस्कार मिला

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। एनटीपीसी तालचेर थर्मल को वर्ष 2024 के लिए विद्युत क्षेत्र में व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा में उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित गोल्डन पीकॉक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। 27 जून को बेंगलुरु में पर्यावरण प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन पर आयोजित 25वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान तालचेर थर्मल के कार्यकारी निदेशक गौतम देब ने कहा कि गोल्डन पीकॉक अवार्ड नवीन सुरक्षा उपायों, कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रमों और व्यावसायिक स्वास्थ्य हेतु एक सक्रिय दृष्टिकोण को लागू करने के लिए तालचेर

थर्मल की अटूट प्रति बद्धता को मान्यता देता है। जिसने उद्योग में एक बेंचमार्क स्थापित किया है। सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण को बढ़ावा देने के लिए एनटीपीसी तालचेर थर्मल के समर्पण ने इसके अनुकरणीय सुरक्षा रिकॉर्ड और परिचालन उत्कृष्टता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

तालचेर थर्मल के कार्यकारी निदेशक गौतम देब ने कहा कि यह मान्यता व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के उच्चतम मानकों को सुनिश्चि त करने की दिशा में हमारे अथक प्रयासों का एक प्रमाण है। तालचेर थर्मल में हम मानते हैं कि हमारे कर्मचारी और श्रमिक हमारी सबसे मूल्यवान संपत्ति हैं और उनके भलाई सर्वोपरि है। यह पुरस्कार हमें शून्य हानि प्राप्त करने और हमारे सुरक्षा प्रोटोकॉल को बढ़ाने की दिशा में अपनी यात्रा जारी रखने के लिए प्रेरित करता है।

एनटीपीसी तालचेर थर्मल सुरक्षा प्रथाओं में निरंतर सुधार और नवाचार के लिए प्रति बद्ध है। नये उद्योग मानक स्थापित करने और सभी के लिए एक सुरक्षित, स्वस्थ भविष्य में योगदान देने का प्रयास कर रहा है।

एमसीएल ने 50 मीट्रिक टन कोयला डिस्पैच को पार कर बनाया नया रिकॉर्ड

आजाद सिपाही संवाददाता

संबलपुर। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 50 मिलियन टन कोयला डिस्पैच को पार करके परिचालन उत्कृष्टता में एक नया मानदंड स्थापित किया है, पिछले रिकॉर्ड से सात दिन पहले यह मील का पत्थर हासिल किया है। यह उपलब्धि पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में समग्र डिस्पैच में 7.7% की मजबूत वृद्धि को दर्शाती है।

कोयला डिस्पैच में 50 मिलियन टन का आंकड़ा बुधवार को पहुंच गया, जो देश की ऊर्जा जरूरतों को कुशलतापूर्वक पूरा करने के लिए एमसीएल की प्रतिबद्धता को

रेखांकित करता है।

विशेष रूप से, बिजली क्षेत्र में डिस्पैच में 7.5% की वृद्धि हुई है, जो भारत के बिजली उत्पादन बुनियादी ढांचे के समर्थन में एमसीएल की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने रेलवे के माध्यम से पर्यावरण-अनुकूल कोयला डिस्पैच में 15% की प्रभावशाली वृद्धि हासिल की है।

टीम एमसीएल के समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए अपनी सराहना व्यक्त करते हुए, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक उदय ए काओले ने कहा कि रिकॉर्ड समय में 50 मिलियन टन कोयला डिस्पैच को पार करना हमारी टीम के अथक प्रयासों और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह मील का पत्थर न केवल हमारी परिचालन उत्कृष्टता को रेखांकित करता है बल्कि देश की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने के हमारे संकल्प को भी मजबूत करता है।

चैतन्या प्रोजेक्ट्स कंसल्टेंसी ने सुंदरगढ़, ओड़िशा में 4 लेन समर्पित कोयला कॉरिडोर सड़क को पूरा किया

आजाद सिपाही संवाददाता

सुंदरगढ़, ओडिशा। चैतन्या प्रोजेक्ट्स कंसल्टेंसी प्रा. लि., भारत भर में इंफ्रास्ट्रक्चर लिंक करने के परामर्श की अगुआई करने वाले दृष्टिगोलक सार्वजनिक और निजी सेक्टर के नेता ने बैंकिबहल से भेडाबहल (एसएच 10) तक विशेषित 4-लेन कोयला कॉरिडोर रोड का सफल पूरा होने घोषणा की। यह कोरिडोर क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण पाइपलाइन का कार्य करता है। हेमगीर, लेफ्रिपड़ा, तांगरपाली, बिलाशाकरा, और सदर के 2.8 लाख गांववालों के जीवन को आसान बनाता है। यह 7 किलोमीटर की रोड को बिटुमेन की बजाय कंक्रीट से निर्मित किया गया है, जिसमें 277 करोड़ का निवेश किया गया है। यह प्रतिदिन लगभग 200 कोयले लेकर चलने वाले भारी वाहनों के कारण ध्वनि, धूल प्रदूषण और हादसे के खतरों को काफी कम कर देता है। यह परिवर्तनात्मक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना, जिसकी लंबाई 30.811

किलोमीटर है, राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर गाड़ती है। इसे आधिकारिक रूप से 23 अप्रैल 2024 को उद्घाटित किया गया था।

चैतन्या प्रोजेक्ट्स कंसल्टेंसी के संस्थापक और प्रबंध निदेशक संजय कुमार सिन्हा ने कहा, &क्यूयूओटी; बेहतर सड़क की स्थिति अधिक कुशल कोयला ट्रांसपोर्ट की सुविधा प्रदान करेगी, जिससे संभावित रूप से बचत होगी, जिससे वर्तमान में देरी और रोकथामों से गये धन को बचाने के समर्थन में महत्वपूर्ण है। बैंकिबहल से भेडाबहल तक विशेष 4-लेन कोयला कॉरिडोर रोड का पूरा हो जाना, हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है सम्पूर्ण विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में।

श्री सिन्हा ने आगे कहा कि हमें गर्व है कि हम ओडिशा के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में योगदान दे रहे हैं, जो वैश्विक पर्यावरण स्थायीता के लक्ष्यों के साथ संगत है। यह परियोजना क्षेत्रीय संयोजन को बढ़ावा देती है और हमारी भूमिका को उजागर करती है कि समुदायों और उद्योगों के लिए एक लचीले और परस्पर जुड़े भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। यह कोरिडोर ओड़िशा के इंफ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क में एक महत्वपूर्ण लिंक का प्रतिनिधित्व करता है। सड़क और बिल्डिंग मंत्रालय के मार्गदर्शन में, चैतन्या प्रोजेक्ट्स कंसल्टेंसी ने अंतरराष्ट्रीय मानकों और बेस्ट प्रेक्टिस के प्रति स्थिर प्रतिबद्धता के साथ परियोजना को कार्यान्वित किया है। कटिंग-एज तकनीकियों और पारिस्थितिकीय विधियों को सम्मिलित करके, यह कोरिडोर चैतन्या की भारत की इंफ्रास्ट्रक्चर में मेल मिलाव के प्रतीक है और आने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए एक मानक स्थापित करता है। सरकारी इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के बैकग्राउंड में, हम ओड़िशा के भूमिकाओं को परिभाषित करने के लिए 11 और पुलों को समन्वयित कर रहे हैं। यह परियोजना की फंडिंग महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड ने किया था और इसे ओड़िशा के आर एंड बी विभाग ने निर्मित किया था। जब इस कोरिडोर को यातायात के लिए खोला जायेगा, तो यह सुंदरगढ़ और उसके आसपास क्षेत्रों के लिए प्रगति और उन्नति के एक नये युग की घोषणा करेगा।

अमरनाथ के लिए 4603 तीर्थयात्रियों का पहला जत्था रवाना

- सीआरपीएफ की थ्री लेयर सिक्योरिटी में बालटाल-अनंतनाग बेस कैंप पहुंचेगी 231 गाड़ियां

आजाद सिपाही संवाददाता

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले 4603 तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को शुक्रवार को सुबह हरी झंडी दिखायी। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास बेस कैंप से तीर्थयात्रियों को 231 वाहनों में सीआरपीएफ की थ्री लेयर

सिक्योरिटी के बीच रवाना किया। अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू हो रही है जो 19 अगस्त (52 दिनों) तक चलेगी। श्री सिन्हा ने तीर्थयात्रियों को सुरक्षा के लिए कामना भी की। उन्होंने कहा कि बाबा अमरनाथजी का आशीर्वाद सभी के जीवन में शांति, खुशी और समृद्धि लाये। तीर्थयात्रियों का यह पहला जत्था जम्मू से कश्मीर के दो बेस कैंप उत्तरी कश्मीर के बालटाल और दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग के लिए रवाना हुआ है।

अधिकारियों ने कहा कि 19 अगस्त तक अलग-अलग रास्तों पर ट्रैफिक पर रोक लगायी जायेगी। साथ ही लोगों को परेशानी नहीं हो, इसके लिए हर रोज एडवाइजरी जारी की जायेगी। इस साल अमरनाथ यात्रा के लिए 3.50 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। वहीं, अमरनाथ यात्रा के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की 26 जून से शुरुआत हो चुकी है। जम्मू के एसडीएम ने बताया कि सरस्वती धाम सेंटर से ऑफलाइन टोकन दिया जा रहा है। यात्रा की शुरुआत से पहले ही साधु-संत जम्मू पहुंचने लगे हैं।

चुनाव की तैयारी में अभी से जुट जायें कार्यकर्ता : लक्ष्मण

आजाद सिपाही संवाददाता

राजधनवार। भजपा नेता सह पूर्व आइजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने शुक्रवार को धनवार के बरजो स्थित भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक बैठक की। इस दौरान पार्टी की मजबूती को लेकर विचार विमर्श किया गया। उन्होंने अगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं को अभी से तैयारी में जुट जाने की अपील की तथा जीत के लिए संगठनात्मक मजबूती के साथ काम करने की सलाह दी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को केंद्र सरकार के कल्याणकारी एवं राष्ट्रहित के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने को कहा। कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों को दिलाने में सहयोग करने की जरूरत बतायी। बैठक के दौरान श्री सिंह लोगों की समस्याओं से भी अवगत हुए। बाद में श्री सिंह मसनोडीह गांव पहुंच नगरपालिका द्वारा स्कूल के बगल में कूड़ा फेंकने को लेकर इससे संबंधित पदाधिकारी से बात की। इस मौके पर अनील राय, प्रमोद नारायण देव, पवन सिंह, उपेंद्र सिंह, बब्लू राय, सोहन यादव, भोपाल सिंह, पंकज दास, अशोक राय, संजीत पासवान और सचिन तिवारी मौजूद थे।

जियो के बाद एयरटेल के रिचार्ज 21% तक महंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारत के दूसरे सबसे बड़े टेलीकॉम ऑपरेटर भारती एयरटेल ने रिलायंस जियो के बाद मोबाइल टैरिफ में 10%-21% तक बढ़ोतरी की घोषणा की है। सुनील भारती मित्तल की टेलीकॉम कंपनी ने कहा कि वह 3 जुलाई 2024 से मोबाइल टैरिफ में संशोधन करेगी। अब 179 रुपये वाला सबसे सस्ता प्लान 199 रुपये में मिलेगा। इसमें 28 दिन की वैलिडिटी, अनलिमिटेड कॉलिंग और 2 जीबी डेटा मिलता है। वहीं 265 रुपये वाला प्लान 299 रुपये में मिलेगा। इसमें 28 दिन की वैलिडिटी के साथ अनलिमिटेड कॉलिंग और 2 जीबी डेटा रोजाना मिलता है। एयरटेल ने कहा कि उसका मानना है कि भारत में दूरसंचार कंपनियों के लिए वित्तीय रूप से मजबूत बिजनेस मॉडल को सक्षम करने के लिए एवरेज रेवेन्यू पर यूजर यानी, एआरपीयू 300 रुपये से ऊपर होना चाहिए। हम एंट्री लेवल प्लान में 70 पैसे प्रति दिन की बढ़ोतरी कर रहे हैं।

रिकॉर्ड हाई बना कर गिरा एयरटेल का शेयर : एयरटेल की रिचार्ज प्लान में बढ़ोतरी के बाद शुक्रवार को उसका शेयर रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान शेयर ने 1,536 रुपये का स्तर छुआ। हालांकि, बाद में ये नीचे आया और 1.82% की गिरावट के साथ 1,449 रुपये पर बंद हुआ। इस साल शेयर 43% चढ़ा है।

ग्लास फैक्टरी में विस्फोट पांच लोगों की हुई मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में शुक्रवार को कांच की फैक्ट्री में धमाका हुआ। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गयी और 15 घायल हो गये। हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है। पुलिस ने बताया कि शादनगर की फैक्ट्री में एक टैंक में शाम करीब 4.30 बजे विस्फोट हुआ।

VERMA PRESS
वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
Verma's® Today®
श्रृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar– II	₹ 120	English Grammar– II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**